हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

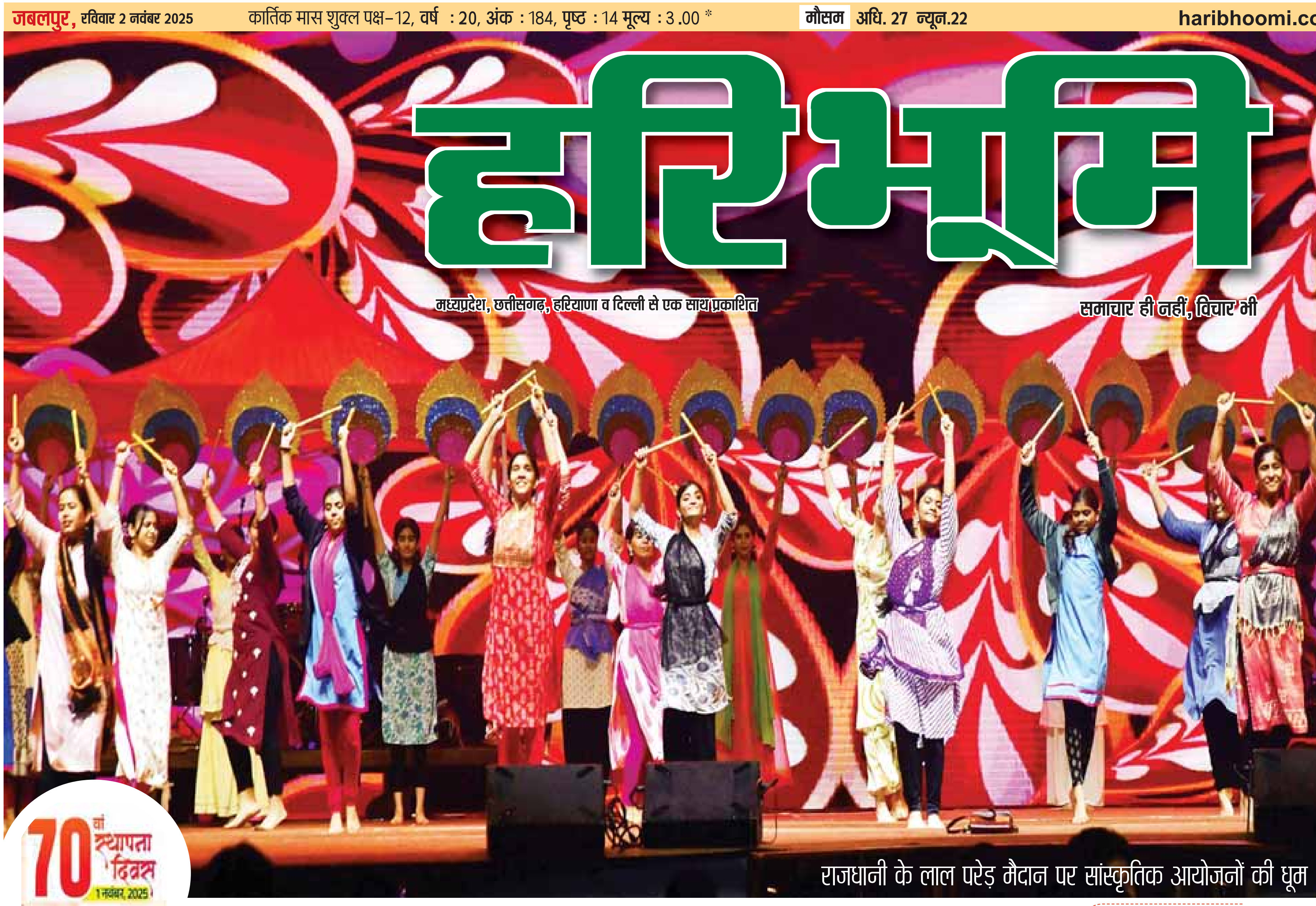

राजधानी के लाल परेड मैदान पर सांस्कृतिक आयोजनों की धूम

विकास का जगमगाता 'अभ्युदय'

70 वां स्थापना दिवस 1 नवंबर, 2025 मध्यप्रदेश

मप्र के स्थापना दिवस पर 'विकास के नए आयामों का अभ्युदय'

सीएम डॉ. यादव ने शुभारंभ पर कहा-हम दूरियों को नहीं, दिलों को जोड़ने जा रहे हैं

'इंट्रा स्टेट एयर सर्विसेज' में मप्र देश का पहला राज्य बन गया

सीएम ने कहा कि मप्र अपने नागरिकों और पर्यटकों को आधुनिक सुविधाओं के साथ संस्कृति की आत्मीयता भी प्रदान करेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हवाई यात्रा केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि एक आनंददायक यात्रा का अनुभव भी बने। मप्र अपने नागरिकों और पर्यटकों को आधुनिक सुविधाओं के साथ संस्कृति की आत्मीयता भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश की दूरियों को नहीं, बल्कि दिलों और अनुभवों को भी जोड़ने जा रहे हैं। हेलिकॉप्टर सेवा पर्यटन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी। यह सुविधा न केवल पर्यटकों और यात्रियों का समय बचाएगी बल्कि उन्हें एक ही यात्रा में आस्था, आध्यात्म, पर्यटन और अनुभव का अद्भुत संगम भी प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को राजा भोज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे परिसर में आयोजित विशेष समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस सेवा का उद्देश्य प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों को हवाई मार्ग से जोड़कर दूरियां मिटाकर समय बचाना भी है। राज्य में एयर एंबुलेंस और हेलिकॉप्टर पर्यटन सेवा (इंट्रा स्टेट एयर सर्विसेज) शुरू करने वाला मप्र पूरे देश में पहला और इकलौता राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री ने मप्र के 70 वें स्थापना दिवस पर राज्य के पर्यटन एवं विमानन क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण और नवाचारी सेवाओं सहित राजा भोज एयरपोर्ट में उन्नयन कार्यों का शुभारंभ किया। इन सेवाओं में पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलीकॉप्टर सेवा, 'डिजी यात्रा', 'फ्लाईब्रेरी', 'किड्स प्ले ज़ोन' तथा 'केट-1 से केट-2 आईएलएस प्रणाली' जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल हैं।

मप्र में पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलिकॉप्टर सेवा का हुआ भव्य शुभारंभ

तीन टूरिज्म सेक्टर्स में हेलीकॉप्टर सेवा की हुई शुरूआत, नियमित संचालन 20 नवंबर से

मुख्यमंत्री शुभारंभ करते हुए

पीएमश्री हवाई पर्यटन हेलिकॉप्टर सेवा, डिजी यात्रा, फ्लाईब्रेरी, किड्स प्ले ज़ोन और केट-2 आईएलएस प्रणाली से मप्र को मिली विकास की नई उड़ान

पीएमश्री पर्यटन हेलिकॉप्टर्स को हरी झंडी दिखाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को राजा भोज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पीएमश्री पर्यटन हेलिकॉप्टर्स को हरी झंडी दिखाकर मप्र में इस सेवा का शुभारंभ किया। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर तथा संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी को बोर्डिंग पास देकर इस हेली पर्यटन सेवा की प्रक्रियागत शुरुआत भी की।

हेलिकॉप्टर सेवा से पर्यटन को मिलेगी नई दिशा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि पीएमश्री पर्यटन हेलिकॉप्टर सेवा में शुरूआती चरण में तीन प्रमुख पर्यटन सेक्टर्स में हेली सेवाएं चलाई जाएंगी। प्राथमिक चरण में इंदौर से उज्जैन एवं ओंकारेश्वर, भोपाल से मढ़ई एवं पचमढ़ी तथा जबलपुर से बांधवगढ़ एवं कान्हा जैसे प्रमुख स्थलों तक हेलिकॉप्टर उड़ानें संचालित की जाएंगी। इस सेवा से पर्यटकों को कम समय में अधिक पर्यटन स्थलों की यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। यह सेवा प्रदेश के ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में रोजगार सृजन, होम-स्टे व्यवसाय और स्थानीय उत्पादों के विपणन को भी बढ़ावा देगी। इस पहल से प्रदेश में हेलिकॉप्टर चार्टर कंपनियों, पर्यटन एजेंसियों, गाइड सेवा प्रदाताओं और महिला स्व-सहायता समूहों को भी नए अवसर प्राप्त होंगे।

विकसित मध्यप्रदेश @2047 विजन डॉक्यूमेंट लांच

मुख्यमंत्री ने कहा विजन डॉक्यूमेंट 'नव मप्र' निर्माण की आधारशिला

पंचायत और जिला स्तर से प्राप्त सुझावों के आधार पर विकसित किया गया है डॉक्यूमेंट

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि एक नवंबर को हम न केवल प्रदेश की उपलब्धियों का उत्सव मना रहे हैं, बल्कि आने वाले 25 वर्षों के कार्यकाल की शुरूआत भी कर रहे हैं। पिछले दो वर्ष विकसित और आत्मनिर्भर मप्र की आधारशिला रखने वाले रहे। इन वर्षों में मप्र ने विरासत से विकास के पथ पर अग्रसर होते हुए औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन, निवेश प्रोत्साहन, आधारभूत ढांचे के विस्तार में अनेकों उपलब्धियां अर्जित की। आने वाले समय में यही गति प्रदेश को देश के अग्रणी औद्योगिक केन्द्र के रूप में स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को रवींद्र भवन में प्रदेश के 70 वें स्थापना दिवस पर अभ्युदय मप्र के तहत विकसित मप्र @2047 विजन डॉक्यूमेंट विमोचन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने ने कहा कि यह दो दशकों के लिए आत्मनिर्भर, विकसित मप्र का रोडमैप है। मुख्यमंत्री ने ओंकारेश्वर अभयारण्य विकसित करने की घोषणा की। इसमें खंडवा और देवास जिले के क्षेत्र शामिल होंगे। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से विकसित वॉश ऑन व्हील्स मोबाइल एप का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने एमपी ई-सेवा पोर्टल, इन्वेस्ट एमपी 3.0 पोर्टल, वॉश ऑन व्हील्स मोबाइल एप का किया लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया

प्रधानमंत्री के विकसित भारत @2047 के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा यह डॉक्यूमेंट

सीएम ने ओंकारेश्वर अभयारण्य विकसित करने की घोषणा की इसमें खंडवा और देवास जिले के क्षेत्र शामिल होंगे

अगले तीन वर्षों में दो लाख शासकीय नौकरियां उपलब्ध कराएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए वर्ष 2025 को निवेश और रोजगार वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। प्रदेश में हुए विशेष प्रयासों से 30 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव हुए। इसमें से 8 लाख 44 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को स्वीकृति मिली। इनसे 6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होंगे। पिछले 2 वर्षों में 8 लाख 25 हजार लोगों को रोजगार मिला। 23 हजार 853 करोड़ रूपएसे अधिक का निवेश मिला है। उन्होंने कहा कि 60 हजार सरकारी पदों पर भर्तियां की जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री जनसेवा के हैं प्रतीक : केंद्रीय मंत्री नायडू

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनसेवा के प्रतीक हैं। प्रदेश की सरकार देश के विभिन्न अंचलों में हो रहे नवाचारों को समाहित करते हुए प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विजन डॉक्यूमेंट इसी का प्रतीक है। ओम से लेकर एआई तक के क्षेत्र में हो रहे कार्य बताते हैं कि मप्र केवल संस्कृति के लिए ही नहीं, अपितु विकास और समृद्धि के लिए भी देश में विशेष पहचान बनाएगा।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

जम्मू में बिना टिकट यात्रा वसूले 67 लाख रुपए

जम्मू। उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने बिना टिकट यात्रा के खिलाफ एक बड़े अभियान में, पिछले महीने 11,000 से अधिक यात्रियों पर जुर्माना लगाया जिससे 67 लाख रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। उन्होंने कहा कि राजस्व हानि को रोकने तथा यात्रा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सघन जांच अभियान और औचक निरीक्षण किया गया। मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उचित सिंघल ने कहा, सभी वास्तविक रेल उपयोगकर्ताओं को आरामदायक यात्रा और बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए, जम्मू मंडल के टिकट-जांच कर्मियों ने अक्टूबर में बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए रेलगाड़ियों में और स्टेशनों पर निरंतर अभियान चलाया। आने वाले समय में इस तरह के अभियान गति पकड़ेंगे।

यूआईडीएआई ने महत्वपूर्ण नियम लागू किए

नाम, पता, जन्मतिथि- मोबाइल नंबर में अब कभी भी 'बदलाव'

आधार सेंटर के चक्कर लगाने की कोई जरूरत नहीं होगी

ऑनलाइन अपडेट 14 जून 2026 तक फ्री रहेगा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

आधार से जुड़े नियमों में भी शनिवार से कुछ बदलाव प्रभावी हो गए हैं। यूआईडीएआई (भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण) ने 1 नवंबर से आधार के कुछ बहुत अहम और महत्वपूर्ण नियमों में बदलाव लागू कर दिए हैं। अब आधार कार्ड होल्डर अपना नाम, पता, जन्मतिथि और मोबाइल नंबर में कभी भी और कहीं भी बदलाव कर सकते हैं। ये प्रोसेस अब पैन या पासपोर्ट जैसे लिंक किए गए सरकारी रिकॉर्ड के जरिए डेटा को वैरिफाई करती है, जिससे डॉक्यूमेंट अपलोड करने या सेंटर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

इस नए बदलाव से अब इन कामों के लिए आधार सेंटर के चक्कर लगाने की कोई जरूरत नहीं होगी। इन नए नियमों का उद्देश्य आधार से जुड़ी सेवाओं को तेज, आसान और सुविधाजनक बनाना है। पैन और आधार को लिंक करने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर, 2025 है। अगर आप 31 दिसंबर तक अपने आधार और पैन को लिंक नहीं करते हैं तो 1 जनवरी, 2026 से अपना पैन निष्क्रिय हो जाएगा। इसके अलावा, नए पैन के लिए भी आधार ऑथेंटिकेशन की जरूरत होगी।

आधार सेवाओं की फीस में भी बदलाव

यूआईडीएआई ने आधार सेवाओं के लिए नई फीस का ब्योरा जारी कर दिया है। डेमोग्राफिक डिटेल्स में बदलाव के लिए 75 रुपए की फीस लगेगी, जबकि बायोमीट्रिक अपडेट के लिए 125 रुपए की फीस लगेगी। ऑनलाइन अपडेट 14 जून 2026 तक फ्री रहेंगे, उसके बाद नई फीस लागू होगी। इसके अलावा, 5-7 और 15-17 साल के बच्चों के लिए फ्री बायोमीट्रिक अपडेट आगे भी जारी रहेगा।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए बॉन्ड

सरकारी गोल्ड बॉन्ड स्कीम ने किया मालामाल! 325% तक बंपर रिटर्न

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी कई सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की किस्तें हाल ही में मैच्योर हुई हैं या इस अक्टूबर में समय से पहले रिडीमशन के योग्य हो गई हैं। इससे एसजीबी के निवेशक काफी खुश हैं। इन रिडीमशन ने 325% तक का शानदार रिटर्न दिया है। हालांकि, कई निवेशक इस बात से अनजान हैं कि इन बॉन्ड पर टैक्स कैसे लगता है। एसजीबी 2017-18 सीरीज 4 (23 अक्टूबर, 2017 को जारी) इन सीरीज के बॉन्ड हाल ही में 8 वर्ष पूरे होने के बाद रिडेम्शन के लिए खोले गए हैं। यह बॉन्ड मूल रूप से 2,987 रुपए प्रति ग्राम की दर से जारी किया गया था और 12,704 रुपए प्रति ग्राम की दर से रिडीम किया गया था, जिससे निवेशकों को 8 वर्षों में 325% का पूर्ण रिवार्ड प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, 2.5% का वार्षिक ब्याज भी प्राप्त हुआ।

कलेक्टर बनकर ठगी का प्रयास कर रहे साइबर जालसाज

आईएएस भव्या व प्रियंक मिश्र के नाम से की गई पैसों की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

साइबर जालसाजों की नई करतूत। मध्य प्रदेश में कलेक्टरों के नाम से मैसेज कर अधिकारियों से पैसा मांगा जा रहा है। किसी को शक न हो इसके लिए मैसेज भेजने वाले संबंधित कलेक्टर की फोटो भी डीपी पर लगा लेते हैं। ऐसे दो मामले में बीते 7 दिन के भीतर सामने आ चुके हैं। पहला खरगोन कलेक्टर आईएएस भव्या मित्तल और दूसरा धार कलेक्टर आईएएस प्रियंक मिश्र से जुड़ा है। धार जिले के डही क्षेत्र की ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर (बीएमओ) को एक अज्ञात नंबर +84916423486 से वॉट्सएप मैसेज आया। यह मैसेज कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के नाम से था और डीपी पर उनकी तस्वीर भी लगी थी, शुरुआत में कुछ देर के लिए बीएमओ ने इस पर भरोसा भी किया, लेकिन मैसेज की भाषा पढ़कर उन्हें कुछ शक हुआ।

55 साल बाद सतना के अपने सरस्वती हायर सेकंडरी स्कूल पहुंचे थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी

हमने किसी भी निर्दोष नादान या आम नागरिक पर हमला नहीं किया

थल सेना प्रमुख ने ऑपरेशन सिंदूर को बताया धर्म युद्ध, कहा-हम नमाज के वक्त हमला नहीं करते

हरिभूमि न्यूज ⏭ सतना

भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शनिवार को सतना स्थित अपने बचपन के सरस्वती हायर सेकंडरी स्कूल पहुंचे। करीब 55 साल के लंबे अंतराल के बाद बचपन के स्कूल पहुंचकर जनरल भावुक हो गए।

इस स्कूल में उन्होंने 1971-72 में चौथी कक्षा में पढ़ाई की थी। जनरल का छात्रों,शिक्षकों और गणमान्य नागरिकों ने गर्मजोशी भरे अंदाज में स्वागत किया। इस बीच उन्होंने छात्रों को अपने अनुभव साझा किए और कहा कि यह स्कूल ही उनके व्यक्तित्व और राष्ट्र सेवा के संकल्प को मजबूत करने वाला रहा। इसके अलावा उन्होंने अपने संबोधन में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए भारतीय सेना के सिद्धांतों को रेखांकित किया और कहा कि भारतीय सेना धर्म युद्ध की अनुयायी है।

छात्रों से अनुभव साझा करते थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी

पाकिस्तान को बताया हम आप जैसे नहीं!

हमने किसी भी निर्दोष, नादान या आम नागरिक पर हमला नहीं किया। हमने पाकिस्तान को यह बताया कि हम आप जैसे नहीं हैं। हम हमेशा धर्म युद्ध के अनुयायी रहे हैं, उसी का विचार करते हैं और भविष्य में भी यही कार्रवाई करते रहेंगे। जनरल द्विवेदी ने छात्रों को सफलता का थीए मंत्र भी दिया है। उन्होंने बताया कि पहला एटीट्यूट है। इससे सकारात्मक दृष्टिकोण और पॉजिटिविटी आती है। दूसरा एडॉप्टिबिलिटी है। इससे आप समय के साथ अपने अंदर बदलाव ला सकते हैं। तीसरा एबिलिटी है। यह आपको हर क्षेत्र में सफलता दिलाएगी। उन्होंने देशवासियों को संदेश देते हुए कहा कि आप चाहे वर्दी में हों या सिविल ड्रेस में, राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र निर्माण में निरंतर लगे रहिए। यह देश हमारा है, और जब हम सब मिलकर काम करेंगे तभी 2047 के विकसित भारत का सपना साकार होगा।

महागठबंधन पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया प्रहार

कांग्रेस और राजद की सरकारों ने राज्य में जंगलराज थोपा और बिहार को अंधेरे में डाला, एनडीए ने नरसंहार से छुटकारा दिलाया

शाह ने कहा- ये विधायक भर चुनने का नहीं, विकास का चुनाव, गिनाए 34 नरसंहार

एजेंसी ▶▶ पटना

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गोपालगंज में वर्चुअली चुनावी जनसभा को संबोधित किया। खराब मौसम के कारण उनका हेलिकॉप्टर पटना से उड़ान नहीं भर पाया।

शाह ने जंगलराज की याद दिलाई, साथ ही बंद पड़े चीनी मिलों को चालू कराने का वादा किया। करीब 8 मिनट के अपने भाषण में अमित शाह ने कहा कि पीएम ने बंद पड़ी रीगा चीनी मिल को चालू करने का काम किया है। बबाकी बंद पड़ी चीनी मिल को अगले 5 साल में चालू किया जाएगा। महागठबंध ने बिहार में जंगलराज थोपा। नरेंद्र जी और नीतीश जी के नेतृत्व में जो बिहार का विकास हुआ। शाह ने कहा जंगलराज के दौर में कई नरसंहार हुए, जिनमें बथानी टोला, सोनारी, शंकरबीघा नरसंहार जैसे अलग-अलग 34 नरसंहार हुए थे। जिसने बिहार की धरती को रक्तरंजित किया है।

खराब मौसम के कारण नहीं पुहंचा हेलिकॉप्टर तो वर्चुअली किया जनसभा को संबोधित

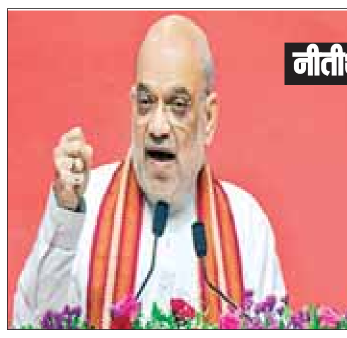
जनसभा को संबोधित करते गृहमंत्री शाह।

नीतीश जी के आने पर नरसंहार रुके

नालंदा में शाह ने कहा कि ये चुनाव किसी को विधायक या मंत्री बनाने के लिए नहीं हैं। ये चुनाव उस 'जंगलराज' को रोकने के लिए हैं, जो अपना वेष बदलकर आएगा। लालू-राबड़ी के शासन में 38 नरसंहार हुए। नालंदा के कई लोग मौत के घाट उतरे गए थे। किडनैपिंग, हत्या, लूट जैसे गैरकानूनी काम होते थे। लेकिन नीतीश ने इस धंधे पर रोक लगा दिया।

यह चुनाव सुशासन बनाम जंगलराज का चुनाव

शाह ने कहा कि यह चुनाव बिहार का भविष्य तय करेगा। बिहार की जिम्मेदारी किसे मिलेगी? उसे जिसने बिहार में जंगल राज थोपा या मोदी-नीतीश की जोड़ी को जिसने बिहार के विकास के लिए काम किया।

शाह ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

शाह ने कहा कि एनडीए सरकार ने गोपालगंज जिले में डुमरिया घाट से पटना तक 2,200 करोड़ की लागत से एक एक्सप्रेसवे का निर्माण किया है। हथुआ में 340 करोड़ से आधुनिक एलपीजी बॉटलिंग प्लांट का निर्माण किया गया है। गोपालगंज के सबेया हवाई अड्डे पर जल्द ही उड़ानशुरू होंगी। मीरगंज बाईपास सड़क के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है।

पटना में बोले नड्डा

लालू परिवार ने अपराध का उद्योग खड़ा किया

बिक्रम के क्रीड़ा मैदान में एनडीए की चुनावी सभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। दोनों रिमझिम वर्षा के बीच सड़क मार्ग से पहुंचे। नड्डा ने कहा कि बिहार अब पीछे मुड़कर देखने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि लालू के जंगलराज और अंधकारमय शासन पर प्रधानमंत्री और नीतीश कुमार की सरकार ने विकास की लकीर खींची है। लालू परिवार नेअपराध का उद्योग खड़ा किया था।

प्रियंका ने केंद्र और राज्य की नीतियों पर किए सवाल

ये दोनों सरकारें रोजगार, पलायन, निजीकरण और पूंजीपति हितैषी नीतियों को लेकर चल रहीं

प्रियंका गांधी वाड्रा ने बेगूसराय के बछवाड़ा में जनसभा से बिहार में अपनी चुनावी शुरुआत की। उन्होंने नीतीश सरकार और केंद्र पर निशाना साधते हुए डबल इंजन मॉडल को एक दिल्ली संचालित सिंगल इंजन बताया और रोजगार, पलायन, निजीकरण और पूंजीपति हितैषी नीतियों को लेकर सवाल उठाए। यहां जनता का गुजारा नहीं हो रहा है। मोकामा की घटना पर उन्होंने कहा कि बिहार की जनता रोज ये सह रही है। किसी भी महिला से पूछ लीजिए क्या वे सुरक्षित हैं? प्रियंका पटना पहुंचीं। एनडीए ने एक करोड़ नौकरियां देने के वादे पर क्या किया? लोग बाहर जा रहे हैं।

बिहार के लोग झेल रहे पलायन सरकार ने उद्योग दोस्तों को दिए

प्रियंका ने बछवाड़ा वमें कांग्रेस प्रत्याशी गरीबदास के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया।उन्होंने कहा कि यहां के लोग पलायन का दर्द झेल रहे हैं। सारे उद्योग अपने दोस्त को दे रखा है, जो देश की संपत्ति थी, जिससे रोजगार मिलता है। निजीकरण हो गया, सब काम ठेकेदारी पर हो रहा है। बड़े-बड़े वादे कर रहे थे। छोटे-छोटे व्यवसाय को खत्म कर दिया है।

मोकामा कांड पर तेजस्वी का तीखा सवाल

अब तक क्या कोई गिरफ्तारी हुई या संरक्षण ही मिल रहा है?

सिवान में जनसभा के दौरान महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद चेहरे तेजस्वी यादव ने मोकामा की ताजा हिंसा पर सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि जन सुराज पार्टी समर्थक दुलारचंद यादव की मौत के बाद हुई घटना में अब तक क्या कोई गिरफ्तारी हुई या अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है? मोकामा में आरजेडी प्रत्याशी वीणा देवी की गाड़ी पर पथराव की घटना पर न तो सत्ता पक्ष ने निंदा की और न ही चुनाव आयोग ने कोई सख्त कार्रवाई की, जिससे क्षेत्र में तनाव और भय का माहौल बना हुआ है। खराब मौसम के कारण रैली में शामिल नहीं हो सके।

जेवीसी सर्वे में बनेगी एनडीए की सरकार

सबसे ताजा सर्वे में राजग को मिलेंगी 120-140 सीटें, महागठबंधन पीछे

यहां एनडीए और महागठबंधन के अलावा प्रशांत किशोर का जन सुराज दल भी चुनावी मैदान में है। ऐसे में ठीक चुनाव से पहले एक ओपिनियन पोल सामने आया है, जिसमें बताया गया है कि बिहार में किसकी सरकार बन सकती है। जेवीसी ओपिनियन पोल में बताया है कि एनडीए की बिहार में सरकार बनने जा रही है। एनडीए को 120-140 सीटें मिल सकती हैं, जबकि महागठबंधन को 93-112 सीटों तक संतोष करना पड़ सकता है। भाजपा को 70-81, जेडीयू को 42-48, एलजेपी को 5-7, हम को 2 और आरएलएम को 2 सीटें मिलने का अनुमान है।

बिहार के सुनहरे भविष्य के लिए दें एनडीए का साथ : चिराग पासवान

लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि आने वाले 5साल बिहार के सपनों को साकार करने वाले होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री नीतीश के कुशल नेतृत्व में एनडीए की सरकार फिर से बनने जा रही है। युवाओं को रोजगार, महिलाओं को अवसर और शिक्षा-स्वास्थ्य में सुधार हमारी प्राथमिकता है।

बारिश से सभा स्थगित, नीतीश ने पैदल ही किया रोड शो

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार की जनता अब भी जंगलराज के दिनों को नहीं भूली है। आज राज्य में जो विकास हो रहा है, उसी के आधार पर लोग इस बार मतदान करेंगे। पारु विधानसभा के सरैया में आमसभा मौसम के कारण स्थगित कर दी गई। इसके स्थान पर मुख्यमंत्री ने रोड शो किया। उन्होंने मंत्री केदार गुप्ता और एनडीए के राष्ट्रीय लोक मोर्चा प्रत्याशी मदन चौधरी से कहा कि वे सभा स्थल पर जाकर जनता तक संदेश पहुंचाएं।

अब 'बिहारी' कहलाना अपमान नहीं...

नीतीश कुमार ने वएक वीडियो संदेश जारी कर राज्यवासियों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि राज्य में विकास व सामाजिक सौहार्द को प्राथमिकता दी गई है। नीतीश ने कहा कि जब हमने शासन संभाला था, तब 'बिहारी' कहलाना एक अपमान माना जाता था। हमने ईमानदारी और पूरी मेहनत से काम किया। आज 'बिहारी' कहलाना गर्व की बात है। सरकार ने हर वर्ग के लिए समान रूप से काम किया है। चाहे हिंदू हों या मुस्लिम, सवर्ण, पिछड़े, अति-पिछड़े, दलित या महादलित सबके लिए काम हुआ है।

खबर संक्षेप

लाखों महिलाओं के खातों में पहुंचे 2,100 रु.

चंडीगढ़। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत पात्र महिलाओं के खातों में 2100 रुपए प्रति महीना डिपोजिट करने की शुरुआत की। एक नवंबर से 5,22,162 महिलाओं को 2,100 रुपए उनके खाते में भेजने शुरू किए गए हैं। यह कम आय वाले परिवारों की योजना है।

दिल्ली में बर्तन फैक्ट्री में भीषण आग

वजीरपुर। दिल्ली के नॉर्थ वेस्ट जिले के वज़ीरपुर इलाके में एक क्रॉकरी फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। अशोक विहार थाना पुलिस भी बचाव कार्य में लगी हुई है। आग को बुझाने के लिए 10 फायर टेंडर तैनात किए गए हैं। हानि का आकलन नहीं हो पाया है।

जबरन हिंदी थोप रहे भड़के सिद्धारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने केंद्र सरकार पर कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य हर साल 4.5 लाख करोड़ का राजस्व देता है, लेकिन उसे बहुत कम हिस्सा वापस मिलता है। सिद्दारमैया ने कन्नड़ भाषा की अनदेखी और हिंदी को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया।

डंपर ने टैक्सी को मारी टक्कर, 4 की मौत

जोधपुर। जिले के फलोदी के निकट राष्ट्रीय राजमार्ग 11 पर शुक्रवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ। भादू रेस्टोरेंट के पास खड़ी मजदूरों से भरी लोडिंग टैक्सी को पीछे से आ रहे डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। मौके पर ही 4लोगों की मौत हो गई, जबकि 6महिलाओं और 3 बच्चों सहित 12 गंभीर रूप से घायल हो गए।

पीएम ने किया छत्तीसगढ़ के नए विधानसभा भवन का उद्घाटन

प्रदेश को दी 14,260 करोड़ रु. की सौगात छत्तीसगढ़ बढ़ेगा तो देश भी प्रगति करेगा

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल जी की प्रतिमा का किया अनावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रजत जयंती वर्ष मना रहे छत्तीसगढ़ को शनिवार को पीएम मोदी ने बड़ी सौगात दी. पीएम मोदी ने बस्तर सहित पूरे छ्तीसगढ़ के विकास के लिए कुल 14,260 करोड़ की सौगात दी। पीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। बीते 25 सालों में छत्तीसगढ़ जिस तेजी से आगे बढ़ा है उसका मैं साक्षी भी रहा हूं। अब अगले 25 सालों में एक नया सूर्योदय होने वाला है, जो विकास का सूर्योदय होगा। पीएम ने लोगों से कहा कि वो अपने मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट चालू करें और बताएं कि आपके हाथों में नए संकल्प की रोशनी और विकास के सूर्योदय का आगाज हो चुका है। पीएम मोदी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य की नीव रखी। आज 25 साल बाद जब मैं छत्तीसगढ़ को देखता हूं तो मेरा माथा गर्व से ऊंचा हो जाता है। जो बीज हम लोगों ने बोया था आज वो विकास का वट वृक्ष बन चुका है। पीएम ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ को लोकतंत्र का नया मंदिर मिला है। आदिवासी संग्रहालय प्रदेश के लोगों को मिला है। रायपुर के एक निजी विद्यालय के सभागार से शुरू हुआ विधानसभा विशाल भवन तक पहुंच गया।

विधानसभा का सफर अब 51 एकड़ में फैले विशाल भवन तक पहुंचा

आदिवासी संग्रहालय प्रदेश के लोगों को मिला, बीज आज वटवृक्ष बन गया

रायपुर। पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री, स्पीकर, लोकसभाध्यक्ष की मौजूदगी में नए विधानसभा का उदघाटन किया।

रजत जयंती के उत्सव पर लोगों को बधाई

एक कार्यकर्ता के रूप में मैंने यहां बहुत समय व्यतीत किया, यहां से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। मेरे जीवन को गढ़ने में यहां के लोगों का, यहां की भूमि का बहुत बड़ा आशीर्वाद रहा है। इसके निर्माण का संकल्प और उस संकल्प की सिद्धि, हर एक क्षण पर मैं यहां के परिवर्तन का साक्षी रहा हूं। आज मुझे इस क्षण का भी सहभागी बनने का अवसर मिला। इस रजत जयंती के उत्सव पर मुझे राज्य के लोगों के लिए इस नई विधानसभा का लोकार्पण करने का सौभाग्य मिला है। इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं देता हूं, बधाई देता हूं।

अटलजी का सपना साकार हो रहा

पीएम मोदी ने कहा कि जब भव्य और आधुनिक विधानसभा का लोकार्पण कर रहे हैं तो ये केवल एक इमारत का समारोह नहीं है बल्कि 25 वर्षों की जन आकांक्षा, जन संघर्ष और जन गौरव का उत्सव बन गया है। मैं उन महापुरुष को नमन करता हूं। वे हैं, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी। सअटल जी की प्रतिमा का भी अनावरण हुआ। उनका सपना साकार हो रहा।

500 दर्शक क्षमता का और 100 लोगों की बैठक व्यवस्था

अधिकारियों ने बताया कि विधानसभा भवन में 500 दर्शक क्षमता का आधुनिक ऑडिटोरियम और 100 लोगों के बैठने की क्षमता वाला सेंट्रल हॉल भी है।

'देव से देश' और 'राम से राष्ट्र' का संकल्प लिया था

पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर का नाम लेकर आतंकवाद और नक्सलवाद के खिलाफ भारत की निर्णायक जंग का जिक्र किया। उन्होंने 'राम से राष्ट्र' का मंत्र दिया और इसका अर्थ भी बताया। 'राम से राष्ट्र' का एक अर्थ यह भी है कि हम मानवता विरोधी ताकतों के विनाश का संकल्प लें।

तीजनबाई के परिजन से की बात

पीएम ने सुप्रसिद्ध पंडवानी गायिका और पद्मविभूषण से सम्मानित तीजनबाई के परिजनों से फोन पर बात कर उनका हालचाल जाना है।तीजनबाई की बहू वेणु देशमुख ने बताया कि करीब 1 मिनट 18 सेकंड तक बात हुई है। उन्होंने हाल चाल जाना है।

आज नवादा में करेंगे रोड शो

नवादा में प्रधानमंत्री मोदी के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सभास्थल पर पुलिस, एसपीजी और सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रखी जाएगी। लगभग 1200 पुलिसकर्मी और 200 पुलिस अधिकारी तैनात रहेंगे।

चुनाव आयोग पर लगाए गंभीर आरोप

मुंबई। सत्यचा मोर्चा में महागठबंधन के सभी दल के सदस्य रहे शामिल।

मतदाता सूची में गड़बड़ी पर एमवीए का 'सत्यचा मोर्चा'

एजेंसी ▶▶ मुंबई

मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए महाराष्ट्र का विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी आज विरोध मार्च आयोजित किया। इस मार्च को 'सत्यचा मोर्चा' नाम दिया गया है।

सत्यचा मोर्चा दक्षिण मुंबई के फैशन स्ट्रीट से शुरू होकर बीएमसी मुख्यालय पर खत्म किया। इस मार्च में पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे, एनसीपी एसपी प्रमुख शरद पवार, मनसे प्रमुख राज ठाकरे और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोराट समेत अन्य नेता शामिल हुए। मोर्चा के समापन पर एक रैली को भी संबोधित किया, जिसमें नेता मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाई। विपक्ष का दावा है कि मतदाता सूची में कई फर्जी नाम हैं और गलत तरीके से नाम जोड़े और हटाए गए हैं। विपक्ष ने चुनाव आयोग पर इस मुद्दे पर आंख मूंदने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि महाराष्ट्र निकाय चुनाव तभी होने चाहिए, जब इन कमियों को दूर कर लिया जाए।

राज की पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने की अपील

राज ठाकरे अपने समर्थकों और पार्टी सहयोगी बाला नंदगांवकर के साथ दादर स्टेशन से ट्रेन में चढ़े और चर्चगेट के लिए रवाना हुए।मुंबई में एक सभा को संबोधित करते हुए राज ने लोगों से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने की अपील की थी।

भाजपा का एमवीए पर झूठ फैलाने का आरोप

भाजपा ने सत्यचा मोर्चा के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। भाजपा ने दावा किया कि विपक्ष निकाय चुनाव से पहले झूठा नैरेटिव फैलाने की कोशिश कर रहा है। भगवा पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपने मुंह पर काली पट्टी बांधकर दक्षिण मुंबई के गिरगांव इलाके में विरोध प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने कहा कि इस विरोध का मकसद चुनावों से पहले एमवीए द्वारा झूठे नैरेटिव फैलाने की कोशिशों को बेनकाब करना है। एमवीए नेताओं ने हर चुनाव से पहले लोगों को गुमराह करने की कोशिश की है। लोकसभा चुनावों से पहले भी ऐसी ही कोशिशें की गईं, संविधान में बदलाव के बारे में झूठे दावे फैलाए।

प्रमोद कृष्णम का राहुल पर हमला

किसी का सम्मान नहीं करते वे 'बदतमीजों के बादशाह' हैं

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

कांग्रेस के पूर्व नेता और आध्यात्मिक गुरु आचार्य प्रमोद कृष्णम ने इस बार उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर सीधा और विवादित हमला बोलते हुए उन्हें बदतमीजों का बादशाह करार दिया है। उन्होंने संघ और हिंदू धर्म पर दिए अपने बयानों से भी राजनीतिक और धार्मिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है।प्रमोद कृष्णम के ये बयान कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर सीधा हमला माने जा रहे हैं। राहुल के आचरण पर सवाल उठाते हुए आचार्यने लखनऊ में कहा कि राहुल किसी का सम्मान नहीं करते न प्रधानमंत्री का, न आरएसएस का और न ही संविधान का। उन्होंने राहुल पर निशाना साधते हुए कहा, राहुल का बुनियादी संस्कार ही गलत है। उनकी भाषा, बोलचाल और आचरण सबमें बदतमीजी झलकती है। वेहमेशा बेहूदा बातें करते हैं और किसी का आदर नहीं करते हैं। वे बदतमीजों के बादशाह हैं।

उप्र की राजधानी के खाने-पीने के शौकीनों में खुशी की लहर

अब तक सूची में 408 शहर शामिल

लखनऊ की पाककला यूनेस्को की सूची में शामिल

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

लखनऊ के जायकों की लज्जत हमेशा से खानपान के शौकीनों के बीच बेहद खास रही है,संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने अब शहर को पाककला के लिए 'क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क' शामिल किया है। इससे राज्य की राजधानी के खाने-पीने के शौकीनों में खुशी की लहर है, जिन्हें लगता है कि इस वैश्विक सूची से शहर का भोजन और भी लोकप्रिय हो जाएगा। महानिदेशक ऑद्रे अजोले ने 31 अक्टूबर को लखनऊ सहित 58 शहरों को सीसीएन में नए सदस्य के रूप में शामिल करने की घोषणा की। इसमें अब 100 से अधिक देशों के 408 शहर शामिल हैं।

महानिदेशक अजोले

यूनेस्को की महानिदेशक ऑद्रे अजोले ने की यह घोषणा

पाककला विरासत को वैश्विक स्वीकृति मिली

लखनऊ के व्यजनों की झलक।

अजोले ने कहा कि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को 'पाक कला' श्रेणी में मान्यता दी गई है। लखनऊ को मिला यह सम्मान उसकी पाककला विरासत की वैश्विक स्वीकृति को प्रदर्शित करता है। यह सम्मान उस शहर को मिलता है जो अपनी खानपान परंपरा, सांस्कृतिक विविधता और नवाचार से विश्व को प्रेरित करता है। लखनऊ सदियों पुरानी परंपराओं से भरपूर खाने-पीने की चीजों की जन्नत है। लखनऊ को अब यूनेस्को द्वारा पाक-कला के रचनात्मक शहर के रूप में मान्यता दी गई है।

मंत्री जयवीर ने उत्तरप्रदेश को देश का गौरव बताया

लखनऊ को मिले इस सम्मान पर प्रतिक्रिया देते हुए उप्र के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज देश का गौरव बन चुका है। लखनऊ की यह उपलब्धि उसके समृद्ध खानपान और संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति है।

कहानीकार और हिमांशु ने मान्यता को बहुत अच्छा बताया

कहानीकार और लेखक हिमांशु बाजपेई ने कहा कि लखनऊ को जो मान्यता मिली है वह वास्तव में बहुत अच्छी है। उन्होंने कहा कि हम लखनऊ के विभिन्न व्यंजनों, उनकी प्रासंगिकता और उनके महत्व के बारे में जानते हैं। यह मान्यता निश्चित रूप से हमें सहज ख़ुशी देगी, लेकिन बड़ी बात यह है कि लखनवी भोजन, जो पहले से ही दुनिया भर में जाना जाता था, लोगों के बीच अपनी जगह को और मजबूत करेगा।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की 2025 रिपोर्ट ने भी चेतावनी दी है कि कमजोर हथियार नियंत्रण व्यवस्था के बीच परमाणु हथियारों की नई होड़ शुरू हो रही है। ट्रंप का यह कदम तकनीकी रूप से जटिल है। मगर उनका यह ऐलान परमाणु हथियारों की होड़ को और अधिक बढ़ा सकता है।

ट्रंप का बड़ा ऐलान, पेंटागन फिर शुरू करे परमाणु हथियारों का परीक्षण, मचा हड़कंप

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन/नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 30 अक्टूबर को दिये गए एक अप्रत्याशित ऐलान ने पूरी दुनिया को हिला दिया है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने पेंटागन को निर्देश दिया है कि अमेरिका 33 वर्षों के बाद परमाणु हथियारों का परीक्षण फिर से शुरू करे। ट्रंप की ओर से यह घोषणा दक्षिण कोरिया के बुसान में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ व्यापार वार्ता से ठीक पहले की गई, जिसने वैश्विक तनाव को नई ऊंचाई दे दी है। ट्रंप ने इसे रूस और चीन की परमाणु गतिविधियों का जवाब बताया, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यह कदम परमाणु हथियारों के प्रसार को बढ़ावा देगा और दुनिया को महायुद्ध की कगार पर ले जा सकता है।

■ दुनिया महायुद्ध की कगार पर!

पिछले महीने रूस कर चुका है परमाणु मिसाइल और ड्रोन का परीक्षण

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका की नेवादा साइट पर 24 जून 1957 को परमाणु परीक्षण का एक दृश्य

अमेरिकी सीनेटर माज़ी हिरोनो ने 'अनियंत्रित और खतरनाक' कहा

यूएस ने 1000 से अधिक परमाणु परीक्षण किए

1945 से 1996 तक अमेरिका ने 1,000 से अधिक परमाणु परीक्षण किए, लेकिन 1992 में स्वैच्छिक मोरेटोरियम लगा। व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) 1996 में बनी, जिसपर अमेरिका ने हस्ताक्षर तो किया, लेकिन सीनेट ने अनुमोदन नहीं किया। उत्तर कोरिया के अलावा कोई देश 1990 के दशक के बाद वास्तविक विस्फोट परीक्षण नहीं कर पाया।

चीन ने साधी चुप्पी

ट्रंप के इस बयान से सिर्फ रूस ही नहीं, बल्कि ईरान और चीन भी भड़क उठा है। ईरान ने इसे 'अरुचिपूर्ण' करार दिया, जबकि चीन ने चुप्पी साधी.. परमाणु स्टॉकपाइल के विस्तार की खबरें तनाव बढ़ा रही हैं। अमेरिकी सीनेटर माज़ी हिरोनो ने इसे 'अनियंत्रित और खतरनाक' बताया। यह भी कहा कि 1992 के बाद अमेरिका ने परीक्षण न करने का फैसला पर्यावरण, स्वास्थ्य और प्रसार रोकने के लिए लिया था।

रूस ने किया परमाणु हथियारों का परीक्षण

ट्रंप का ऐलान तब सामने आया जब रूस ने 21 अक्टूबर को परमाणु-सक्षम बुरेवेस्टनिक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया, जो 8700 मील की दूरी (14000 किलोमीटर) तय कर 15 घंटे हवा में रही। मॉस्को ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा बताया। इसके तुरंत बाद रूस ने पोसेडॉन परमाणु ड्रोन का भी परीक्षण किया, जो उसकी सरमत मिसाइल से 1000 गुना ज्यादा खतरनाक बताया जा रहा है। ऐसे में अमेरिका द्वारा फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने का अब ट्रंप का यह नया बयान रूस के हालिया परीक्षणों से प्रेरित लगता है। क्रेमलिन ने ट्रंप के ऐलान पर सदमा जताते हुए कहा कि यदि अमेरिका वास्तविक विस्फोट परीक्षण करेगा तो 'उचित कदम' उठाए जाएंगे।

परमाणु युद्ध का बढ़ सकता है वैश्विक खतरा

अगर अमेरिका ने परमाणु परीक्षण किया तो दुनिया में परमाणु युद्ध का वास्तविक खतरा बढ़ सकता है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की 2025 रिपोर्ट ने भी चेतावनी दी है कि कमजोर हथियार नियंत्रण व्यवस्था के बीच परमाणु हथियारों की नई होड़ शुरू हो रही है।

अमेरिका का कई देशों के साथ बढ़ सकता है परमाणु तनाव

कार्नेगी एंडोमेंट की अप्रैल 2025 रिपोर्ट चेताती है कि अमेरिका-चीन-रूस-उत्तर कोरिया तनाव से पारंपरिक युद्ध परमाणु में बदल सकता है। भारत जैसे देशों के लिए यह चिंताजनक है, जहां 'नो फर्स्ट यूज' नीति है, लेकिन पड़ोसी पाकिस्तान और चीन की होड़ से भारत पर भी दबाव बढ़ रहा। विशेषज्ञ कहते हैं कि आधुनिक तकनीकें जैसे एआई और हाइपरसोनिक मिसाइलें जोखिम दोगुना कर रही हैं। ट्रंप के सलाहकारों को भी यह ऐलान चौंका गया है।

विश्व के 90 प्रतिशत परमाणु हथियार यूएस और रूस के पास

वैश्विक परमाणु हथियारों की संख्या शीत युद्ध के बाद 70,000 से घटकर 12,241 हो गई। अमेरिका और रूस के पास विश्व के 90 फीसदी परमाणु हथियार हैं। इनमें से रूस के पास 5,580 परमाणु बम और अमेरिका के पास 5,044 परमाणु बमों की खेप है। वहीं चीन 2030 तक 1,000 परमाणु हथियारों के लक्ष्य को लेकर चल रहा है। संयुक्त राष्ट्र की सितंबर 2025 रिपोर्ट में कहा गया कि यूक्रेन युद्ध, ताइवान संकट और मध्य पूर्व तनाव से इसका जोखिम बढ़ा है।

12वें एडीएमएम-प्लस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की दो टूक

हिंद-प्रशांत क्षेत्र स्वतंत्र और दबाव मुक्त रहे भारत रचनात्मक योगदान को सदैव तैयार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को मलेशिया के कुआलालंपुर में 12वें एडीएमएम-प्लस कार्यक्रम में कहा कि आसियान के साथ भारत का रणनीतिक जुड़ाव सिर्फ लेन-देन का नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और सिद्धांत-चालित है और यह इस साझा विश्वास पर आधारित है कि भारत-प्रशांत क्षेत्र खुला, समावेशी और दबाव से मुक्त रहना चाहिए। भारत का जोर विशेष रूप से समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, और भारत-प्रशांत क्षेत्र में नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन किसी देश के खिलाफ नहीं है, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के सामूहिक हितों की रक्षा के लिए है।

'एडीएमएम-प्लस के 15 वर्षों पर चिंतन और आगे का रास्ता तैयार करना' विषय पर मंच को संबोधित करते हुए सिंह ने जोर देकर कहा कि मलेशिया की अध्यक्षता में 'समावेशिता और स्थिरता' पर जोर देना सामयिक और प्रासंगिक है। बता दें, एडीएमएम-प्लस से तात्पर्य आसियान डिफेंस मिनिस्टर्स मीटिंग प्लस से है। आसियान के दस सदस्य देशों और इसके आठ संवाद साझेदार देशों के रक्षा प्रतिष्ठानों के बीच सुरक्षा और रक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का जोर विशेष रूप से समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, और भारत-प्रशांत क्षेत्र में नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन किसी देश के खिलाफ नहीं है, बल्कि सभी क्षेत्रीय हितधारकों के सामूहिक हितों की रक्षा के लिए है

ऐसा सुरक्षा ढांचा हो जो उभरते खतरों से निपट सके

भारत आपसी हित के सभी क्षेत्रों में सहयोग को तैयार

आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह

मतभेदों के बजाए संवाद को बढ़ावा दें

राजनाथ सिंह ने कहा कि एडीएमएम-प्लस अपने 16वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है और भारत मतभेदों के बजाए संवाद को बढ़ावा देने तथा शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने वाले क्षेत्रीय तंत्रों को मजबूत करने हेतु आपसी हित के सभी क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के लिए तैयार है। पिछले पंद्रह वर्षों का अनुभव स्पष्ट सबक देता है कि समावेशी सहयोग कारगर है।

भारत का दृष्टिकोण रक्षा सहयोग बढ़ाना है

रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंद-प्रशांत के लिए भारत का सुरक्षा दृष्टिकोण रक्षा सहयोग को आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकी साझाकरण और मानव संसाधन उन्नति प्रदान करता है। उन्होंने एडीएमएम-प्लस को भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और व्यापक हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण का एक अनिवार्य घटक बताते हुए कहा कि आसियान और प्लस देशों के साथ रक्षा सहयोग को क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और क्षमता निर्माण में योगदान के रूप में देखा जाता है।

जम्मू-कश्मीर में सियासी घमासान, एलजी बोले

राज्य का दर्जा नहीं मिलने का न चलेगा अब 'बहाना'

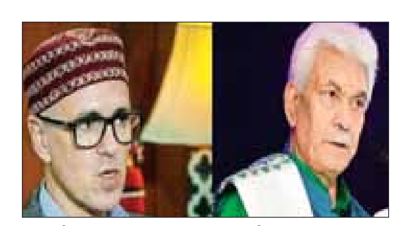
सीएम उमर अब्दुल्लाह, एलजी मनोज सिन्हा

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की निर्वाचित सरकार के पास सभी अधिकार हैं। लिहाजा राज्य का दर्जा नहीं मिलने को खराब प्रदर्शन का बहाना नहीं बनाया जा सकता। एसकेआईसीसी में जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए सिन्हा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद में कह चुके हैं कि पहले परिसीमन, फिर विधानसभा चुनाव और फिर उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा।

राज्य का दर्जा देने से क्यों डर रहे?

सीएम उमर अब्दुल्ला व नेकां अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने एलजी के बयान पर कड़ा पलटवार किया है। उमर ने कहा कि ये लोग राज्य के दर्जे से इतना क्यों डरते हैं? वे सत्ता क्यों नहीं छोड़ना चाहते? हम काम करना जानते हैं। आप अपना काम करें, हम अपना करेंगे। हमें बताया गया है कि इसे उचित समय पर बहाल कर दिया जाएगा। ठीक है... मैं इंतजार करूंगा, लेकिन मुझे बताइए कि सही समय का आकलन करने का पैमाना क्या है। हम उचित समय का आकलन कैसे करें? नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं पूर्व सीएम डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि एलजी झूठ बोलते हैं। वह कभी सच नहीं बोलते हैं।

दूसरे महीने में पहुंचा अमेरिकी शटडाउन

सरकारी कर्मचारी कंगाल, जरूरी सेवाएं ठप, उड़ानें भी हुईं

अमेरिकी संसद का बाहरी भाग

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

वॉशिंगटन में एक महीने पहले शुरू हुआ सरकारी गतिरोध अब पूरे देश में संकट का रूप ले चुका है। 1 अक्तूबर से शुरू हुआ यह सरकारी शटडाउन अब दूसरे महीने में पहुंच गया है और इसके कारण लाखों अमेरिकी मुश्किल में हैं। सरकारी कर्मचारी तंगी में हैं, कई के पास खाने के पैसे नहीं बचे हैं, और जरूरी सेवाएं धीरे-धीरे ठप पड़ रही हैं। सरकार और विपक्ष के बीच अमेरिकी संसद सीनेट में स्वास्थ्य बीमा के फंड को लेकर टकराव जारी है। फेडरल दफ्तर बंद हैं, और हजारों सरकारी कर्मचारी पिछले कई हफ्तों से वेतन नहीं पा सके हैं। कई कर्मचारियों को अब खाने के लिए फूड बैंक पर निर्भर रहना पड़ रहा है। शटडाउन के कारण एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स की कमी के चलते उड़ानें प्रभावित हो रही हैं।

सबसे भारी उपग्रह को आज लॉन्च करेगा इसरो

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो अपने 4410 किलो वजनी उपग्रह सीएमएस-03 को रविवार को लॉन्च करेगी। यह भारत से लॉन्च होने वाला इसरो का सबसे भारी उपग्रह है। इसरो के ताकतवर रॉकेट एलवीएम3-एम5 से इस उपग्रह को पृथ्वी के जियो सिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में भेजा जाएगा। इस उपग्रह को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया जाएगा। लॉन्च पैड पर तैनात कर लॉन्चिंग की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। लॉन्चिंग 2 नवंबर को शाम करीब 5.26 बजे होनी है। इस उपग्रह की मदद से देश में डिजिटल संचार, उपग्रह इंटरनेट, समुद्री कनेक्टिविटी को मजबूती मिलेगी। यह उपग्रह भारत की राष्ट्रीय संचार अवसंरचना में एक बड़ा कदम है, जिससे टीवी प्रसारण, टेलीमेडिसिन, ऑनलाइन शिक्षा, आपदा प्रबंधन और आपातकालीन संचार सेवाओं तक पहुंच और भी प्रभावी होगी।

भारतीय सेना के 'त्रिशूल' युद्धाभ्यास से डरा आतंकी हाफिज

सम्मेलन टालने की घोषणा नुक्कड़ सभाओं के जरिए की

लाहौर में होने वाला विशाल सम्मेलन टला, बाहरी 'खतरे' का दिया हवाला

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

पाक मिल्ली मुस्लिम लीग (एमएमएल) ने 2 नवंबर को लाहौर की मीनार-ए-पाकिस्तान पर होने वाले अपने वार्षिक कार्यकर्ता सम्मेलन को स्थगित कर दिया है।

एमएमएल को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जमात-उद-दावा (जेयूडी) का राजनीतिक मोर्चा माना जाता है। ये गुट आतंकी हाफिज सईद के हैं, जिसे अपने भारत विरोधी रुख के लिए जाना जाता है। सम्मेलन को टालने के पीछे की वजह त्रिशूल अभ्यास को माना जा रहा है।

आतंकी हाफिज सईद

युद्धाभ्यास के दौरान थल सेना अत्याधुनिक मिसाइल दागती

नई तारीख का ऐलान नहीं

एमएमएल सम्मेलन टालने की घोषणा लश्कर कमांडरों ने नुक्कड़ सभाओं के जरिए अनौपचारिक रूप से की है। इस निर्णय को समूह के प्रमुख हाफिज सईद ने मंजूरी दे दी है। सईद के व्यक्तिगत रूप से लाहौर सम्मेलन में उपस्थित होकर उसे संबोधित करने की संभावना थी। इस आयोजन की अभी तक कोई नई तारीख घोषित नहीं की गई है।

त्रिशूल में 25 हजार जवान शामिल

भारतीय सेना पाकिस्तान सीमा के पास त्रिशूल नाम का अब तक का संयुक्त युद्धाभ्यास कर रही है। 30 अक्टूबर को शुरू हुए और 10 नवंबर तक चलने वाले इस अभ्यास में तीनों सेनाओं के 25 हजार जवान शामिल हो रहे हैं। भारतीय सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक बयान में कहा कि यह युद्धाभ्यास नियमित प्रकृति के हैं। हर साल तीनों सेनाओं का विशाल युद्धाभ्यास करना भारतीय सेना की परंपरा है।

पाकिस्तान ने दूसरी बार जारी किया नोटम

पाकिस्तान की नौसेना ने जो नया युद्धाभ्यास के लिए नोटम जारी किया है, वो भारत की तरफ से जारी किए गये पुराने नोटम वाले क्षेत्र में है। तस्वीर में भारत और पाकिस्तान का नोटम वाला क्षेत्र ओवरलैप हो रहे हैं। जानकारों का मानना है कि भारत हवा में अभ्यास कर रहा है और पाकिस्तान समुद्र में, इसलिए शायद टकराव ना हो। हालांकि यह भौगोलिक रूप से ओवरलैप करता है, लेकिन दोनों देशों के बीच स्थापित सैन्य-तकनीकी कॉर्डिनेशन की वजह से किसी अप्रत्याशित टकराव की संभावना नहीं मानी जा रही है। नोटम के मुताबिक पाकिस्तान का यह नौसैनिक अभ्यास 2 से 5 नवंबर तक चलेगा।

पाकिस्तान की ओर से जारी नोटम वाला क्षेत्र

आंध्रप्रदेश के वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में देव प्रबोधन एकादशी पर बड़ा हादसा

यह एक निजी मंदिर... मंदिर के प्रशासक हरिमुकुंद पांडा पर 'गैर-इरादतन हत्या' के तहत मामला दर्ज

सीढ़ियों की रैलिंग टूटने से श्रद्धालु एक दूसरे पर गिरते गए, 9 की मौत

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह दुर्घटना मंदिर के मालिक की गलती के कारण हुई है। उन्होंने पुलिस बंदोबस्त के लिए आवेदन नहीं किया था, न ही उन्हें अनुमति दी गई थी

25 हजार से ज्यादा लोग दर्शन के लिए पहुंच गए थे, जबकि मंदिर की क्षमता इतनी नहीं

एजेंसी ▶▶ श्रीकाकुलम

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में शनिवार को एक काशीबुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हादसा हो गया। इस हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जिसमें से 8 महिलाएं हैं। इसके पहले श्रीकाकुलम के जिला कलेक्टर स्वप्निल दिनकर पुंडकर ने मृतकों की संख्या 10 बताई थी। हालांकि, बाद में श्रीकाकुलम के पुलिस अधीक्षक केवी महेश्वर रेड्डी ने 9 मौतों की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति की हालत थोड़ी गंभीर है, लेकिन उसकी मौत नहीं हुई है। घटना में केवल 9 लोगों की जान गई है, जिसमें एक 12 साल का बच्चा भी शामिल है। पुलिस का कहना है कि यह मंदिर सरकारी नहीं था। यह एक निजी मंदिर है, जिसका हाल ही में निर्माण हुआ है। हादसा सीढ़ियों के पास लगी लोहे की ग्रिल गिरने के कारण हुआ। लोगों का लगा कि कुछ गिर रहा है और सभी घबरा गए। पुलिस ने कहा कि कोई भगदड़ नहीं हुई। लोग 6 फीट की ऊंचाई से गिरे, इससे एक व्यक्ति दूसरे पर गिर गया और हादसा हो गया।

हादसे का एक दृश्य।

पीएम मोदी व राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया

पीएम राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों को 50 हजार अनुग्रह राशि का ऐलान

काशीबुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर को 4 महीने पहले अगस्त में दर्शन के लिए खोला गया था। मंदिर 13 एकड़ में फैला है। इसके निर्माण में 10 साल लगे

मंदिर पहली मंजिल की ऊंचाई पर स्थित

आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगालापुडी अनीता ने कहा कि मंदिर पहली मंजिल की ऊंचाई पर स्थित है। जब भक्त ऊपर चढ़ रहे थे, तभी रैलिंग टूट गई और कोने में खड़े लोग गिर गए। कुछ लोग उनके ऊपर गिर गए। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं। उधर, स्वास्थ्य मंत्री सत्य प्रकाश ने दावा किया कि शनिवार को 25 हजार से ज्यादा लोग दर्शन के लिए पहुंच गए थे, जबकि मंदिर की क्षमता इतनी नहीं है।

हादसे के बाद कई महिलाएं बेहोश हो गईं

हादसे के कई वीडियो सामने आए हैं, जिसमें मंदिर की सीढ़ियों पर लोगों की भारी भीड़ दिखाई दी। इनमें महिलाएं, बच्चें और कई बुजुर्ग भी थे। इसी दौरान रैलिंग गिर गई और लोग भीड़ से दबने लगे। महिलाएं और बच्चे बाहर निकलने के लिए चीखते-चिल्लाते दिखे। कई तो अपनी जान बचाने के लिए लोगों के ऊपर चढ़कर निकलते दिखे।

सीएम नायडू बोले- भीड़ की सूचना होती तो हादसा न होता

आंध प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को हुई भगदड़ की घटना पर गहरा दुख जताया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह मंदिर निजी व्यक्ति द्वारा बनाया गया था और एकादशी के दिन यहां भारी संख्या में भक्त इकट्ठा हुए थे। आयोजकों ने पुलिस या स्थानीय प्रशासन को किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं दी थी, जिससे सुरक्षा इंतजाम हो सके। यदि पहले से पुलिस को सूचना मिल जाती तो भीड़ नियंत्रण आसान हो जाता और इस दर्दनाक घटना से बचा जा सकता था।

खबर संक्षेप

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की सराहना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान के तहत तीन 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड' खिताब हासिल करने पर पहल की सराहना की है। उन्होंने कहा कि इस तरह के जन आंदोलन महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को और गति प्रदान करते हैं। उपलब्धि के बारे में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी ने कहा, इस तरह की पहल बेहद सराहनीय है।

पीएम मोदी फॉलो किए जाने वाले वैश्विक नेता

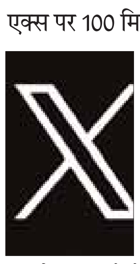

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर 100 मिलियन फॉलोअर्स को पार करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मोदी अब एक्स पर दुनिया के सबसे ज़्यादा फ़ॉलोअर वाले नेता होने का गौरव प्राप्त कर चुके हैं। पीएम मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन सहित अन्य विश्व नेताओं से काफ़ी आगे हैं, जिनके 38.1 मिलियन फ़ॉलोअर्स हैं। 10 करोड़ फ़ॉलोअर्स का आंकड़ा पार किया है।

जेईई मेन सेशन-1 के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

नई दिल्ली। जेईई मेन परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए एक अहम खबर है। दरअसल नेशनल टेस्टिंग एंजेसी की ओर से जेईई मेन सेशन-1 के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बता दें, इससे पहले एनटीए की ओर से जेईई मेन परीक्षा तिथियों की घोषणा की गई थी। हालांकि अब एनटीए की ओर से 31 अक्टूबर से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक के अंतिम दिन पत्रकार वार्ता में संघ की गतिविधियों का ब्योरा दिया

संघ पर बैन लगाने वाले बयान पर बोले सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले

खरगे को इतिहास से सीखना चाहिए, किसी के चाहने भर से बैन नहीं लगाया जा सकता

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि जातिगत जनगणना वहीं तक उचित है जहां तक इसके दुष्परिणाम जातिगत सामाजिक बुराई को न बढ़ाएं

अनुरोध पटेरिया ▶▶ जबलपुर

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर बैन वाले बयान को लेकर संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने बड़ा पलटवार किया है। जबलपुर में अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक के अंतिम दिन पत्रकार वार्ता में होसबाले ने कहा कि किसी के चाहने भर से किसी पर बैन नहीं लगाया जा सकता। आज के समाज ने संघ को स्वीकार कर लिया है। ऐसे में इस तरह की बात करना गलत है। होसबाले ने इस बात पर जोर दिया कि संगठन पर प्रतिबंध लगाने का कोई कारण तो होना चाहिए, क्योंकि आरएसएस नियमित रूप से राष्ट्र निर्माण में लगा रहता है और जनता ने इसे स्वीकार किया है। संघ पर प्रतिबंध लगाने से क्या हासिल होगा? गौर हो कि कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संघ पर प्रतिबंध लगाने की बात कही थी। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के मौके पर उन्हें याद करते हुए खरगे ने कहा था कि सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था।

आज के समाज ने संघ को स्वीकार कर लिया

पत्रकारों के सवालों के जवाब देते दत्तात्रेय होसबाले। साथ में प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर।

खरगे ने संघ प्रमुख गोलवलकर को लिखे सरदार पटेल के पत्र का भी हवाला दिया था

होसबाले ने कहा कि आरएसएस नियमित रूप से राष्ट्र निर्माण में लगा रहता है

भाजपा से इसलिए नजदीकी क्योंकि वहां हमारे स्वयंसेवक पदाधिकारी

पत्रकार वार्ता में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कार्यकारी मंडल बैठक तथा संघ शताब्दी वर्ष के निमित्त विजयादशमी के उपलक्ष्य में देशभर में आयोजित कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संघ जाति आधारित चुनाव को उचित नहीं मानता। नशामुक्त युवा हो इसके लिए संघ प्रयासरत है। स्वस्थ और शिक्षा के बढ़ते व्यवसायीकरण के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि दोनों विषय संघ की प्राथमिकता में हैं। इस पर लगातार मंथन और कार्य किया जा रहा है।

एक साल में 10 हजार नए स्थानों पर संघ कार्य प्रारंभ

उन्होंने कहा कि विजयादशमी के अवसर पर देशभर में आयोजित कार्यक्रमों के आंकड़े संघ कार्य के फैलाव को दर्शाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 59,343 मंडलों में से 37,250 मंडलों में कार्यक्रम हुए। इस प्रकार 50,096 मंडलों का प्रतिनिधित्व रहा। कुल मिलाकर 62,555 विजयादशमी उत्सव हुए। इन कार्यक्रमों में 32,45,141 स्वयंसेवक गणवेश में उपस्थित रहे। देश में 25,000 स्थानों पर पथ संचलन हुए, इनमें 25,45,800 स्वयंसेवक गणवेश में सहभागी हुए। अंडमान में भी कार्यक्रम हुआ, लद्दाख, अरुणाचल, मेघालय व नगालैंड में भी हुआ है। पिछले वर्ष अक्टूबर में हुई बैठक के बाद से संघ कार्य की दृष्टि से एक साल में 10 हजार नए स्थानों पर संघ कार्य प्रारंभ हुआ है। वर्तमान में 55052 स्थानों पर 87398 शाखाएं लग रही हैं जो पिछले वर्ष से 15000 अधिक हैं।

हिंदू सम्मेलनों में पंच परिवर्तन पर होगा फोकस

बैठक में शताब्दी वर्ष के आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा हुई। होसबाले ने बताया कि संघ का कार्य समाज, राष्ट्र का कार्य है। आगे बस्ती और मंडल स्तर पर हिंदू सम्मेलन करने वाले हैं। हिंदू सम्मेलनों के माध्यम से मंडल, बस्ती स्तर तक पंच परिवर्तन के विषयों को लेकर पहुंचेंगे। 45000 ग्रामीण और 35000 नगरीय स्थानों पर सम्मेलन आयोजित होंगे। वंदेमातरम राष्ट्रगीत के 150 वर्ष हो रहे हैं। 1975 में राष्ट्रगीत के 100 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में समितियां बनाई थीं। वंदेमातरम केवल गीत नहीं है, भारत की आत्मा का मंत्र है।

5 दिन पहले एक भाई की मौत... दूसरा घायल

दुर्घटना से नाराज ग्रामीणों ने बस को अगवा कर लिया

पुलिस ने स्टाफ सहित बस को छुड़वाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ आगर मालवा

इसी बस पर किया था कब्जा

आगर मालवा में पांच दिन पूर्व हुए सड़क हादसे में एक भाई की मौत के बाद ग्रामीणों ने शुक्रवार रात एक बस का अपहरण कर लिया। आगर से सोयत जा रही मालवा कंपनी की बस में कुछ ग्रामीण यात्री बनकर बैठे और उसे जबरन अपने गांव सारंगाखेड़ी ले गए। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने बस रोककर उसके आगे जाम लगा दिया और ड्राइवर-कंडक्टर को भी वहीं रोक लिया। सूचना मिलते ही सीएसपी मोतीलाल कुशवाह और कोतवाली थाना प्रभारी शशि उपाध्याय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। करीब एक घंटे की बातचीत के बाद पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाकर बस और उसके स्टाफ को सुरक्षित छुड़वाया।

सारंगाखेड़ी लौटते समय हुआ हादसा

यह घटना गत सोमवार रात करीब 10 बजे आगर-सुसनेर मार्ग पर ईश्वर सर्जिकल हॉस्पिटल के पास हुई थी। ग्राम सारंगाखेड़ी के दो सगे भाई बबलू (24) और राहुल (22) सेन अपनी बाइक से गांव लौट रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में बबलू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राहुल गंभीर रूप से घायल हो गया।

7 नवंबर से शुरू होगी नई वंदे भारत

वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट होते हुए खजुराहो तक जाएगी

चित्रकूट, प्रयागराज, विंध्याचल और वाराणसी को जोड़ेगी

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत

इंतजार खत्म हो गया। प्रयागराज को एक और वंदे भारत की सौगात मिल गई है। वाराणसी-खजुराहो वंदे भारत का संचालन सप्ताह में छह दिन होगा। रेलवे ने इसकी समय सारिणी भी जारी कर दी है। इसका ठहराव प्रयागराज में होगा। प्रयागराज से खजुराहो का सफर महज पांच घंटे में पूरा होगा। ट्रेन सुबह 8:05 बजे चलेगी और दोपहर 1:10 बजे खजुराहो पहुंचेगी। ट्रेन चार धार्मिक स्थलों चित्रकूट, प्रयागराज, विंध्याचल और वाराणसी को जोड़ेगी। इसकी समय-सारिणी जारी कर दी गई है।

पैसा नहीं, काम करने वालों की कमी...

नितिन गडकरी बोले- मेरे पास 15 लाख करोड़ पड़े हैं

खर्च नहीं कर पा रहा

एजेंसी ▶▶ नागपुर

बोले- काम शुरू करो जॉब अपने आप आएंगे

नितिन गडकरी

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मैं काम करता हूं, मेरे पास पैसे की कोई कमी नहीं है। मेरे पास 15 लाख करोड़ रुपये पड़े हैं, लेकिन मैं खर्च नहीं कर पा रहा हूं क्योंकि काम करने वालों की कमी है। उन्होंने यह बात एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्री डेवलपमेंट के कार्यक्रम में कही, जहां उद्योग जगत के कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

तुलसी के पौधे वितरित

वाराणसी में हरि प्रबोधिनी एकादशी पर पूजे गए आदिकेशव

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में देवउठनी एकादशी और तुलसी विवाह के अवसर पर शनिवार को नमामि गंगे ने प्राचीनतम विष्णु तीर्थ आदिकेशव मंदिर में भगवान के विग्रह का विधिवत पूजन-अर्चन किया। इसके बाद भगवान श्रीहरि विष्णु के आदिकेशव स्वरूप, माता लक्ष्मी एवं माता तुलसी की भक्ति भाव से आरती उतारी गई और भारतवर्ष की सुख-समृद्धि के लिए उनसे प्रार्थना की गई। पूजन के दौरान श्रद्धालुओं ने ॐ नमो भगवते वासुदेवाय, ॐ नमो नारायणाय और शांताकारं भुजंगशयनं पद्मनाभं सुरेशं... जैसे वैदिक मंत्रों का जाप किया।

घट गए 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम

भोपाल में 1853.5 रुपए में मिलेगा यह सिलेंडर

रसोई गैस की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर

19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर के दाम घट गए हैं। नई कीमत 1 नवंबर 2025 यानी से लागू हो गई है। आईओसीएल की वेबसाइट के मुताबिक 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की रिवाइज्ड कीमत दिल्ली में 1590.50 रुपए हो गई है, जो पहले 1595.50 रुपए थी। हालांकि, रसोई गैस सिलेंडर या 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमतों पर कोई असर नहीं हुआ है। इससे पहले कमर्शिय एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बदलाव अक्टूबर में हुआ था।

जीएसटी में कटौती के बाद भी भरा सरकार का खजाना

कारण-फेस्टिव डिमांड और रुकी हुई खपत

अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन 1.95 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

22 सितंबर से जीएसटी की नई दरें लागू हुई थीं। जीएसटी रेट कट से खाने-पीने के सामान से लेकर रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली अधिकतर चीजें सस्ती हो गईं थी। इसके बावजूद सरकार का खजाना भरा है। अक्टूबर के जीएसटी संग्रह में उछाल देखा गया है।

शनिवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार फेस्टिव डिमांड और रुकी हुई खपत के कारण अक्टूबर में भारत का ग्रॉस गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन पिछले साल के मुकाबले 4.6% बढ़कर लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपए हो गया। जबकि अक्टूबर 2024 में यह 1.87 लाख करोड़ रुपए था। रिपोर्ट के अनुसार जीएसटी कलेक्शन में हुई यह बढ़ोतरी 375 चीजों पर जीएसटी रेट में कटौती के बावजूद हुई।

मानसून तीन महीने 28 दिन सक्रिय रहा, पर पीछे बादल व बौछारें छोड़ गया

आज बैतूल, छिंदवाड़ा बड़वानी, खरगोन, खंडवा में होगी बारिश

दो हफ्ते के बाद रहिए तैयार, पड़ेगी कड़ाके की सर्दी आज से खिलेगी धूप और बढ़ेगा दिन-रात का पारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पिछले तीन दिनों से प्रदेश के जिलों में बादल और बारिश का सिलसिला शनिवार को थम गया है, जिससे जबलपुर, धार, दतिया, बड़वानी, गुना और भोपाल को छोड़कर अधिकतर जिलों में धूप-छांव का दौर चलता रहा।

अब रविवार से प्रदेश के अधिकतर जिलों में धूप खिलेगी, जिससे दिन के तापमान में चार से पांच डिग्री तक उछाल आएगा। हालांकि, न्यूनतम तापमान स्थिर रहने से सर्दी का असर सामान्य रहेगा। इधर कड़ाके की सर्दी के लिए लोगों को 15 नवंबर तक इंतजार करना पड़ेगा। शनिवार को अरब सागर में बने चक्रवात की वजह से जबलपुर, धार, दतिया, बड़वानी, गुना और भोपाल में बूंदाबांदी हुई।

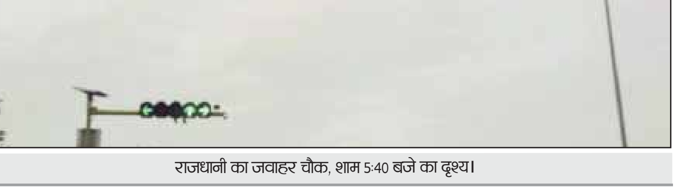
राजधानी का जवाहर चौक, शाम 5:40 बजे का दृश्य।

अक्टूबर में रहा बारिश-बादल का पैटर्न

अक्टूबर में मानसून की विदाई, गर्मी और हल्की ठंड का दौर रहता है। इस साल भी ऐसा ही मौसम रहा। तीन महीने 28 दिन सक्रिय रहने के बाद 13 अक्टूबर को मानसून पूरे प्रदेश से विदा हो गया। हालांकि, पूरे महीने ही प्रदेश के किसी न किसी हिस्से में बारिश, गरज-चमक, आंधी या बादल वाला मौसम रहा।

15 नवंबर से पड़ेगी कड़ाके की सर्दी

15 नवंबर से ठंड का असर बढ़ेगा। खासकर ग्वालियर-चंबल संभाग के जिलों में, जहां उत्तरी हवाएं सीधी आती हैं, वहां पारा लुढ़केगा। ग्वालियर में 56 साल पहले नवंबर में रात का तामपान रिकॉर्ड 3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर में इस महीने बारिश का चलन है। इस बार नवंबर के पहले सप्ताह में ही बारिश होने के आसार है।

महिला गेस्ट फैकल्टी को राहत

हाईकोर्ट ने साढ़े 10 वर्ष की सेवा के बाद हटाने पर लगाई रोक

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने साढ़े 10 वर्ष की सेवा उपरांत हटाए जाने के रवैये को अनुचित करार दिया। जस्टिस मनिंदर सिंह भट्टी की सिंगल बेंच ने इसी के साथ हटाए जाने के आदेश पर रोक लगा दी। अंतरिम राहत के साथ ही राज्य शासन सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब-तलब किया।

याचिकाकर्ता सिविल लाइन, जबलपुर निवासी डा. अर्पणा अवस्थी की ओर से अधिवक्ता आदित्य संघी व अलका सिंह ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता विगत साढ़े 10 वर्ष से साइंस कालेज में गेस्ट फैकल्टी के रूप में सेवा दे रही हैं। कालेज प्रबंधन के द्वारा विगत 10 अक्टूबर को उन्हें हटाने का आदेश जारी कर दिया। वह एक विश्व प्रसिद्ध पीएचडी शोधार्थी हैं और वर्तमान में उनकी आयु 56 वर्ष है। उनकी योग्यता और दुनिया भर के विभिन्न कालेजों में उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए कई शोधपत्रों को देखे बिना उन्हें हटाया जा रहा है।

दूसरी एजेंसी को ठेका देने का आरोप

हाई कोर्ट ने पुलिस भर्ती परीक्षा ठेका मामले में मांगा जवाब

जबलपुर। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा व न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने पुलिस भर्ती परीक्षा ठेका मामले में जवाब-तलब कर लिया है। इस सिलसिले में राज्य शासन व कर्मचारी चयन आयोग व अन्य को नोटिस जारी किए गए हैं। चार साप्ताह में जवाब पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनहित याचिकाकर्ता भोपाल निवासी आसिफ अली व रीतेश सोनी की ओर से अधिवक्ता आदिल उस्मानी ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि पुलिस भर्ती परीक्षा का ठेका लेने वाली एपटेक कंपनी द्वारा अन्य एजेंसी को शामिल कर लिया गया। सूबेदार और सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2025, सूबेदार (स्टेनो), एएसआई भर्ती परीक्षा 2025 और पुलिस कान्स्टेबल भर्ती परीक्षा 2025 कराने की जिम्मेदारी मप्र कर्मचारी चयन बोर्ड ने 11 दिसंबर, 2024 को मुंबई की एपटेक कंपनी को ठेके पर दी है। आरोप है कि उक्त कंपनी कई राज्यों में परीक्षा में गड़बड़ियों और डेटा लीक जैसे मामलों में प्रतिबंधित रह चुकी है। इतना ही नहीं ठेका लेने वाली एपटेक ने दूसरी एजेंसी को काम दिया है। याचिका में आरोप है कि यह दूसरी एजेंसी सीमित संसाधनों और कालेजों के जरिए परीक्षा संचालन कर रही है। जिनमें कम पढ़े लिखे लोगों को कर्मचारी नियुक्त करके भारी मुनाफा कमा रही है। इस तरह की लापरवाही से भर्ती परीक्षा की पारदर्शिता पूरी तरह खतरे में पड़ गई है और लाखों उम्मीदवारों के भविष्य पर गंभीर संकट मंडरा रहा, जो अवैधानिक है।

ठंड अभी नहीं दिखा पा रही असर

बारिश के आसार बरकरार

जबलपुर। पश्चिमी विक्षोभ के कारण आसमान पर बादलों की परत छाई हुई है. बादलों की वजह से एक बार पारा फिर स्थिर हो गया है. अभी रात के तापमान में 2 डिग्री की गिरावट आई थी, जो अब सामान्य से 4 डिग्री उछाल पर है। वहीं दिन के तापमान में जरुर गिरावट बनी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोप के कारण आसमान पर बादलों की आवाजाही बनी हुई। लिहाजा दिन में मौस में ठंडक नहीं आ पा रही है । अभी भी दिन में गर्मी का माहौल बना रहता है। रात में जरूर ठण्डक आ जाती है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि पश्चिमी विक्षोप के कारण बादलों की आवक-जावक बनी हुई है। आसमान पर बादलों की बसाहट के कारण तापमान स्थिर बना हुआ है। दिन का तापमान औसत से 4 डिग्री नीचे है और रात का तापमान सामान्य से 4 डिग्री ऊपर चल रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 27.9 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री कम और न्यूनतम तापमान 20.8 डिग्री सामान्य से 4 डिग्री अधिक रिकॉर्ड किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 93 प्रतिशत और सांय काल 85 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 6.16 पर और सूर्यास्त शाम 5.32 पर हुआ। उत्तर पूर्वी हवाएं 2 से 3 किलो मीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से चलीं। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 34.8 और न्यूनतम तापमान 19.0 डिग्री दर्ज किया गया था। अगले 24 घण्टों के दौरान जिले के कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ पानी की बौछारे पड़ सकती है ।

निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण अंतर्गत बीएलओ व नगर निगम के कर्मचारियों का प्रशिक्षण संपन्न

जबलपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह ने केंट विधानसभा अंतर्गत शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज रांझी तथा सिहोरा विधानसभा क्षेत्र के श्यामसुंदर शासकीय महाविद्यालय खितौला में आयोजित बीएलओ के प्रशिक्षण को मार्गदर्शन दिया। इस दौरान उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में बीएलओ को आवश्यक जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है। इसके अंतर्गत प्रत्येक मतदाता के घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरे जाएंगे तथा मतदाता को अपने या परिजनों के नाम का मिलान या लिंकिंग पिछले एसआईआर (2002-2004) के रिकॉर्ड से करने में सहायता की जाएगी। इस कार्य के लिए मतदाता और बीएलओ निर्वाचन आयोग की वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं।

मतदाताओं के नाम जोड़ने हेतु फॉर्म-6 और घोषणा प्रपत्र एकत्र किए जाएंगे। बीएलओ प्रत्येक मतदाता के घर पर कम से कम तीन बार जाकर विवरण सुनिश्चित करेंगे। गणना चरण के दौरान किसी अन्य दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। गणना प्रपत्र भरवाने की अवधि 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर 2025 तक निर्धारित की गई है। निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन 9 दिसम्बर 2025 को किया जाएगा, दावे और आपत्तियाँ 9 दिसम्बर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक प्राप्त की जाएंगी तथा अंतिम प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा। खितौला में प्रशिक्षण के दौरान एसडीएम व निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री पुष्पेन्द्र अहके, तहसीलदार व सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी मौजूद थे। इसी प्रकार मानस भवन में नगर निगम क्षेत्र के सुपरवाइजर, उप यंत्री, योजना लिपिक व अन्य कर्मचारियों के प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी देकर कहा कि एसआईआर के बारे में पूर्ण जानकारी रखना आवश्यक है, क्योंकि गणना पत्रक भरे जाने के दौरान बीएलओ के सहयोग करना है।

2 रक्त के सौदेबाजों को सुरक्षा एजेंसी ने पकड़ा

मेडिकल कालेज में खून का कारोबार बेनकाब

हरिभूमि जबलपुर।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज अस्पताल में शनिवार को खून की अवैध बिक्री का मामला फिर सामने आया है। अस्पताल परिसर में दो युवकों को उस वक्त रंगेहाथ पकड़ा गया, जब वे 5 हजार रुपए में एक यूनिट खून बेचने की सौदेबाजी कर रहे थे। सुरक्षा एजेंसी की सतर्कता से यह गिरोह बेनकाब हुआ। पकड़े गए दोनों आरोपियों के नाम अन्नू और जॉनसन बताए गए हैं।

सूत्रों के अनुसार, एक ब्लड डोनेशन संस्था जरूरतमंद मरीज के लिए रक्त की व्यवस्था करने अस्पताल पहुँची थी। इसी दौरान संस्था के सदस्यों से दो युवक मिले, जिन्होंने कहा कि वे 5 हजार रुपए में तुरंत ब्लड उपलब्ध करा देंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह प्राइवेट व्यवस्था होगी। मामला संदिग्ध लगने पर संस्था ने अस्पताल की सुरक्षा एजेंसी को सूचना दी। एजेंसी ने योजना बनाकर दोनों को तब पकड़ा, जब वे नकद राशि ले रहे थे और सौदा पक्का कर रहे थे।

सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत गढ़ा थाना पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुँची पुलिस टीम ने दोनों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि ये आरोपी कुछ

समय से अस्पताल परिसर में सक्रिय थे और मरीजों की मजबूरी का फायदा उठाकर अवैध रूप से रक्त बेचते थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि क्या इस अवैध कारोबार में अस्पताल के किसी कर्मचारी की भूमिका भी रही है।

अस्पताल प्रबंधन ने कहा– सख्त कार्रवाई होगी

अस्पताल प्रशासन ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि परिसर में किसी भी तरह का अवैध सौदा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रबंधन ने सुरक्षा एजेंसी को ब्लड बैंक क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं।

पहले भी पकड़े जा चुके हैं ऐसे दलाल

यह कोई नया मामला नहीं है। इससे पहले भी मेडिकल कॉलेज में कई बार ऐसे दलाल पकड़े जा चुके हैं, जो मरीजों की मजबूरी का फायदा उठाकर 3 से 10 हजार रुपए में खून का सौदा करते थे। इस बार भी ब्लड बैंक कर्मचारियों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामले अस्पताल की सुरक्षा और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर रहे हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुँचने के लिए जांच तेज कर दी है।

अब केन्ट विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक घरों में भी पहुँचेगा नर्मदा जल : विधायक

केन्ट विधानसभा क्षेत्र में उच्चस्तरीय पानी टंकी निर्माण कार्य का भूमिपूजन

हरिभूमि जबलपुर।

अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत प्रावधानित राशि 312 करोड़ रूपये से होने वाले कार्यो में तेजी आई है। 312 करोड़ रूपये में से सबसे बड़ी राशि केन्ट विधानसभा क्षेत्र को दी गई है, जिसके अंतर्गत आज दीवान आधार सिंह वार्ड में बिरसामुण्डा एवं ईश्वरदास रोहाणी वार्ड के अंतर्गत प्रियदर्शनी कॉलोनी में उच्चस्तरीय पानी टंकी के निर्माण कार्य का भूमिपूजन महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'', केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी एवं नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज ने किया। इस अवसर पर महापौर श्री अन्नू ने जानकारी देते हुए बताया कि अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत 312 करोड़ रूपये की राशि से होने वाले कार्यो में तेजी आई है।

भूमिपूजन समारोह के अवसर पर केन्ट विधानसभा क्षेत्र के विधायक अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने आज केन्ट विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों का नर्मदा जल पाने की सौगात से अभिभूत हुए और कहा कि केन्ट विधान सभा क्षेत्र के नागरिकों का सपना साकार हो रहा है। उच्चस्तरीय पानी की टंकी का निर्माण शुरू होना नागरिकों के लिए एक बड़ी सौगात है। उन्होंने बताया कि अब शहर के अन्य विधानसभा क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के साथ-साथ केन्ट विधानसभा क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों के घरों में भी नर्मदा जल पहुँचेगा।

इस अवसर पर नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दीवार आधार सिंह एवं ईश्वरदास रोहाणी वार्ड के नागरिकों के घरों में नर्मदा जल पहुँचाने के साथ-साथ शहर के सभी घरों में भी नर्मदा जल पहुँचाना हमारा दायित्व है। जिसके लिए हम सभी प्रयास किये और आज उसका परिणाम जमीनीधरातल पर दिखाई देने लगा है।

भूमिपूजन समारोह के दौरान एम.आई.सी. सदस्य रजनी कैलाश साहू, पार्षद श्याम कनोजिया, श्रीमती सोना वर्मा, आशीष राव, गुल्लू दुबे एवं अन्य सभी गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मेट्रोप्राइम अस्पताल में स्तन कैंसर से जंग जीतने वाली महिलाओं का किया सम्मान

जबलपुर। स्तन कैंसर जागरूकता माह में बडेरिया मेट्रोप्राइम अस्पताल में स्तन कैंसर से जंग जीतने वाली महिलाओं का सम्मान किया गया। उल्लेखनीय है कि विश्व में अक्टूबर माह को स्तन कैंसर जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्तन कैंसर के प्रति जागरूक करना है, इसी कड़ी में आज मेट्रोप्राइम अस्पताल में अपनी इच्छाशक्ति, हिम्मत और सकारात्मक सोच के माध्यम से पूर्ण उपचार द्वारा स्वस्थ हुई महिलाओं को शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉक्टरों ने इन महिलाओं के साहस, उम्मीद और जीवन के प्रति अटूट विश्वास तथा कैंसर से लड़ने के जज़्बे को सलाम किया।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्तन स्व-परीक्षण (Breast Self-Examination) का प्रदर्शन किया गया, जिसमें महिलाओं को यह सिखाया गया कि वे घर पर ही नियमित रूप से जांच कर प्रारंभिक लक्षणों को पहचान सकती हैं। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और समय पर निदान के माध्यम से रोग की गंभीरता को कम करना है। इस अवसर पर डॉ. जितेन्दर परयानी, डॉ. मनोज जैन और डॉ. रज़िया ने स्तन कैंसर की रोकथाम, उपचार और समय पर जांच की महत्ता पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने उनके ज्ञानवर्धक व्याख्यानों से लाभ प्राप्त किया। उनकी हिम्मत और जीवन के प्रति उत्साह ने सभी को गहराई से प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में अस्पताल के निदेशक राजीव बडेरिया ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह आयोजन न केवल स्वास्थ्य जागरूकता का प्रतीक बना, बल्कि समाज में उम्मीद और हौसले का संदेश भी लेकर आया।

जनाकर्षण का केन्द्र बनी संत नामदेव शोभायात्रा

जबलपुर। संत शिरोमणि नामदेव महाराज की 755वीं जयंती पर मुख्य समारोह का शुभारंभ गढ़ाफाटक स्थित नामदेव भवन से पूर्वान्ह 11.30 बजे हवन-पूजन के साथ हुआ। तत्पश्चात भव्य शोभायात्रा निकाली गई। प्रथम पंक्ति में नामदेव आश्रम ट्रस्ट के बैनर के साथ ढोल, तांसों की गड़गड़ाहट के साथ युवक- युवतियां हाथों में धर्म ध्वजा लेकर संत नामदेव का जयघोष करते चल रहे थे। उसके बाद भगवान गणेश की प्रतिमा, ज्ञान की देवी माँ सरस्वती, पवनसुत हनुमानजी की प्रतिमा पृथक-पृथक वाहनों में जुलूस में शामिल हुईं। चल समारोह में पंजाबी ढोल, शेर नृत्य, श्याम बैंड के कलाकारों द्वारा धार्मिक धुन की प्रस्तुति से जुलूस मार्ग धर्ममय हो गया। भजन मंडली की प्रस्तुति सराहनीय रही। अंत में संत नामदेव की विशाल प्रतिमा बैलगाड़ी में विराजमान होकर चल रही थी, जो जनाकर्षण का केन्द्र रही। शोभायात्रा में नगर निगम नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, कमलेश यादव, पूर्व पार्षद अभिषेक यादव, प्रिंस सलूजा, विष्णु विनोदिया, विवेक यादव, पूर्व पार्षद पंकज पांडे, यतीश अग्रवाल, समर यादव, नरेश सिंह ठाकुर, नारायण श्यार्मा, झल्लेलाल जैन, विजय जैन चुन्ना, एड. भावना निगम, देवकी पटैल, शशिकांत गुप्ता, कैलाश साहू, संग्राम राठौर, पप्पन मिश्रा, जितेन्द्र यादव सहित आमंत्रित अतिथियों के साथ नामदेव आश्रम ट्रस्ट के शैलेष सतीश नामदेव, एड. भोजराज नामदेव, सीताराम नामदेव, नारायण नामदेव, सोमनाथ नामदेव, विकास, विजय, अशोक, सुशील, योगेश, आनंद, नितेश, पुरुषोत्तम नामदेव, नामदेव नवयुवक सभा के प्रांतीय अध्यक्ष मनोज नामदेव, अनूप नामदेव, राजेश, नागेन्द्र, यतेन्द्र नामदेव, महिला संगठन से मीराबाई नामदेव, सुजाता नामदेव, मोना नामदेव, अन्नपूर्णा नामदेव, किरण, कुसुम, शकुन्तला, आरती, राधाबाई नामदेव सहित बड़ी संख्या में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सदस्य उपस्थित रहे। शोभायात्रा का नेतृत्स ट्रस्ट के शैलेश सतीश नामदेव ने किया एवं संचालन नवयुवक सभा के प्रांतीय अध्यक्ष मनोज नामदेव ने किया, अंत में आभार प्रदर्शन के साथ प्रसाद विरतण किया गया।

पशिचम मध्य रेलवे की बास्केटबॉल पुरुष टीम अंतर रेलवे प्रतियोगिता में भाग लेने गुवाहाटी रवाना

जबलपुर। पूर्व सीमांत रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन, मालिगांव (गुवाहाटी) के तत्वावधान में आयोजित 68वीं अखिल भारतीय अंतर रेलवे बास्केटबॉल प्रतियोगिता (पुरुष) का आयोजन 3 नवम्बर 2025 से 10 नवम्बर 2025 तक किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पश्चिम मध्य रेलवे की बास्केटबॉल टीम भी भाग ले रही है।

टीम का प्रशिक्षण शिविर जबलपुर में 15 सितम्बर 2025 से प्रारंभ किया गया, जिसमें खिलाड़ियों के खेल कौशल, टीम समन्वय, मानसिक एकाग्रता एवं रणनीतिक दक्षता में निखार लाने हेतु गहन अभ्यास सत्र आयोजित किए गए। शिविर अवधि के दौरान स्थानीय टीमों के साथ अभ्यास मैचों का भी आयोजन किया गया, जिससे खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धात्मक भावना एवं आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

यह प्रतियोगिता लीग कम नॉक आउट आधार पर खेली जाएगी, जिसमें प्रत्येक मैच निर्णायक रहेगा और विजेता टीम को अगले चरण में प्रवेश प्राप्त होगा। पश्चिम मध्य रेलवे बास्केटबॉल टीम में निम्नलिखित खिलाड़ियों एवं कोच को नामित किया गया है- मानिक, आकाश भसीन, तुषार सिंह, राकेश शर्मा, शिवम कुमावत, के.एस. राधाकृष्णन, साबरीवासन वी., गुँजन, अभिषेक प्रताप सिंह, जितेन्द्र वर्मा एवं संजीव कुमार ओझा।

पमरे महाप्रबंधक श्रीमति शोभना बंदोपाध्याय एवं पश्चिम मध्य रेलवे खेलकूद संघ के अध्यक्ष कुशाल सिंह (राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी) के द्वारा बास्केटबॉल टीम को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने हेतु शुभकामनाएं दी गई। पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर बास्केटबॉल टीम को जी.पी. शिव नारायण, महासचिव, यशवंत कुमार, कोषाध्यक्ष, कमल कुमार तलरेजा मंडल रेल प्रबंधक, सुबोध विश्वकर्मा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक प्रबंधक, आरिफ अली, बलदेव, जय राम, गजेन्द्र सिंह मेहरोलिया, कमल थापा, हसन अली, असद खान, मितेन्द्र कुमार, नवीन उपाध्याय, असलम अली, रेल कर्मचारियों एवं समस्त खेल प्रेमियों ने हार्दिक बधाईयां व भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी हैं।

इंडियन डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग कॉन्क्लेव शहर में

जबलपुर। रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (एवीएनएल) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) संयुक्त रूप से इंडियन डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन कर रहे हैं। यह आयोजन 7 से 9 नवम्बर 2025 तक व्हीएफजे स्टेडियम ग्राउंड, जबलपुर में होगा। सहायक जनसंपर्क अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कॉन्क्लेव की थीम है स्वदेशीकरण को सशक्त बनानाः वेंडर डेवलपमेंट, प्रदर्शनी और बी2बी बैठकें। इस दौरान रक्षा वाहन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने, नवाचार और उद्योग साझेदारी को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान रहेगा। कार्यक्रम के तहत 7 नवम्बर को उद्घाटन समारोह एवं प्रथम सत्र, 8 नवम्बर को वेंडर डेवलपमेंट कार्यक्रम और 9 नवम्बर को द्वितीय सत्र एवं समापन समारोह होगा। इस आयोजन में रक्षा मंत्रालय, सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी, डीआरडीओ, डीपीएसयू, निजी उद्योग, एमएसएमई, नीति निर्माता, अनुसंधान संस्थान, ओईएम, स्टार्टअप्स और शिक्षाविद शामिल होंगे। कॉन्क्लेव में इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और स्वायत्त गतिशीलता जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ प्लेटफॉर्म आधुनिकीकरण और निर्यात अवसरों पर भी चर्चा की जाएगी, ताकि भारत को भविष्य के रक्षा वाहन विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके।

देवउठनी ग्यारस श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई गई

धूमधाम से रचाया गया शालिग्राम-तुलसी विवाह

जबलपुर। देवउठनी ग्यारस का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर घर-घर पूजन अर्चन कर मड़ई भरी गई और भगवान शालिग्राम व माता तुलसी का विवाह रचाया गया। गढ़ा और कोतवाली से भगवान शालिग्राम की बारात धूमधाम से निकाली गई। पौराणिक ऐसी मान्यता है कि भगवान विष्णु चार माह क्षीरसागर विश्राम के लिए चले गये थे और कार्तिक एकादशी के दिन ही उठे थे इसीलिए इसे देवउठनी ग्यारस के रूप में मनाया जाता है।

इसी प्रकार घर-घर में गन्ने की मड़ई बनाकर भगवान विष्णु और सभी देवताओं की पूजा की गई और गन्ना, भाजी, भटा, आंवला, सिंघाड़ा, शकला, बेर का भोग लगाया गया।

मक्रवाहिनी मंदिर में महाआरती

कल्चुरी कालीन मां नर्मदा की विशाल प्रतिमा वाले मक्रवाहिनी मंदिर पानदरीबा मे देवउठनी ग्यारस पर विशाल महाआरती और भंडारे का आयोजन किया गया है। महाआरती में विभिन्न धार्मिक और समाजिक संगठन शामिल हुए। मंदिर समिति के सम्पूर्ण तिवारी, कल्ली तिवारी, विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, आलोक पाठक, विलोक पाठक, संदीप जैन, पंडित योगेंद्र दुबे, पंडित राम दुबे, शरद मोदी आदि मौजूद रहे।

तुलसी माता मंदिर गौरीघाट मे बजी शहनाई

देव उठनी एकादशी के शुभ अवसर पर गौरीघाट स्थित तुलसी माता मन्दिर मे माता तुलसी शालिग्राम का भव्य विवाह का आयोजन किया गया, गौरीघाट स्थित भारत एकमात्र तुलसी मंदिर में बारात पहुंची। वैदिक विधि विधान से तुलसी माता का विवाह संपन्न हुआ, मान्यता है कि जिन विवाह योग्य जातकों का विवाह में अवरोध होता है कार्तिक की एकादशी के दिन तुलसी विवाह करने से शीघ्र विवाह होता है।

निकली भव्य बारात, महिलाएं बनीं बाराती

सिहोरा। कार्तिक मास शुक्ल पक्ष की एकादशी पर देवउठनी ग्यारह हर्षोल्लास से मनाई गई। भक्तों ने उपवास रखकर घर घर में गन्ने का मंडप बनाकर भगवान शालिग्राम माता तुलसी की पूजा अर्चना कर विवाह रचाया।मान्यता है की आज के दिन भगवान नारायण चार माह की निद्रा से बाहर आते है और संसार के संचालन के तौर पर अपना कार्य सम्हालते है।इसे देवोत्थान,प्रबोधनी एकादशी भी कहा जाता है तथा जो लोग साल भर की एकादशी का उपवास नही रख पाते है वो अगर देवउठनी एकादशी का ब्रत रख ले तो उन्हे सभी एकादशियों का पुण्य मिल जाता है और अंजाने में किए गये सारे पाप दूर हो जाते है। शनिवार को नगर उपनगर खितौला में अनेक स्थानों में भगवान की बारात श्रद्धा भक्ति भाव के साथ निकाली गई।

शिव मंदिर से निकली बारात

पूर्ण श्रद्धा भक्ति भाव के साथ भगवान शालिग्राम की शिव रामायण मंडल की महिलाओं द्वारा बारात निकाली गई जो जेल रोड़ स्थित शिव मंदिर वार्ड 2 से प्रारम्भ होकर ज्वालामुखी चौराहा,पुराना बस स्टेंड,शनि मंदिर,बाबाताल से होकर निकली तथा वार्ड 11 स्थित संत बनवारी दास निवास में साधना मिश्रा ने बारात की आगवानी कर भव्य स्वागत किया गया उसके बाद बारात शुभारंभ स्थल पर संपन्न हुई। तत्पश्चात महिलाओं ने बाकायदा मंडप बनाकर हल्दी चीकट कर भगवान का माता तुलसी के साथ विवाह रचाया बाराती बनी सभी महिलाओं ने धार्मिक धुन में जमकर नृत्य भी किया अंत में प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन को सफल बनाने में बेबी पाल पार्षद, रोशनी गर्ग, मीना परौहा, रोशनी गर्ग, आशा सोनी, रानू परौहा, अर्चना शुक्ला, बंदना पटेल, नीतू पाठक, कंचन सोनी, प्रतिभा अग्निहोत्री आदि का योगदान रहा।

ग्राम पठरा में सालभर से अटकी किसानों की समस्या का ज़मीनी समाधान

नायब तहसीलदार सुनीता मिश्रा बनीं संवेदनशील प्रशासन की मिसाल

पनागर। ग्राम पंचायत पठरा में किसानों की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान कर नायब तहसीलदार सुश्री सुनीता मिश्रा ने संवेदनशील प्रशासन की एक नई मिसाल पेश की है। प्रशासनिक जिम्मेदारी को केवल दायित्व नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम मानने वाली सुश्री मिश्रा ने खेतों में उतरकर न केवल समस्या का निरीक्षण किया, बल्कि उसका समाधान भी सुनिश्चित कराया। ग्राम के किसान — सुदामा उपाध्याय, राजाराम तिवारी, महेश कच्छी, बिहारीलाल कच्छी और राममनोहर यादव — ने बताया कि पिछले एक वर्ष से उनके खेतों में जलभराव की समस्या बनी हुई थी। मिट्टी भर जाने के कारण पानी की निकासी बाधित हो गई थी, जिससे फसलें बार-बार खराब हो रही थीं।

हरिभूमि में प्रकाशित खबर के बाद प्रशासन हरकत में आया। नायब तहसीलदार सुश्री सुनीता मिश्रा ने स्वयं मौके पर पहुंचकर खेतों की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों से संवाद किया और तत्काल आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सरपंच अजय गोटिया, सचिव और पटवारी को निर्देश दिए कि 15 दिनों के भीतर जलनिकासी की पूर्ण व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

विज्ञानम गर्जना 3.0 : नवाचार की ज्वाला, प्रेरणा की किरण!

जबलपुर। संत अलॉयसियस महाविद्यालय (स्वशासी), जबलपुर के जैव प्रौद्योगिकी विभाग एवं अलॉयसियन बायोटेक सोसायटी के तत्वावधान में 01 नवम्बर 2025 को महाविद्यालय के वार्षिक विज्ञान समारोह "विज्ञानम गर्जना 3.0" का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजक AI एकेडमी रहे, जिन्होंने विज्ञान और नवाचार के इस महोत्सव को नई ऊँचाइयां प्रदान की। इस वर्ष का विषय था "सीमाओं से परे विज्ञान की खोज, विचार से प्रभाव तक, विकसित भारत 2047 के लिए।" कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और सहयोग की भावना को प्रज्जवलित करना था। मध्य भारत के सबसे बड़े अंतर-विद्यालय विज्ञान प्रतियोगिताओं में से एक, विज्ञानम गर्जना 3.0 में जबलपुर जिले के 20 से अधिक विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में 'स्किड गेम, ट्रेजर हंट (एस्केप द पेंडेमिक)' तथा 'आइडियाथॉन' जैसी रोचक प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य टीमवर्क, समस्या समाधान और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना था। डॉ. कल्लोल दास (उप-प्राचार्य), डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह और अरुणेन्द्र कुमार पटेल (सहायक प्राध्यापक, रानी दुर्गावती कॉलेज, तेंदूखेड़ा, दमोह) ने आइडियाथॉन प्रतियोगिता का मूल्यांकन किया।

अविका तिवारी ने मतदाता महारथ क्विज प्रतियोगिता में प्राप्त किया प्रथम स्थान

जबलपुर। जिला निर्वाचन कार्यालय, जबलपुर द्वारा स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत आज प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान में "मतदाता महारथ" जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता दोपहर 12 बजे से प्रारंभ हुई, जिसमें जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से चयनित 45 कॉलेजों के विजेता छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में नर्मदा कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, जबलपुर की बी.ए. एल.एल.बी. तृतीय सेमेस्टर की छात्रा कु. अविका तिवारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने छह रोचक राउंड—बजर राउंड, ऑडियो-विजुअल राउंड, रैपिड फायर राउंड सहित अन्य चरणों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। सभी राउंड में अविका तिवारी का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली और ज्ञानवर्धक रहा। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन जिला स्वीप समन्वयक डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव द्वारा किया गया। अंत में विजेताओं को प्रमाण पत्र मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अभिषेक गेहलोत एवं डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव द्वारा प्रदान किए गए। महाविद्यालय परिवार ने अविका की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्य स्तरीय विज्ञान नाटिका उत्सव का हुआ समापन

जबलपुर। राज्य शिक्षा केन्द्र मप्र भोपाल एवं राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान एवं अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में राज्य स्तरीय विज्ञान नाटिका का दो दिवसीय कार्यक्रम संस्थान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में आठ जोनों जबलपुर, छतरपुर, खंडवा, देवास, रीवा, ग्वालियर,

उज्जैन और भोपाल के लगभग 100 विद्यार्थियों तथा उनके अपने 20 मार्गदर्शक शिक्षकों ने सहभागिता दी। इस कार्यक्रम में प्रथम स्थान छतरपुर जोन, द्वितीय स्थान खण्डवा एवं तृतीय स्थान रीवा जोन ने प्राप्त किया तथा सर्वश्रेष्ठ बालक अभिनेता का पुरस्कार भोपाल जोन के गौरव सेन को तथा सर्वश्रेष्ठ बालिका अभिनेत्री का पुरस्कार आस्था शुक्ला जोन छतरपुर को प्रदान किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान की संचालक लक्ष्मीसिंह पवैया का कुशल मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम नोडल प्रभारी साधना पांडे एवं अर्चना अयाची के साथ संस्थान के समस्त सदस्यों का अमूल्य सहयोग रहा। आयोजन समन्वयक के रूप में डॉ. राजेश पांडे एवं प्रदीप कुमार बहरे की उपस्थिति रही। मंच संचालन साधना पांडे, अर्चना अयाची तथा डॉ. अजय तिवारी के द्वारा किया गया। अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. अजय तिवारी ने किया।

युवा अपने प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दें : प्रो. अरुण शुक्ल

स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश स्थापना दिवस मनाया

जबलपुर। स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना, प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल कॉलेज जबलपुर द्वारा 01 नवम्बर को मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे डॉ. अरुण मिश्र (सेवानिवृत्त प्राध्यापक) ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुये कहा कि मध्यप्रदेश 01 नवंबर सन 1956 में पुनर्गठन के पश्चात अस्तित्व में आया तथा आज "भारत का हृदय" के रूप में देश की प्रगति में महत्वपूर्व योगदान दे रहा है। जनजातीय कला संस्कृति, खजुराहो एवं साँची विश्वविख्यात वैभव, कृषि, विकास आधारित योजनाओं ने प्रदेश की पहचान को वैश्विक स्तर पर सशक्त किया है।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदेश की समृद्ध सभ्यता व संस्कृति को संरक्षण तथा विकास की गति में सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। देश के बीचोंबीच स्थित हमारा प्रदेश एकता, संस्कृति, परंपरा और विकास का अद्धभूत संगम है। इस अवसर पर प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय समन्वयक, स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन योजना ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के हृदय मध्यप्रदेश के स्थापना दिवस की सभी प्रदेशवासियों को आत्मिक बधाई। प्रदेश में प्रेम, शांति, सहयोग, संपन्नता, शिक्षा एवं रोजगार बढ़े ऐसी कामना की। प्रो. शुक्ल ने कहा कि युवा अपने प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दें। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा मध्यप्रदेश गान "सुख का दाता सब का साथी शुभ का यह संदेश है, माँ की गोद, पिता का आश्रय मेरा मध्यप्रदेश है" की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर लगभग 53 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विज्ञान मेले में चमकी विद्यार्थियों की प्रतिभा, विकसित भारत का दिखा दृश्य

पाटन। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर तान्या कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, पाटन में विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। एस.डी.एम. मानवेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच अपनाने का संदेश दिया, वहीं माजसेवी हरिमिलन पचौरी ने शिक्षा को सफलता का मार्ग बताया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह जिला कार्यवाह नंदकिशोर पटेल ने विकसित भारत की झलक बताते हुए कहा कि राष्ट्र उन्नति हेतु पाँच परिवर्तन आवश्यक हैं। विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत कर नवाचार का परिचय दिया, जिनमें जनकल्याण, पर्यावरण संरक्षण और 'मेक इन इंडिया' की झलक दिखाई दी। कार्यक्रम में नगर के अनेक गणमान्य नागरिक, अभिभावक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

श्री तुलसी दास लखवानी- तिलहरी निवासी श्री तुलसी दास लखवानी (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मुन्नी बाई सोनी- सिद्धबाबा वार्ड झंडा चौक निवासी श्री द्वारका प्रसाद सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई सोनी (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री ललन शाह- वैशाली परिसर नर्मदा नगर गौरीघाट रोड निवासी श्री ललन शाह (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बहादुर कोरी- अच्छे मियां का बाड़ा शीतलामाई निवासी श्री बहादुर कोरी (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री जगन्नाथ प्रसाद ओझा- गोहलपुर अमखेरा नई बस्ती नं. 2 निवासी श्री जगन्नाथ प्रसाद ओझा (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रितेश कोरी- तुलसी मोहल्ला घमापुर निवासी श्री मिठाई लाल कोरी के पुत्र श्री रितेश कोरी (35) का निधन हो गया।

अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती ओमता बाई- शारदा नगर करमेता निवासी श्री डब्बल सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती ओमता बाई (77) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मुन्नी बाई चौधरी- कांचघर निवासी श्री पिशोरी लाल चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती मुन्नी बाई चौधरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी सोनी- रामनगर गुलौआ गढ़ा निवासी श्री भगवान दास सोनी की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी सोनी (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रामकली चौधरी- वल्दी कोरी की दफाई विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री भगवान दीन चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती रामकली चौधरी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री नंदू लाल बर्मन- गौरीघाट पुरानी बस्ती निवासी श्री नन्हें लाल बर्मन के पुत्र श्री नंदू लाल बर्मन (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री धनीराम दुबे- तमरहाई चौक कोतवाली वार्ड निवासी श्री धनीराम दुबे (96) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती रामवती शुक्ला- समदड़िया ग्रीन सिटी माढ़ोताल निवासी श्री वंशमणी शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती रामवती शुक्ला (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम निवास- पुराना कंचनपुर अधारताल निवासी श्री राम निवास (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुशीला श्रीवास्तव- पंजाब बैंक कॉलोनी निवासी श्री विजय श्रीवास्तव की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला श्रीवास्तव (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री परमानंद श्रीवास- लार्डगंज कछियाना निवासी श्री परमानंद श्रीवास (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्री देव करण यादव- कृष्णा कॉलोनी भोंगा द्वार टेमर भीटा रोड निवासी श्री देव करण यादव (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री झाम सिंह सनोडिया- बराट कम्पाउंड नेपियर टाउन निवासी श्री झाम सिंह सनोडिया (97) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुशीला अगस्ती- गुप्तेश्वर निवासी श्री डीएस अगस्ती की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला अगस्ती (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 4x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 4x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 8x4 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303508294, 9407362160

नामदेव जयंती समारोह कला वीथिका में सम्पन्न हुआ

जबलपुर। नामदेव समाज विकास परिषद शाखा जबलपुर के द्वारा संत नामदेव महाराज की 755वीं जयंती के उपलक्ष्य में कला वीथिका में समारोह आयोजित किया गया। सर्वप्रथम संत नामदेव के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर पूजन अर्चन किया गया। तत्पश्चात जगतगुरु स्वामी राधावाचार्य एवं अखिलेश्वरानन्द की गरिमामयी उपस्थिति में समाज के प्रतिभाशाली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। पूज्य स्वामीद्धय ने संत शिरोमणी नामदेव जी महाराज के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भक्त अगर सच्चा है तो भगवान भी भक्त के आगे झुकते हैं। समरसता सेवा के अध्यक्ष संदीप जैन (गुड्डू भैया) उपस्थित रहे। उत्तर मध्य के विधायक अभिलाष पाण्डे ने फोन के माध्यम से अपनी शुभकानायें समाज को दी एवं शरद अग्रवाल भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अध्यक्ष अशोक नामदेव, सहित सैकड़ों की तादात में नामदेव स्वजातिय बंधु उपस्थित रहे।

भेड़ाघाट में पुण्यतिथि पर इंदिरा गांधी और सरदार पटेल को किया याद

भेड़ाघाट। भेड़ाघाट में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल एवं देश की पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने पुष्प अर्पित कर दोनों महान नेताओं को श्रद्धांजलि दी और उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नगर परिषद भेड़ाघाट के अध्यक्ष चतुर सिंह लोधी, पूर्व उपाध्यक्ष किशोर दुबे, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष दिलीप राय, वर्तमान उपाध्यक्ष जगदीश दहिया, पार्षद रमेश यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे।

सेंट नॉरबर्ट गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में मनाया मप्र का स्थापना दिवस

जबलपुर। भारत स्काउट गाइड एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में चलाए जा रहे प्रोजेक्ट क्लेप के अन्तर्गत, जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश जिला संघ जबलपुर की यूनिट सेंट नॉरबर्ट स्कूल, नेपियर टाऊन में 01/11/2025 को प्रातः सभा में मध्य प्रदेश स्थापना दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में बताया गया कि मध्य प्रदेश का महत्व इसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक और प्राकृतिक महत्व में निहित है। इसे 'भारत का हृदय' कहा जाता है क्योंकि यह देश के केंद्र में स्थित है। यहाँ समृद्ध इतिहास के साथ-साथ कई राष्ट्रीय उद्यान, यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और आध्यात्मिक महत्व के स्थान भी हैं। यह कार्यक्रम स्कूल की प्रिंसिपल सिस्टर किरण, गाइड कैप्टन रशिका द्विवेदी, प्रभा फ्रांसिस, मोनिका जॉन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्राचार्या सिस्टर किरण के द्वारा मध्य प्रदेश में पौधों के महत्व पर प्रकाश डाला गया और सभी को अपने जीवन की सबसे प्रिय हस्ती "माँ" के सम्मान में पौधारोपण करने के लिए प्रेरित किया गया। मध्यप्रदेश गान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ तथा राष्ट्रगान के साथ समापन हुआ। अंत में स्काउट और गाइड की लगभग 50 छात्राओं ने मिलकर परिसर में अशोक, आम, नीम तथा औषधीय महत्व वाले पौधों का रोपण किया। सभी ने यह संकल्प लिया कि वे इन पौधों की देखभाल करेंगे और स्वच्छ, हरित तथा प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में योगदान देंगे।

छत्तीसगढ़ को मिला लोकतंत्र का नया मंदिर: पीएम मोदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ के दौरे के दौरान राज्य स्थापना दिवस के समारोह समेत कई कार्यक्रमों में शिरकत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन और अवलोकन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज ही छत्तीसगढ़ को लोकतंत्र का नया मंदिर और नया विधानसभा भवन मिला है।

यहां आने से पहले भी मुझे आदिवासी संग्रहालय के लोकार्पण करने का अवसर मिला। इस मंच से भी लगभग 14 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2000 के बाद छत्तीसगढ़ में एक पूरी पीढ़ी बदल गई है, जिसने 2000 से पहले का दौर नहीं देखा। जब राज्य बना था, तब गांवों तक पहुंचना मुश्किल था। गांवों में सड़कें नहीं थीं। आज छत्तीसगढ़ के गांवों में सड़कों का जाल 40,000 किलोमीटर तक पहुंच गया है।

छग में अनेक योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया

अटल जी ने सौंपा था सपनों का छत्तीसगढ़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 25 साल पहले अटल जी की सरकार ने आपके सपनों का छत्तीसगढ़ आपको सौंपा था, साथ ही ये संकल्प भी लिया था कि छत्तीसगढ़ विकास की नई बुलंदी छूएगा। छत्तीसगढ़ आज विकास के पथ पर तेज़ गति से आगे बढ़ रहा है। इन विकास कार्यों के लिए आप सभी को बहुत बहुत बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री मोदी छत्तीसगढ़ राज्य के गठन होने के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित रजत जयंती महोत्सव कार्यक्रम में पहुंचे। प्रधानमंत्री ने अपने दौरे के दौरान सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकासात्मक और परिवर्तनकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

75 साल की महिला ने दुपट्टे का फंदा बनाकर लगाई फांसी

भोपाल। अयोध्या नगर थाना क्षेत्र स्थित जे सेक्टर में 75 साल की महिला ने घर की गैलरी में दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। उनके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि गत वर्ष उनके बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई थी। जिसके बाद से वह तनाव में थी। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार द्रौपती बाई पति गणेश अहिरवार (75) जे सेक्टर में रहती थी। 25 साल पूर्व पति के निधन के बाद उन्होंने दूसरी शादी गणेश अहिरवार से की थी। गणेश ई-7 अरेरा कॉलोनी में चौकीदारी करता है।

सफाई कर्मी पर बदमाशों ने किया तलवारनुमा चाकू से हमला, घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित कस्तूरबा मार्केट के पास शुक्रवार सुबह एक्टिवा से मुंह पर कपड़ा बांधकर आए बदमाशों ने सफाईकर्मी पर तलवारनुमा चाकू से हमला कर दिया। उन्हें माथे पर गंभीर चोट आई हैं। पुलिस ने अज्ञात एक्टिवा सवार बदमाशों पर मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, महेश कल्याणी पिता रामचन्द्र (42) कांजी हाउस के पीछे अन्ना नगर, गोविन्दपुरा में रहते हैं। उन्होंने बताया कि कस्तूरबा अस्पताल के सामने हबीबगंज सब्जी मंडी में झाड़ू लगाने का काम करते हैं। शुक्रवार सुबह वह बेटे को लेकर कस्तूरबा मार्केट सफाई करने गए थे। झाड़ू लगाने के बाद उन्होंने बेटे को कचरे वाले गाड़ी से पहुंचा दिया, जबकि वह बाइक से दूसरी जगह सफाई करने जाने लगे। इसी दौरान काले रंग की एक्टिवा से आए दो युवकों में पीछे बैठे युवक ने उन पर तलवारनुमा चाकू से हमला कर दिया। गनीमत रही कि तलवारनुमा चाकू उन्हें माथे में ठीक से लगा नहीं और कम चोट आई।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती कार्यक्रम

रन फॉर यूनिटी को शौर्य स्मारक से झंडी दिखाकर सीएम, प्रदेशाध्यक्ष ने किया रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शुक्रवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस पर शौर्य स्मारक में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया तथा भारत माता और सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक दौड़, देश की एकता और अखंडता के लिए रन फॉर यूनिटी को शौर्य स्मारक से झंडी दिखाकर रवाना किया।

सरदार पटेल की जयंती पर एकता दौड़ में दौड़े लाखों लोग

भोपाल। देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर पूरे देश में राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन में राज्य के सभी जिलों और थाना स्तर पर मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा एकता दौड़ का सफल और व्यापक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना रहा।पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में समस्त इकाइयों, जिला बलों, ट्रैफिक पुलिस, रेल पुलिस, साइबर पुलिस, महिला सुरक्षा इकाइयों ने अपने स्थानीय स्तर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें उत्साह और सहभागिता का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।भोपाल में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा श्रद्धांजलि एवं 'रन फॉर यूनिटी' का शुभारंभ इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री द्वारा शौर्य स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उन्होंने सरदार पटेल द्वारा देश की अखंडता एवं राष्ट्र-निर्माण में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान और बलिदानों को स्मरण किया, तत्पश्चात राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री ने उपस्थित प्रतिभागियों, गणमान्य नागरिकों और प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने राष्ट्रीय एकता दिवस की दिलाई शपथ

सरदार पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते सीएस जैन।

भोपाल। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में सुबह 10 बजे राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। इसके पूर्व सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। शपथ में सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने योगदान करने का भी संकल्प लिया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, केसी गुप्ता, संजय दुबे, संजय कुमार शुक्ल, शिवशेखर शुक्लासहित मंत्रालय, विंध्याचल,सतपुड़ा भवन और पुलिस विभाग के अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित रहे।

गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल 'थैंक्स-ए-डॉट'

इंदौर। एक ऐसा अभियान जिसने न सिर्फ महिलाओं को जागरूक किया बल्कि सम्पूर्ण देश में एक नई मिसाल कायम कर दी। 'थैंक्स-ए-डॉट' पहल के तहत कंपनी ने 1,191 'हग ऑफ लाइफ' हॉट वॉटर बैग्स से बना दुनिया का सबसे बड़ा मोज़ेक तैयार किया, जिस पर लिखा था- टेक ए ब्रेस्ट सेल्फ-एग्जाम विथ थैंक्स-ए-डॉट। इस अनोखे प्रयास ने एसबीआई लाइफ को गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल कर दिया। कार्यक्रम के दौरान एमडी एवं सीईओ, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस अमित झिंगरन, अभिनेत्री एवं स्तन कैंसर सर्वाइवर महिमा चौधरी और गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के स्वप्निल डांगरिकर मौजूद रहे। बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री महिमा चौधरी ने इस अवसर पर कहा,इस पहल से जुड़ना मेरे दिल के बहुत करीब है, क्योंकि यह शुरुआती पहचान के महत्व को बढ़ावा देती है। मैंने खुद स्तन कैंसर का सामना किया है, इसलिए मैं जानती हूं कि समय पर जांच कितनी जरूरी है और नियमित स्व-परीक्षण जीवन बदल सकता है।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

LIC HFL – LIC HOUSING FINANCE LTD

भोपाल बैक ऑफिस, 6ए–6बी, पहली मंजिल, सूरी आर्केड, गोविंद गार्डन, बिजली नगर के सामने, रायसेन रोड, गोविंदपुरा, भोपाल 462023 दूरभाष. 0755–4063007, 4063008

ई-नीलामी बिक्री नोटिस

चूंकि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एलआईसी एचएफएल) के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित उधारकर्ताओं/बंधककर्ताओ/गारंटरों को डिमांड नोटिस जारी किया है, जिसमें उनसे उक्त नोटिस में उल्लिखित बकाया राशि चुकाने का आह्वान किया गया है। तथापि, ऋणी/बंधककर्ता/गारंटर उक्त देय राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं।

अतः नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) और धारा 14 के साथ नियम 8 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सांकेतिक / भौतिक कब्जा ले लिया है। यह सूचना आम जनता को तथा विशेष रूप से ऋणी(ओं)/ गारंटर(ओं) को दी जाती है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति एलआईसी एचएफएल के पास बंधक रखी गई है, जिसका कब्जा एलआईसी एचएफएल के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा ले लिया गया है तथा इसे "जहां है जैसा है", "जो है जैसा है" तथा "जो कुछ भी है" के आधार पर तथा बिना किसी सहारा के आधार पर दिनांक **19/11/2025** को नीचे दिए गए संक्षिप्त विवरण के अनुसार बेचा जाएगा।

संपत्ति 1 श्री मनोज कनौजिया, श्रीमती अर्चना कनौजिया और श्री राजेंद्र चौहान (गारंटर) ऋण संख्या 120500009588, 120500012339 एवं 120500017409

संपत्ति का विवरण

संपत्ति का पूर्ण विवरणरू फ्लैट क्रमांक 214, द्वितीय तल, गोपाल आर्केड, गोपाल बाग परिसर, मौजा जबलपुर, एनबी 264, पटवारी हल्का नंबर 04, वृत्त–30, खसरा क्रमांक 282/1, डायवर्टेड प्लॉट क्रमांक 213, नया प्लॉट क्रमांक 213/1, शीट क्रमांक 02 का भाग,आरएनएम जबलपुर–1, डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड क्रमांक 37, जबलपुर, म.प्र.

मांग सूचना तिथि: 09.01.2025	**ACCOUNT DETAILS**
मांग राशिः रु. 28,14,570.73 + ब्याज व अन्य खर्चे सहित	
भौतिक कब्जे की तिथि (एस)– 18.03.2025	Beneficiary Name: LIC Housing Finance Ltd.
निश्चित आरक्षित मूल्य . 35,00,000/- (केवल पैंतीस लाख रुपये)	Bank: Axis Bank, Centralised Collection Hub
ईएमडी रु. 3,50,000/- (केवल तीन लाख पचास हजार रुपये)	Account No: LHBP120500009588
11.12.2025 - तक देय कुल राशि – रु. 31,01,776.73/-	IFSC Code: UTIB0CCH274
Website of E-Auction: https://www.auctionbazaar.com	auctionbazaar.com
संपत्ति दस्तावेजों की फोटोकॉपी के निरीक्षण की तिथि और समयः 02/12/2025 दोपहर 01:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक	नीलामी की तिथि एवं समय अवधिः 11/12/2025 दोपहर 1:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक संपत्ति का पता जहां दस्तावेजों का निरीक्षण किया जा सकता हैः एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 18, सिविक सेंटर, खंडेलवाल कॉम्प्लेक्स, प्रभु वंदना टॉकीज के सामने, मरहाताल, जबलपुर 482001 (म.प्र.)
संपत्ति का निरीक्षण	05/12/2025 दोपहर 03:00 बजे से 05:00 बजे तक
संपर्क व्यक्तिः पवन निगम	संपर्क विवरण : 8349973965
सेवा प्रदाता से ई–नीलामी का संपर्क विवरण	ARCA EMART PVT LTD (www.auctionbazaar.com) 6–3–1090/1/1, दूसरी मंजिल, भाग बी, उमा हैदराबाद हाउस राजभवन रोड, सोमाजीगुडा, हैदराबाद – 500082, तेलंगाना, भारत, Email: contact@auctionbazaar.com/, disposal.central@auctionbazaar.com & 7799830999 / 8370969696
ऑनलाइन निविदा / बोली जमा करने की अंतिम तिथि	10/12/2025 और शाम 5:00 बजे से पहले
ई–नीलामी तिथि	11/12/2025 दोपहर 1:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक

संपत्ति 2 श्री पंकज सिंह राजपूत ऋण संख्या – 120500012968

संपत्ति का विवरण

संपत्ति का पूरा विवरणरू नगर निगम मकान संख्या पुराना 377 नया 348, सुभाष बनर्जी वार्ड संख्या 65, सिविल स्टेशन ब्लॉक संख्या 21, प्लॉट संख्या 07, नया क्रमांक 7/10/KA, जबलपुर, मध्य प्रदेश 482001

मांग सूचना तिथि: 19.11.2024	**ACCOUNT DETAILS**
मांग राशिः रु. 8,94,000.49 + ब्याज व अन्य खर्चे सहित	
भौतिक कब्जे की तिथि (पी)– 23.01.2025	Beneficiary Name: LIC Housing Finance Ltd.
निश्चित आरक्षित मूल्य - 18,00,000 /– (अठारह लाख रुपये)	Bank: Axis Bank, Centralised Collection Hub
ईएमडी रु. 1,80,000 /- (एक लाख अस्सी हजार रुपये)	Account No: LHBP120500012968
11.12.2025 - तक देय कुल राशि – रु. 9,99,193.77/-	IFSC Code: UTIB0CCH274
Website of E-Auction: https://www.auctionbazaar.com	auctionbazaar.com
संपत्ति दस्तावेजों की फोटोकॉपी के निरीक्षण की तिथि और समयः 1/12/2025 दोपहर 01:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक	नीलामी की तिथि एवं समय अवधिः 11/12/2025 दोपहर 1:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक संपत्ति का पता जहां दस्तावेजों का निरीक्षण किया जा सकता हैः एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 18, सिविक सेंटर, खंडेलवाल कॉम्प्लेक्स, प्रभु वंदना टॉकीज के सामने, मरहाताल, जबलपुर 482001 (म.प्र.)
संपत्ति का निरीक्षण	05.12.2025 दोपहर 1:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक
संपर्क व्यक्तिः पवन निगम	संपर्क विवरण : 8349973965
सेवा प्रदाता से ई–नीलामी का संपर्क विवरण	ARCA EMART PVT LTD (www.auctionbazaar.com) 6–3–1090/1/1, दूसरी मंजिल, भाग बी, उमा हैदराबाद हाउस राजभवन रोड, सोमाजीगुडा, हैदराबाद – 500082, तेलंगाना, भारत, Email: contact@auctionbazaar.com/, disposal.central@auctionbazaar.com & 7799830999 / 8370969696
ऑनलाइन निविदा / बोली जमा करने की अंतिम तिथि	10/12/2025 और शाम 5:00 बजे से पहले
ई–नीलामी तिथि	11/12/2025 दोपहर 1:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक

संपत्ति 3 श्री मुकेश कुमार बिरहा (आवेदक), श्रीमती रमा बिरहा (सह–आवेदक) और श्री विनोद (गारंटर) ऋण संख्या – 120500018808

संपत्ति का विवरण

संपत्ति का पूरा विवरणरू प्लॉट नंबर 48, बालाजी प्रीमियम, मौजा सूरतलाई, खसरा नंबर 83/1 का हिस्सा, पटवारी हल्का नंबर 75, कटंगी रोड, जबलपुर, 482007, म.प्र.

मांग सूचना तिथि: 27.11.2024	**ACCOUNT DETAILS**
मांग राशिः रु. 16,78,474.35 + ब्याज व अन्य खर्चे सहित	
भौतिक कब्जे की तिथि (पी)– 04.07.2025	Beneficiary Name: LIC Housing Finance Ltd.
निश्चित आरक्षित मूल्य -16,15,000 (सोलह लाख पंद्रह हजार रुपये मात्र)	Bank: Axis Bank, Centralised Collection Hub
ईएमडी रु. 1,61,500 (एक लाख इकसठ हजार पांच सौ रुपये)	Account No: LHBP120500018808
11.12.2025 - तक देय कुल राशि – रु. 19,03,398.97 /-	IFSC Code: UTIB0CCH274
Website of E-Auction: https://www.auctionbazaar.com	auctionbazaar.com
संपत्ति दस्तावेजों की फोटोकॉपी के निरीक्षण की तिथि और समयः 29.11.2025 दोपहर 01:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक	नीलामी की तिथि एवं समय अवधिः 19/11/2025 दोपहर 12:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक संपत्ति का पता जहां दस्तावेजों का निरीक्षण किया जा सकता हैः एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड 18, सिविक सेंटर, खंडेलवाल कॉम्प्लेक्स, प्रभु वंदना टॉकीज के सामने, मरहाताल, जबलपुर 482001 (म.प्र.)
संपत्ति का निरीक्षण	05.12.2025 दोपहर 03:00 बजे से 05:00 बजे तक
संपर्क व्यक्तिः पवन निगम	संपर्क विवरण : 8349973965
सेवा प्रदाता से ई–नीलामी का संपर्क विवरण	ARCA EMART PVT LTD (www.auctionbazaar.com) 6–3–1090/1/1, दूसरी मंजिल, भाग बी, उमा हैदराबाद हाउस राजभवन रोड, सोमाजीगुडा, हैदराबाद – 500082, तेलंगाना, भारत, Email: contact@auctionbazaar.com/, disposal.central@auctionbazaar.com & 7799830999 / 8370969696
ऑनलाइन निविदा / बोली जमा करने की अंतिम तिथि	10/12/2025 और शाम 5:00 बजे से पहले
ई–नीलामी तिथि	11/12/2025 दोपहर 1:00 बजे से शाम 3:00 बजे तक

'नीलामी के अन्य सभी नियम व शर्तें आधिकारिक वेबसाइट https://online.lichousing.com/eauction/ पर अनुलग्नक 2 के रूप में उल्लिखित हैं।

दिनांक : 02.11.2025
स्थान : जबलपुर

आज्ञा से
प्राधिकृत अधिकारी
एलआईसी हाऊसिंग फायनेंस लि.

राज्यरानी सहित सात ट्रेनों को भोपाल से आरकेएमपी पर शिफ्ट करने की योजना

निशातपुरा स्टेशन कब खुलेगा तय नहीं: अधिकारी बोले दो ट्रेनों के हाल्ट तय, सौगात जल्द मिलने की उम्मीद

भोपाल में रेलवे और सांसदों की पिछली बैठक के अधिकांश प्रस्ताव अभी भी पूरे नहीं हो सके

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

निशातपुरा स्टेशन कब खुलेगा यह अभी तय नहीं है। रेलवे अधिकारी बोले बोर्ड ने मालवा एक्सप्रेस सहित दो ट्रेनों के हल्ट को हरी झांडी दे दी है। उम्मीद है की जल्द ही जल्द निशातपुरा रेलवे स्टेशन से रेल यातायात शुरू हो सकता है। यह बात पमरे जोन के वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को पमरे के अंतर्गत आने वाले लोकसभा क्षेत्रों के सांसदों और महाप्रबंधक व डीआरएम के साथ एक निजी होटल में बैठक में कही। इस बैठक में रेलवे की ओर से भोपाल रेल मंडल क्षेत्र में आने वाले 12 सांसदों को बुलाया था। लेकिन सिर्फ चार सांसद ही पहुंचे।

निशातपुरा स्टेशन जल्द शुरू हो,हमारी पूरी कोशिश है

पश्चिम मध्य रेलवे की जीएम शोभना बांदोपाध्याय बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि निशातपुरा स्टेशन पर रेल यातायात जल्द शुरू हो सके, इसको लेकर प्रयास किए जा रहे है। बोर्ड को प्रस्ताव भेजा गया था। इस पर बोर्ड ने दो ट्रेनों के हाल्ट टाइम भी तय कर दिया है। उन्होंने बताया कि निशातपुरा स्टेशन तैयारी है, पश्चिम रेलवे की जो गाड़ी आती है, उनको ऑपरेशन देना आवश्यक है। जीएम मैडम ने कहा कि राज्य रानी एक्सप्रेस को आरकेएमपी पर हाल्ट देने का प्रस्ताव आया है। लेकिन यह ऐसे संभव नहीं हो सकता है। इसके लिए रेलवे बोर्ड के द्वारा तय किया जाता है। एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन पर ट्रेनों को शिफ्ट करने के दौरान रेलवे को यह देखना होता है। इस बीच कितनी ट्रेनें प्रभावित होगी। रेल यातायात पर क्या असर पड़ेगा। शिफ्ट की गई ट्रेन का मेंटेनेंस कैसे हो सकेगा।

21 लाख वोटर्स के लिए छपेंगे 44 लाख गणना पत्रक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

चार नवंबर से 4 दिसंबर तक गणना पत्रक भरने का काम चलेगा, जिसके लिए निर्वाचन आयोग ने भोपाल के 21 लाख 25 हजार 683 मतदाताओं को फार्म दिए जाएंगे। जिसमें मतदाता का फोटो पहले से प्रिंटेड होगा। बीएलओ एक फार्म देने के साथ एक पर पावती लेगा। जिसका रिकार्ड उसे बीएलओ एप पर भी अपलोड करना पड़ेगा। इधर आयोग ने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को एसआईआर के लिए पहले से वर्ष-2003 की वोटर लिस्ट के मृतक और शिफ्टेड मतदाताओं की जानकारी जुटाने की हिदायत दी थी, लेकिन भोपाल के बीएलओ यह जानकारी नहीं जुटा पाए, जिससे एसआईआर के काम में दिक्कत हो सकती है।

पुरानी वोटर लिस्ट में नाम खोजना टेढ़ी खीर

आयोग ने वर्तमान वोटर लिस्ट के लिए अपनी वेबसाइट पर सर्च इंजन दिया है, जिससे मतदाता अपने वोटर कार्ड का इपिक नंबर डालकर मतदान केंद्र और विधानसभा का पता लगा सकता है। लेकिन वर्ष-2003 की वोटर लिस्ट में सर्च इंजन नहीं है, जिससे मतदाता और बीएलओ को एक-एक नाम तलाश करने में दिक्कत होगी। दरअसल पिछले 22 साल में मतदाताओं की विधानसभा के साथ मतदान केंद्र भी मिल गए हैं। ऐसे मतदाता जिनका नाम वर्ष-2003 के बाद वोटर लिस्ट में जुड़ा है, उन्हें अपने पिता, दादा, ताऊ और चाचा का नाम सर्च करना पड़ेगा। जिसमें विधानसभा, मतदान केंद्र, नाम और मतदाता क्रमांक गणना पत्रक में दर्ज करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और सर्वांगीण विकास की कामना की। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक लोकसंस्कृति के अनुरूप पूजा-अर्चना कर राज्य की धरोहर, संस्कृति, मातृशक्ति और स्वाभिमान की प्रतीक छत्तीसगढ़ महतारी को नमन किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी हमारी अस्मिता, आस्था और गर्व का प्रतीक हैं।

कार्यालय वन मंडल अधिकारी, सामान्य वनमंडल कटनी

मो. 9424792725, Email: dfotkatn@mp.gov.in महाराणा प्रताप वार्ड, राष्ट्रीय राजमार्ग क्र.- 7, जबलपुर रोड, झिंझरी कटनी (म.प्र.) 483501

निर्माण कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना ई - निविदा विज्ञप्ति

कटनी वनमंडल के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में (भवन निर्माण) लाईन क्वाटर निर्माण कार्य हेतु प्रदायकताओं से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दस्तावेज मध्य प्रदेश के www.mptenders.gov.in में प्रकाशन दिनॉक से दिनॉक 06.11.2025 को सायं 05.00 बजे तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है।

S.N.	Stage	Start		Expiry	
		Date	Time	Date	Time
1	Publishing Date	31-10-2025	10.00 AM	-	-
2	Doccuments Download / Sale Start date	31-10-2025	10.00 AM	-	-
3	Seek Clarification Start Date	-	-	-	-
4	Seek Clarification End Date	-	-	-	-
5	Pre Bid Meeting Date	-	-	-	-
6	Bid Submission Start Date	31-10-2025	10.00 AM	-	-
7	Bid Submission Closing Date	-	-	06-11-2025	05.00 PM
8	Bid Opening Date(Technical)	07-11-2025	05.00 AM	-	-

(गौरव शर्मा) भा.व.से.
वन मंडल अधिकारी सामान्य वनमंडल कटनी

G-20830/25 "स्वच्छता ही सेवा"

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कटनी

E.Mail- eereskatni@gmail.com, eeresatn@mp.gov.in
Ph. 07622-220252

पत्र क्रमांक 2034/तक./ग्रायासे./2025 **संक्षिप्त निविदा आमंत्रण क्रमांक 20/2025** कटनी दिनांक 29.10.2025

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कटनी के निम्नांकित निर्माण कार्यो हेतु केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन व्यवस्था अंतर्गत सिविल श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रतिशत दर पर दो लिफाफा पद्धति से ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा संसोधित प्रपत्र एपेन्डिक्स 2.10 अनुसार अद्यतन संसोधन निर्धारित तिथि (Key Date) अनुसार तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा जारी एस.ओ.आर दिनांक 11.04.2022 से प्रभावशील दर अनुसूची (निविदा विज्ञाप्ति जारी होने की दिनांक तक संसोधित) आंतरिक वाटर सप्लाई एवं सेनेटरी फिटिंग ! ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। आंबित निविदा शासन के पोर्टल http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकती है निविदा में संसोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संसोधन देखा जा सकेगा। विवरण निम्नानुसार हैं-

क्र.	सिस्टम टेंडर न.	कार्य का नाम	विकासखंड का नाम	निविदा लागत (पी.ए.सी.)	अमानत राशि	निविदा का प्रपत्र राशि.	समयावधि वर्षाकाल सहीत	ठेकेदार की श्रेणी (लोक निर्माण विभाग केन्द्रीय नवीन पंजीकरण व्यवस्था के अंतर्गत)	आंमत्रण का क्र.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	2025_RES_457024	मरम्मत/सुदृढीकरण कार्य सीनीयर आदिवासी बालक छात्रावास कटरिया	ढीमरखेडा	1249147.00	24983.00	2000/-	120 दिवस	लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीय नवीन पंजीकरण व्यवस्था के अंतर्गत	प्रथम काल
2	2025_RES_457006	मरम्मत/सुदृढीकरण कार्य आदिवासी छात्रावास बालक आश्रम जालासुर	रीठी	1249147.00	24983.00	2000/-	120 दिवस	लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीय नवीन पंजीकरण व्यवस्था के अंतर्गत	प्रथम काल
3	2025_RES_457032	मरम्मत /सुदृढीकरण कार्य सीनीयर आदिवासी कन्या छात्रावास घुघरा	रीठी	1163250.00	23265.00	2000/-	120 दिवस	लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीय नवीन पंजीकरण व्यवस्था के अंतर्गत	प्रथम काल
4	2025_RES_457034	मरम्मत /सुदृढीकरण कार्य सीनीयर आदिवासी बालक छात्रावास विलायकतकला	बडवारा	271198.00	5424.00	2000/-	90 दिवस	लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीय नवीन पंजीकरण व्यवस्था के अंतर्गत	प्रथम काल

निविदा संबंधी तिथिया (Key Date) :-

1. Publishing Date 07.11.2025 (10-30 AM)
2. Document Download / Sale Start Date 07.11.2025 (10-30 AM)
3. Bid Submission Start Date 07.11.2025 (05-30 PM)
4. Bid Submission Closing Date 13.11.2025 (17-30AM)
5. Bid open 17.11.2025 (10-30 AM)

नोट:- Envelope-A-

1. केन्द्रीय नवीन पंजीकरण व्यवस्था के अंतर्गत 2- जी. एस. टी. प्रमाण पत्र की छायाप्रति 3- पेन कार्ड की छायाप्रति 4- शपथ पत्र 5 परिशिष्ट ल 6. अमानत राशि की जामा रसीद समस्त दस्तावेज स्वप्रमाणित अपलोड करना होगा।

कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कटनी

G-20788/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

आखिरकार दस माह से निरंतर जारी कटुता से परिपूर्ण व्यापारिक और कूटनीतिक कशमकश के पश्चात अमेरिका और चीन एक व्यापारिक समझौते पर पहुंच ही गए हैं। अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति चिनफिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है। अमेरिका अब चीन में निर्मित वस्तुओं से टैरिफ को घटा दिया है। अब अमेरिका द्वारा फेंटानिल टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। इस समझौते के मुताबिक चीन अब अमेरिका से बड़ी मात्रा में सोयाबीन का आयात करने के लिए भी तैयार हो गया है। चीन के साथ रेयर मिनरल सप्लाई के व्यापार मुद्दे को भी सुलझा लिया गया है। विश्व में अमेरिका एवं चीन क्रमशः प्रथम व द्वितीय शक्तिशाली देश हैं। संभवतः यह एक अद्वितीय कूटनीति है, जो या तो सार्वजनिक स्तर पर अब तक समझी नहीं जा सकी है अथवा चीन, भारत व रूस के कर्ताधर्ता इसे भलीभांति समझकर समय-समय पर विभिन्न स्वरूपों में उत्पन्न होने वाली अपनी-अपनी कूटनीतिक भूमिकाएं निभा रहे हैं। अब इंतजार भारत और अमेरिका के बीच होने वाले व्यापार समझौते का है। ये कैसा होगा इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

अमेरिका-चीन का ट्रेड सीजफायर

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

विगत दस महीनों से व्यापारिक प्रतिशोध की भावना से ओतप्रोत होकर चीन और अमेरिका एक-दूसरे पर एक से बढ़कर एक टैरिफ आयाद करते चले गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और चीन राष्ट्रपति चिनफिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है। ट्रंप ने फरमाया कि अमेरिका अब चीन में निर्मित उन वस्तुओं पर आयद किए गए टैरिफ को घटा देगा, जिन्हे अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध के दौरान किया गया था। ताकतवर देशों की अंतहीन लालची हवस ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है।

प्रेसिडेंट ट्रंप के दूसरी दफा अमेरिकन राष्ट्रपति पद पर आसीन हो जाने के तत्पश्चात, फरवरी 2025 से अमेरिका और चीन के मध्य टैरिफ के विकराल सवाल पर संघर्षपूर्ण कूटनीतिक और व्यापारिक तनाव देखा गया है। विगत दस महीनों से व्यापारिक प्रतिशोध की भावना से ओतप्रोत होकर चीन और अमेरिका एक-दूसरे पर एक से बढ़कर एक टैरिफ आयाद करते चले गए। महत्वपूर्ण खनिज संपदा, जिनको रेयर मिनरल भी कहा जाता है, सेमीकंडक्टर्स, जिन्हें आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग की रीढ़ करार दिया जाता है, सोयाबीन आदि अनेक वस्तुओं के आयात-निर्यात के जटिल प्रश्नों पर अमेरिका और चीन के मध्य जबरदस्त व्यापारिक और कूटनीतिक तनाव का निरंतर दीदार होता रहा। आखिरकार विगत दस माह से निरंतर जारी कटुता से परिपूर्ण व्यापारिक और कूटनीतिक कशमकश के पश्चात अमेरिका और चीन एक व्यापारिक समझौते तक आखिरकार पहुंच ही गए हैं। अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप और चीन राष्ट्रपति जिनपिंग के मध्य दक्षिण कोरिया में संपन्न हुई कूटनीतिक वार्ता का परिणाम अब दुनिया के सामने आ चुका है।

डोनाल्ड ट्रंप का यू-टर्न

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फरमाया कि अमेरिका अब चीन में निर्मित उन वस्तुओं पर आयद किए गए टैरिफ को घटा देगा, जिन्हे अमेरिका द्वारा टैरिफ युद्ध के दौरान आयद किया गया था। अब अमेरिका द्वारा फेंटानिल टैरिफ को 20 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी फरमाया है कि व्यापारिक समझौते के मुताबिक चीन अब अमेरिका से बड़ी मात्रा में सोयाबीन का आयात करने के लिए भी तैयार हो गया है। चीन के साथ रेयर मिनरल सप्लाई के व्यापार मुद्दे को भी सुलझा लिया गया है। गौरतलब है कि मनमाने तौर पर टैरिफ आयाद करने में प्रेसिडेंट ट्रंप ने दोस्त और दुश्मन दोनों तरह के मुल्कों को कदाचित नहीं बख्शा। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अपने पहले कार्यकाल में भी चीन के विरुद्ध ट्रेड वार का आगाज अंजाम दिया गया था। डोनाल्ड ट्रंप का नजरिया रहा कि चीन अनुचित तौर पर व्यापारिक नीतियां अख्तियार करता है। फरवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के ऊपर 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ आयाद करने का ऐलान किया था। इसके प्रतिउत्तर में चीन ने अमेरिका के विरुद्ध 20 प्रतिशत टैरिफ आयद कर दिया था। अमेरिका के लिबरेशन डे ऐतिहासिक अवसर पर डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर 34 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की बाकायदा धमकी दी थी।

टैरिफ से सप्लाई चेन टूटी

चीन और अमेरिका के मध्य जारी टैरिफ युद्ध के कारण मैन्युफैक्चरर्स और ट्रेडर्स दोनों ही विकट संकट में आ गये। चीन के गोदामों में मैन्युफैक्चर्ड माल का विशाल अंबार लग गया। अमेरिकन कम्पनियां बेहद हताश निराश होकर घबरा उठीं। जटिल प्रश्न उठा खड़ा हुआ कि आखिरकार मैन्युफैक्चरर्स और ट्रेडर्स रातों-रात अपने निर्मित माल की सप्लाई चेन बरकरार रखने के लिए एकदम नया विकल्प किस तरह से ढूंढ निकाल सकते हैं। प्रेसिडेंट ट्रंप द्वारा प्रारंभ किए गए वैश्विक टैरिफ युद्ध के दौरान ही अमेरिकन प्रशासन द्वारा ट्रांसशिपमेंट पर भी प्रबल निशाना साधा गया, ताक चीन में निर्मित सामान को वियतनाम, कंबोडिया, लाओस आदि साम्यवादी देशों के माध्यम से अमेरिका को कदाचित भेजा नहीं जा सके। अमेरिका द्वारा प्रारंभ किए गए टैरिफ युद्ध के दौरान चीन एक कदम भी पीछे नहीं हटा।

एग्रीकल्चर प्रोडक्ट पर निशाना

चीन द्वारा अमेरिका के एग्रीकल्चर सेक्टर को प्रबल निशाना बनाया गया। सोयाबीन जैसे एग्रीकल्चर प्रोडक्ट पर अत्यधिक टैरिफ आयद कर दिया गया। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल और वालमार्ट आदि अमेरिकन कंपनियों को चीन के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से पृथक करने की जबरदस्त कोशिशें अंजाम दी, किंतु बड़ी अमेरिकन कंपनियों को अनेक रियायतें प्रदान कर देने के कारण, डोनाल्ड ट्रंप की चीन के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का बायकॉट करने की पॉलिसी बेहद कमजोर होकर नाकाम सिद्ध हो गई। कूटनीतिक तौर पर चीन द्वारा अनेक दफा दोहराया गया कि वह अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तत्पर है। किंतु प्रबल आत्मविश्वास से परिपूर्ण चीन हुकूमत ने बाकायदा ऐलान किया कि टैरिफ युद्ध में चीन एक कदम भी पीछे नहीं हटेगा। चीन द्वारा रेयर मिनरल्स का निर्यात अमेरिका को तत्काल रोक देने की उद्घोषणा ने अमेरिका को हतप्रभ करके रख दिया। उल्लेखनीय है कि चीन के रेयर मिनरल्स पर अमेरिकन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की निर्भरता सर्वाधिक बनी रही है। उल्लेखनीय है कि चीन में ही 70 प्रतिशत रेयर मिनरल्स का उत्पादन किया जाता है। चीन द्वारा अमेरिका को सप्लाई किए जाने वाले रेयर मिनरल्स की उपयोगिता स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों और आधुनिकतम उद्योगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।

कोल्ड वॉर का नया दौर शुरू

चीन के इस कठोर कदम के बाद अमेरिका द्वारा ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया और जापान आदि देशों के साथ अनेक समझौते अंजाम दिए गए हैं, ताकि चीन के अतिरिक्त भी अनेक देशों के मिनरल स्रोतों से अमेरिका के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को रेयर मिनरल्स निरंतर हासिल होते रह सकें। वैश्विक कूटनीति के अनेक प्रमुख जानकारों का विचार है कि अमेरिका और चीन दो मुख्तलिफ ध्रुवों पर खड़े हुए बुनियादी तौर पर धुर विरोधी चरित्रों के मुल्क हैं। विश्व पटल पर अघोषित तौर पर कोल्ड वॉर का दौर एक दफा फिर से शुरू हो चुका है। अघोषित कोल्ड वॉर में एक तरफ रूस, चीन, ईरान, उत्तरी कोरिया, वेनेजुएला, क्यूबा, दक्षिण अफ्रीका आदि अनेक देश हैं। दूसरी तरफ अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन के यूरोपीय राष्ट्र हैं।

अतः अमेरिका और चीन के मध्य कोई भी समझौता स्थाई आकार कदाचित ले ही नहीं सकता। यह वस्तुतः एक अस्थाई संतुलनकारी व्यापारिक समझौता है। दोनों देश पहले से ही अगले व्यापारिक युद्ध की तैयारी में बाकायदा जुटे हुए हैं। विश्व पटल पर नव साम्राज्यवाद निरंतर जीवित बना रहा है। यह भी एक कटु सत्य है कि विश्व पटल पर अनेक बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएं कायम हैं, जिनमें भारत की अर्थव्यवस्था भी शामिल हैं। प्रायः सभी देशों की अर्थव्यवस्थाएं परस्पर व्यापारिक टकरावों से थक चुकी हैं। अतः सारी दुनिया को लूट लेने की विनाशकारी हवस भी कायम बनी रही है। ताकतवर देशों की अंतहीन लालची हवस ने दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। यदि तीसरा विश्व युद्ध घटित हुआ तो ना विजयी होने वाला देश बचेगा ना पराजित होने वाला देश बचेगा।

शांति की दस्तक या नए शीतयुद्ध की शुरुआत

ट्रंप-शी मुलाकात
प्रो. आरके जैन
स्वतंत्र पत्रकार

वैश्विक मंच पर दो महाशक्तियों, अमेरिका और चीन, के बीच तनाव की गूंज अब हर अर्थव्यवस्था, हर बाजार और हर कूटनीतिक गलियारे तक पहुंच चुकी है। यह तनाव कोई साधारण विवाद नहीं, बल्कि एक ऐसी रणनीतिक जंग है, जो वैश्विक व्यापार, तकनीक और भू-राजनीति की धुरी को हिला सकती है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की एशियाई यात्रा, जो 26 अक्टूबर को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर से शुरू हुई, केवल एक औपचारिक दौरा नहीं है। यह एक शतरंज की बिसात है, जहां टैरिफ की धमकियां, दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के प्रतिबंध और ताइवान जैसे संवेदनशील मुद्दे चालों का हिस्सा हैं। इस यात्रा का चरम बिंदु है ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंगकी छह साल बाद पहली आमने-सामने मुलाकात, जो 30 अक्टूबर को दक्षिण कोरिया के ग्योंगजू में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान हुई। यह मुलाकात न केवल अमेरिका-चीन संबंधों को नया आकार देगी, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं, शेयर बाजारों और भू-राजनीतिक संतुलन को भी प्रभावित करेगी। सवाल हर किसी के मन में है-क्या यह मुलाकात ट्रेड वॉर की आग को ठंडा करेगी, या इसे और भड़काएगी? ट्रंप का यह पांच दिवसीय मिशन आसियान शिखर सम्मेलन से शुरू होकर जापान और दक्षिण कोरिया तक फैला है। ट्रंप का का लक्ष्य नए व्यापार समझौते करना है, ऐसे समझौते जो अमेरिकी कंपनियों को एशियाई बाजारों में गहरी पैठ दें और टैरिफ से राजस्व की धारा को मजबूत करें। कुआलालंपुर में ट्रंप ने आसियान नेताओं के साथ वार्ता शुरू की, जहां उन्होंने क्षेत्रीय व्यापार साझेदारी को बढ़ाने का वादा किया। लेकिन सबकी नजरें जापान पर टिकी हैं, जहां वे नई प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची से मिलकर अमेरिकी उद्योगों विशेषकर ऑटोमोबाइल और प्रौद्योगिकी में निवेश की प्रतिबद्धताएं हासिल करने की कोशिश करेंगे। जापान, जो ट्रंप के पहले कार्यकाल में व्यापार घाटे के दबाव में रहा, अब सतर्क कदम उठा रहा है। दक्षिण कोरिया में, जहां 31 अक्टूबर से 1 नवंबर तक एपेक सम्मेलन होगा, ट्रंप का एजेंडा और भी महत्वाकांक्षी है। वे कोरियाई नेताओं के साथ ऑटोमोबाइल पर 25% टैरिफ में राहत जैसे द्विपक्षीय समझौते पक्के करने की कोशिश करेंगे, साथ ही शी चिनफिंग के साथ एक 'लंबी और महत्वपूर्ण' बैठक एजेंडे में हैं। इस यात्रा का असली दांव अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर है, जो 2018 से सुलग रहा है और ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में फिर लपटें उठा रहा है। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब टैरिफ की लड़ाई से आगे बढ़कर तकनीकी और रणनीतिक वर्चस्व की जंग में उलझी हैं। ट्रंप ने हाल ही में चीनी सामानों पर 100% तक टैरिफ की धमकी दी थी, जिसके जवाब में चीन ने दुर्लभ पृथ्वी खनिजों (रेयर अर्थ) जैसे नियोडिमियम और डिस्प्रोसियम पर निर्यात प्रतिबंध कड़े कर दिए। ये खनिज सेमीकंडक्टर, स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन और हथियार प्रणालियों के लिए अपरिहार्य हैं, और अमेरिका इनका 80% से ज्यादा चीन से आयात करता है। विशेषज्ञ इसे शी का 'पावर प्ले' मानते हैं, जो वार्ता की मेज पर उनकी स्थिति को मजबूत करता है। लेकिन इस मुलाकात में उद्देश्य आधे रास्ते तय कर चुके हैं। ट्रंप के प्राथमिक लक्ष्य हैं, रेयर अर्थ निर्यात पर राहत, फेंटेनिल तस्करी पर चीनी कार्रवाई और अमेरिकी सोयाबीन खरीद की बहाली, जो मिडवेस्ट के किसानों के लिए संजीवनी है। 2018-19 के ट्रेड वॉर में अमेरिकी किसानों को 28 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था, और अब चीन की सोयाबीन खरीद रोकने की रणनीति ट्रंप के ग्रामीण वोट बैंक को सीधे निशाना बना रही है। ट्रंप इसे 'फैंटास्टिक डील' बनाने की बात कहते हैं, जिसमें चरण एक समझौते का पालन, टैरिफ में स्थिरता और अमेरिकी फर्मों को चीनी बाजार में ज्यादा पहुंच शामिल है। शी चिनफिंग की रणनीति गहरी और धैर्यपूर्ण है। ट्रंप के पहले कार्यकाल से सबक लेते हुए, वे टैरिफ के झटके सहने को तैयार हैं। इसका कारण यह है कि अमेरिका अब चीन के निर्यात बाजार का सिर्फ चौथा हिस्सा है, और सोयाबीन जैसे संसाधनों के लिए चीन ने ब्राजील जैसे विकल्प तलाश लिए हैं। लेकिन शी घरेलू चुनौतियों से जूझ रहे हैं, 17% से ज्यादा युवा बेरोजगारी, एवरग्रैंड जैसे रियल एस्टेट संकट, और 100 ट्रिलियन युआन का स्थानीय सरकारी कर्ज, जो चीन की 5% विकास दर को धीमा कर रहे हैं। दोनों की यह मुलाकात शांति का क्षण लाएगी, या तनाव का नया अध्याय खोलेगी? यह सवाल न केवल वाशिंगटन और बीजिंग, बल्कि टोक्यो, सियोल और वैश्विक कॉरपोरेट बोर्डरूम्स में गूंज रहा है।

इस यात्रा का असली दांव अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर है, जो 2018 से सुलग रहा है। दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अब टैरिफ की लड़ाई से आगे बढ़कर तकनीकी और रणनीतिक वर्चस्व की जंग में उलझी हैं।

ट्रंप-चिनफिंग की भेंटवार्ता के क्या हैं मायने

कूटनीति
विकेश कुमार बडोला
स्वतंत्र पत्रकार

वैश्विक राजनीति एवं कूटनीति में उलझन से नेताओं, मीडिया तथा गुप्तचर अभिकरणों को तो आनंद प्राप्त होता होगा, किंतु देशों के सामान्य नागरिकों के लिए यह दुखदायी आत्मघाती होता है। इन दिनों ऐसी ही उलझन का प्रतिनिधित्व करते हुए दिखाई दे रहे हैं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग। दोनों राष्ट्र प्रमुखों ने पूरे छह वर्ष के उपरांत दक्षिण कोरिया के बुसान विमानस्थल पर भेंट की तथा 100 मिनट तक पारस्परिक वार्ता की। पारस्परिक वार्ता को अपने-अपने देशों के लाभ हेतु निर्धारित करने के लिए दोनों नेता उदार हावभाव व विनम्र आचरण से युक्त दिखाई दिए। यह अत्यंत विचित्र एवं समझ रहित है कि जहां आठ माह से दोनों देश पारस्परिक शुल्क-युद्ध में उलझे हुए थे तथा एक-दूसरे के व्यापारिक विश्वासघात के कारण विश्व में नए-नए परस्पर विरोधी गुट खड़े कर थे, वहां अब एक ही भेंटवार्ता के बाद दोनों अमेरिका व चीन का वाणिज्यिक भविष्य सुधारने के संकल्प ले रहे हैं। ट्रंप-चिनफिंग की भेंट के बाद जहां अमेरिका ने चीनी फेंटानाइल के आयात पर शुल्क का मूल्य 20 से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है, वहां चीन ने भी अमेरिका से आयात होने वाले सोयाबीन पर लगा प्रतिबंध हटा दिया है। चीन पुनः अमेरिका से सोयाबीन क्रय करेगा। ट्रंप की घोषणा के अनुसार चीन से आयात होने वाली वस्तुओं पर शुल्क 57 से घटकर 47 प्रतिशत कर दिया गया है। दोनों नेताओं ने अनेक विषयों पर वार्ता की, किंतु चीनी सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन टिकटोक व ताइवान देश के संबंध में उनके मध्य कोई वार्ता नहीं हुई। ट्रंप अपने परिवर्तित स्वभाव के अनुसार चीनी राष्ट्रपति की प्रशंसा करते हुए उन्हें कठोर वार्ताकार बताने से नहीं चूके। जबकि चिनफिंग ने एक संतुलित वक्तव्य दिया। उनके अनुसार अमेरिका व चीन को किसी भी वैश्विक षड्यंत्र में फंसने से बचना चाहिए तथा विश्व के कल्याण को केंद्र में रखकर व्यापारिक दिशा निर्धारित करनी चाहिए। दुनिया अमेरिका की राजनीति से कितनी ही विचलित क्यों न होती रहे या फिर चीनी तकनीक पर आधारित चीन के व्यापार से कितनी ही प्रतिस्पर्द्धी समस्यायें क्यों न झेलती रहे, यह सत्य कम से कम आने वाले दस-बीस वर्षों तक परिवर्तित नहीं हो सकता है कि विश्व में अमेरिका एवं चीन क्रमशः प्रथम व द्वितीय शक्तिशाली देश हैं। संभवतः यह एक अद्वितीय कूटनीति है, जो या तो सार्वजनिक स्तर पर अब तक समझी नहीं जा सकी है अथवा चीन, भारत व रूस के कर्ताधर्ता इसे भलीभांति समझकर समय-समय पर विभिन्न स्वरूपों में उत्पन्न होनेवाली अपनी-अपनी कूटनीतिक भूमिकायें निभा रहे हैं।

दोनों नेताओं ने अनेक विषयों पर वार्ता की, किंतु चीनी सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन टिकटोक व ताइवान देश के संबंध में उनके मध्य कोई वार्ता नहीं हुई।

अमेरिका से चीन निर्यात

12 लाख करोड़ ट्रेड

- एयरोस्पेस उत्पाद और पुर्जे
- मूलभूत रसायन
- कोयला और पेट्रोलियम गैस
- संचार और सेवा उद्योग मशीनरी
- कंप्यूटर उपकरण
- विद्युत उपकरण
- विद्युत उपकरण और सामान
- इंजन और टर्बाइन
- फल और सूखे मेवे
- सामान्य प्रयोजन मशीनरी
- औद्योगिक मशीनरी
- समुद्री उत्पाद
- मांस उत्पाद
- चिकित्सा उपकरण और आपूर्ति
- विविध फसलें
- विविध निर्मित धातु उत्पाद
- विविध निर्मित वस्तुएं
- मोटर वाहन पुर्जे
- मोटर वाहन
- नेविगेशनल और मापन उपकरण
- अलौह धातु उत्पाद
- तेल और गैस
- तिलहन और अनाज
- फार्मास्युटिकल उत्पाद और दवाएं
- प्लास्टिक उत्पाद व अन्य

कार्टूनिस्ट की नजर में...

चीन से अमेरिका निर्यात

36.8 लाख करोड़ ट्रेड

- इलेक्ट्रॉनिक्स : स्मार्टफोन, कंप्यूटर, टेलीविजन, और अन्य उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक सामान
- मशीनरी : औद्योगिक मशीनें, उपकरण, और यांत्रिक पार्ट्स
- कपड़े और टेक्सटाइल : कपड़े, जूते, और अन्य वस्त्र उत्पाद
- खिलौने और खेल का सामान : बच्चों के खिलौने, गेमिंग उपकरण, और खेल से संबंधित उत्पाद
- फर्नीचर : बेड, सोफा, टेबल, और अन्य घरेलू फर्नीचर
- प्लास्टिक और रबर उत्पाद : रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं जैसे कंटेनर, पैकेजिंग सामग्री आदि
- ऑटोमोबाइल पार्ट्स : वाहनों के लिए कलपुर्जे और सहायक उपकरण

- 2023 के आंकड़ों के अनुसार, चीन से अमेरिका को होने वाला कुल निर्यात लगभग 500 अरब डॉलर से अधिक का था। ये उत्पाद सस्ती कीमत और बड़े पैमाने पर उत्पादन की वजह से अमेरिकी बाजार में लोकप्रिय हैं।

आर्थिक अस्थिरता के बीच आसियान में भारत की प्रभावी होती भूमिका

शिखर सम्मेलन
अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ स्तंभकार

अमेरिकी टैरिफ से उपजे आर्थिक अस्थिरता के बीच मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में संपन्न आसियान शिखर सम्मेलन ढेर सारे निहितार्थों को समेटे हुए है। बदलते वैश्विक परिदृश्य के नजरिए से देखें तो आसियान सम्मेलन के जरिए भारत ने एक बार फिर अपनी प्रभावी भूमिका को निरुपित किया है। 22वें आसियान शिखर सम्मेलन को वर्चुअल तरीके से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कहा कि 21वीं सदी भारत और आसियान की सदी है और साल 2026 आसियान-इंडिया ईयर ऑफ मेरीटाइम कोऑपरेशन के रूप में मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री का संबोधन रेखांकित करने के लिए पर्याप्त है। भारत वैश्विक संगठन आसियान की सार्थकता और उपादेयता को लेकर बेहद गंभीर और सक्रिय है। प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान संगठन में भारत की भूमिका को स्पष्ट करते हुए कहा कि भारत और आसियान मिलकर विश्व की लगभग एक-चौथाई जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं जो न सिर्फ भूगोल साझा करते हैं बल्कि गहरे ऐतिहासिक संबंधों और साझे मूल्यों की डोर से भी जुड़े हुए हैं। दोनों ग्लोबल साउथ के सहयात्री हैं। गौर करें तो आसियान भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी का मुख्य आधार है जो शुरू से ही आसियान के केंद्रीय और वैश्विक उद्देश्यों का समर्थन करता है और दक्षिण-पूर्वी एशिया क्षेत्र की उन्नति का पक्षधर है। यहां ध्यान देने वाली बात है कि आसियान के ग्यारह देशों (इंडोनेशिया, सिंगापुर, वियतनाम, मलेशिया, थाईलैंड, म्यांमार, बुरनेई, फिलीपींस, लाओस, कंबोडिया और तिमोर लेस्ट) के बीच समन्वय और साझेदारी विकसित करने के लिए भारत की भूमिका सराहनीय रही है। याद होगा कि वर्ष 2018 में भारत के आमंत्रण पर 69वें गणतंत्र दिवस समारोह में तब दस आसियान देशों के राष्ट्र प्रमुखों ने शिरकत की थी और सभी ने राजनीतिक, आर्थिक, रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने के साथ क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर एक-दूसरे की मदद का संकल्प लिया था। तब हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में नियम आधारित नौवहन व्यवस्था को गति देने के साथ कट्टरवाद, उग्रवाद, मानव तस्करी जैसे चुनौतियों से मिलकर मुकाबला करने पर सहमति बनी थी। गौर करें तो आसियान के गठन का उद्देश्य ही दक्षिण-पूर्व एशिया में आर्थिक प्रगति को गति देना और उसके आर्थिक स्थायित्व को बनाए रखते हुए आपसी विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से निपटाना है। भारत और आसियान देशों की कुल आबादी 2.13 बिलियन है। आसियान दुनिया का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक परिक्षेत्र भी है। इसके बढ़ते आर्थिक प्रभाव का नतीजा है कि न केवल भारत, रूस, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड जैसे देशों के साथ उसके संबंध प्रगाढ़ हैं बल्कि विश्व के अनेक राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय और गैर-सरकारी संगठनों का भी उससे मजबूत संबंध हैं। वैश्विक आर्थिक रंगमंच पर आसियान की भूमिका कितनी प्रभावी है इसी से समझा जा सकता है कि विश्व के लगभग चार दर्जन गैर आसियान देशों और संगठनों ने जकार्ता स्थित आसियान के सचिवालय में अपने राजदूतों की नियुक्ति की है। आसियान का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है कि उसकी तुलना में आज उत्तरी अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्था धीमी गति से आगे बढ़ रही है वहीं पूर्वी यूरोप एवं रुस का आर्थिक ढांचा चरमराया हुआ है। दूसरी ओर अफ्रीका महाद्वीप में आर्थिक अस्थिरता का माहौल है। ऐसे में अगर कहा जाए कि आज आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र अमेरिका, यूरोप और पश्चिम एशिया के बजाए दक्षिण पूर्व एशिया बन गया है तो गलत नहीं होगा। माना जा रहा है कि है कि आने वाले वर्षों में पूंजी निवेश की उपलब्धता के कारण यह क्षेत्र अति आधुनिकतम तकनीक एवं विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी होगा। जहां तक भारत का सवाल है वह दक्षिण पूर्व एशिया की ओर व्यापार, पूंजीनिवेश तकनीक, बाजार की उपलब्धता, एवं आदान-प्रदान के रूप में देखता है जो आज की जरूरत है। वहीं, बदलती हुई नई विश्व व्यवस्था में दक्षिण पूर्व एशिया के देश भी भारत की ओर आर्थिक आदान-प्रदान की दृष्टि से देख रहे हैं। आज भारत आसियान के लिए छठा सबसे बड़ा करोबारी साझीदार बन चुका है। भारत और आसियान का द्विपक्षीय व्यापार तकरीबन 123 बिलियन डॉलर का है।

दोनों के बीच 2010 में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट यानि एफटीए हुआ था। फिलहाल भारत इस एफटीए की समीक्षा करना चाहता है। इसलिए कि आसियान देशों के 40-60 फीसदी के बनिस्बत भारत की तरफ से 71 फीसदी उत्पादों पर टैक्स छूट दिए जाने से असंतुलन की स्थिति उत्पन हो गई है। बदलती आर्थिक स्थितियों को ध्यान में रखते हुए मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने उचित कहा कि विश्व में व्याप्त संरक्षणवाद और आर्थिक अनिश्चितता का सामना करने के लिए अनुकूलनशीलता और सहयोग की जरूरत है। गौर करें तो तमाम विसंगतियों और तनावों के बीच गुजरते वक्त के साथ आसियान की भूमिका व्यापक और प्रभावी हो रही है। भारत की बात करें तो पिछले डेढ़ दशक के दौरान आसियान देशों से भारत में लगभग छह लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है।

आसियान का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है कि उसकी तुलना में आज उत्तरी अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्था धीमी गति से आगे बढ़ रही है वहीं पूर्वी यूरोप एवं रुस का आर्थिक ढांचा चरमराया हुआ है।

नेटफ्लिक्स पर दिखाई देगी कपूर खानदान की विरासत

मुंबई। बॉलीवुड सिनेमा के सबसे चर्चित परिवारों में शामिल, कपूर खानदान की विरासत अब हर किसी की आंखों के सामने होगी। नेटफ्लिक्स पर 'डाइनिंग विद द कपूर्स' की रिलीज तारीख जारी कर दी गई है। निर्माताओं ने 31 अक्टूबर को आगामी डॉक्यूमेंट्री का पोस्टर जारी किया है, जिसमें रणधीर कपूर, बबीता कपूर, नीतू कपूर, करिश्मा कपूर, करीना कपूर और रणबीर कपूर समेत, परिवार के सभी सदस्यों को देखा जा सकता है। आइए जानते हैं 'डाइनिंग विद द कपूर्स' की रिलीज तारीख। नेटफ्लिक्स ने कपूर खानदान पर बनी डॉक्यूमेंट्री, 'डाइनिंग विद द कपूर्स' की रिलीज तारीख जारी करते हुए लिखा, 'कपूर खानदान का लंच इनवाइट आ गया है, और आप भी आमंत्रित हैं।

लाइफ Style

भूमि

'महाकाली' बनकर फिल्म में दिखाएंगी रौद्र रूप

मशहूर फिल्म निर्देशक प्रशांत वर्मा ने 'हनुमान' और 'मिराई' जैसी बेहतरीन फिल्मों से अभिनेता तेजा सज्जा को, सुपरहीरों के रूप में पेश किया था। अब वह अपनी अगली महिला सुपरहीरो फिल्म 'महाकाली' को लेकर चर्चा में हैं।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

यह एक माइथोलॉजिकल फिल्म है, जिसमें मुख्य किरदार भूमि शेट्टी निभा रही हैं। निर्माताओं ने शुक्राचार्य के रूप में अक्षय खन्ना की झलक दिखाने के बाद, नायिका भूमि के चेहरे से पर्दा उठा दिया है। 'महाकाली' से चर्चा बटोर रहीं भूमि का असली नाम, भूमिका शेट्टी है, जो कर्नाटक के करावली में स्थित कुंडापुरा की रहने वाली हैं। वह पेशे से अभिनेत्री हैं, जिन्हें तेलुगु सीरीज 'निन्ने पेल्लादथा' और कन्नड़ सीरीज 'किन्नारी' में देखा गया है। साल 2021 में उन्होंने कन्नड़ फिल्म 'इक्कत' से सिनेमा में कदम रखा था। आखिरी बार उन्हें विजय देवरकोंडा की फिल्म 'किंगडम' में देखा गया है। भूमि 'बिग बॉस कन्नड़' की प्रतियोगी भी रह चुकी हैं। निर्देशक प्रशांत ने 'महाकाली' के बारे में अपडेट देते हुए बताया है कि इसकी कहानी बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। फिल्म की शूटिंग हैदराबाद में की जा रही है। फिल्म का स्क्रीनप्ले और कहानी, यह दोनों काम प्रशांत ने खुद किए हैं। बताया जाता है कि 'महाकाली' को हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में डब किया जाएगा। भूमि और अक्षय के अलावा, इस फिल्म के अन्य किरदारों और रिलीज तारीख का खुलासा होना बाकी है।

हॉलीवुड मसाला

लोगों के दिमाग में मचा दी खलबली

लॉस एंजिल्स। बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों के साथ आजकल कोरियन फिल्में भी ओटीटी पर ट्रेंड कर रही हैं और लगातार अपना दबदबा बनाए हुए हैं। वहीं आज हम आपको साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'द विच' के बारे में बताने जा रहे हैं। इस फिल्म की कहानी ने कई लोगों को चौंका दिया था क्योंकि कोरियन फिल्में अक्सर रोमांस पर आधारित होती थीं। मगर इस एक थ्रिलर फिल्म ने सभी को गलत साबित कर दिया था। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर एंजॉय कर सकते हैं।

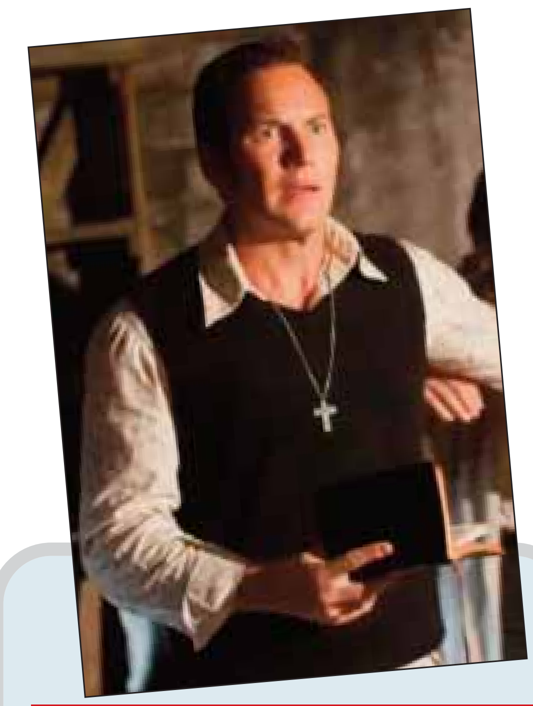

'द कॉन्ज्यूरिंग' में डर की दहशत से फिर लड़ेंगे एड और लॉरेन वॉरेन

लॉस एंजिल्स। दुनियाभर में डर से दहशत फैला चुकी हॉलीवुड सुपरहिट फ्रेंचाइजी फिल्म 'द कॉन्ज्यूरिंग' से जुड़ा ताजा अपडेट आया है, जो भूतिया फिल्मों के दीवानों को उत्साहित कर देगा। वार्नर ब्रदर्स और न्यू लाइन ने मिलकर 'द कॉन्ज्यूरिंग' के प्रीक्वल पर काम शुरू कर दिया है, जिससे साफ है कि कॉन्ज्यूरिंग की दुनिया आपका पीछा अभी नहीं छोड़ेगी। दरअसल, प्रीक्वल के जरिए फिल्म निर्माता प्रसिद्ध पैरानॉर्मल इन्वेस्टिगेटर एड और लॉरेन वॉरेन के शुरुआती दिनों को फिल्मी पर्दे पर दर्शाना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 'द कॉन्ज्यूरिंग' का प्रीक्वल बनाने के लिए शॉर्ट फिल्म निर्देशक रॉड्रिग हुआर्ट, इस फिल्म का निर्देशन करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। फिल्म के सह-लेखक इयान गोल्डबर्ग प्रीक्वल की कहानी लिखने के लिए वापस आ रहे हैं।

प्रियंका सिर्फ अपने बारे में सोचती हैं...

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने दुनियाभर में शोहरत और कामयाबी हासिल की है। अपनी निजी और कामकाजी जिंदगी को लेकर वह हमेशा चर्चाओं में रहती हैं। इस बार वजह कुछ अलग है, क्योंकि प्रियंका के बारे में एक अभिनेत्री ने कुछ ऐसा कह दिया है जिससे पूरे सिनेमा जगत में हलचल मच गई है। ये कोई और नहीं, बल्कि भारतीय मूल की हॉलीवुड अभिनेत्री श्वेता केसवानी हैं। मुंबई में जन्मीं श्वेता अभिनेत्री होने के अलावा, मॉडल और डांसर हैं, जिन्होंने दुनियाभर में पहचान हासिल की है। उन्हें भारतीय टीवी शो 'बा बहू और बेबी' में देखा गया था। इसके अलावा, श्वेता 'किस देश में निकला होगा चांद', 'कहानी घर घर की' जैसे शो का हिस्सा रही हैं। करीब एक दशक से अभिनेत्री अमेरिका में रह रही हैं और वहीं काम कर रही हैं।

'रोई रोई बिनाले' ने रिलीज होते ही तोड़ा रिकॉर्ड

मुंबई। जुबीन गर्ग का पिछले महीने 19 सितंबर को सिंगापुर में तैराकी के दौरान निधन हो गया था। इस हादसे के करीब एक महीने बाद गायक की आखिरी फिल्म 'रोई रोई बिनाले' सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। उनके चाहने वालों के लिए यह बेहद भावुक कर देने वाला क्षण है। लोग नम आंखों से फिल्म देखते हुए जुबीन को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। 'रोई रोई बिनाले' भारत के 46 शहरों में एक साथ रिलीज हुई है, जिसे 800 स्क्रीन मिली है। जुबीन की फिल्म 'रोई रोई बिनाले' को असम के करीब 80 सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है। दिलचस्प बात ये है कि राज्य में पहली बार सुबह 4:25 बजे फिल्म का शो रखा गया है। यह अपने आप में रिकॉर्ड है। जगीरोड का गणेश टॉकीज और नलबाड़ी के तिहू का गांधी भवन, कई साल से बंद पड़े यह कुछ ऐसे सिनेमा हैं।

टीवी मसाला

सलमान खान के 'बिग बॉस 19' में नई नागिन का होगा दीदार

मुंबई। एकता कपूर के सुपरनैचुरल टीवी शो 'नागिन 7' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। हर कोई जानना चाहता है कि नागमणि की रक्षा की जिम्मेदारी इस बार किस अभिनेत्री को सौंपी गई है। बरहाल, यह इंतजार अब खत्म होने वाला है। निर्माताओं ने 'नागिन 7' का नया प्रोमो जारी करते हुए बताया है, कि वह कब और कहां नई नागिन के दर्शन कराएंगे। निर्माताओं ने इस खुलासे के लिए सलमान खान के शो 'बिग बॉस 19' को चुना है।

निर्माताओं ने 'नागिन 7' का प्रोमो किया जारी

'नागिन 7' के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर नया प्रोमो वीडियो जारी किया है। इसके साथ कैप्शन दिया, 'खत्म होने वाला है इंतजार, नागिन की पहली झलक देखने हो जाइए तैयार! देखिये नागिन की पहली झलक, बिग बॉस 19 में, 2 नवंबर को रात 9 बजे जियो हॉटस्टार पर और रात 10:30 बजे रंग बराबर।' काफी समय से चर्चा है कि 'उडारियां' अभिनीत अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी, 'नागिन 7' में मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाएंगी। इसका खुलासा जल्द हो जाएगा।

बसीर ने बताई नेहल से दोस्ती तोड़ने की वजह, किया ये खुलासा

'बिग बॉस 19' से बेघर होने के बाद बसीर अली लगातार इंटरव्यू दे रहे हैं। उन्होंने शो के मेकर्स पर आरोप लगाया कि उन्हें जानबूझकर शो से बेघर किया गया। इस बीच देखा गया कि बसीर ने अपने साथ बेघर हुईं नेहल चुडासमा को इंस्टाग्राम से अनफॉलो कर दिया है। दोनों के रोमांटिक एंगल ने सभी का ध्यान खींचा था। खुद सलमान खान दोनों को चिढ़ाते नजर आए थे। अब बसीर ने नेहल से दोस्ती तोड़ने की वजह बताई है। एक इंटरव्यू में, बसीर ने कहा कि वह नेहल से दूरी बनाकर रखना चाहते हैं और उनसे नाराज हैं।

'कुंडली भाग्य' अभिनेता ने कहा, मैंने नेहल की कुछ क्लिप देखी, जहां खुद को मेरा दोस्त बताने के बावजूद, उसने मेरे लिए स्टैंड नहीं लिया। जब फरहाना, जो मेरी दोस्त थी, ने मेरे लिए अप्रिय बातें कहीं तो नेहल चुप रही। ये काहे की दोस्ती है? बसीर ने साफ कहा कि वह, नेहल से दूरी बनाकर रखना चाहते हैं। बसीर की मां ने नेहल के साथ उनके लव एंगल पर रूखी प्रतिक्रिया दी थी, इस बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मेरी मां ने बताया कि उन्हें मेरे और फराहना के पल काफी मनोरंजक लगे, लेकिन जब बात नेहल के साथ मेरे रिश्ते की आई, तो मेरी मां को वह एंगल बहुत नकारात्मक लगा।

'द गर्लफ्रेंड' का ट्रेलर सोचने पर मजबूर कर देगी

मुंबई। रश्मिका मंदाना पिछले काफी समय से फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म की झलकियों ने पहले ही इसे लेकर उत्साह बढ़ा दिया था, वहीं अब इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। 'थामा' की डरावनी दुनिया के बाद अब रश्मिका दिल के जज्बातों, कशमकश और रिश्तों के उतार-चढ़ाव से जुड़ी एक सोचने पर मजबूर कर देने वाली प्रेम कहानी के साथ पर्दे पर लौट आई हैं।

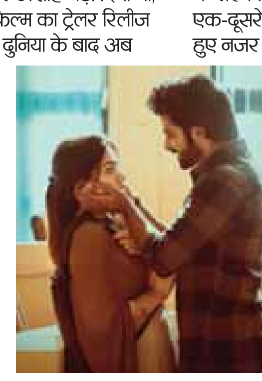

एक उलझी हुई प्रेम कहानी : फिल्म के ट्रेलर में रश्मिका और उनके हीरो दीक्षित शेट्टी के बीच एक उलझी हुई प्रेम कहानी देखने को मिल रही है। यहां रश्मिका का किरदार एक परेशान करने वाले सवाल से जूझता है कि क्या वो वाकई अपने बॉयफ्रेंड से प्यार करती है या सिर्फ उसके होने के ख्याल से प्यार करती है? कहानी इस बात के इर्द-गिर्द घूमती है कि कभी-कभार हमें इंसान से नहीं, बल्कि उसके साथ जुड़ी कल्पना या एहसास से मोह हो जाता है।

छा गए रश्मिका और दीक्षित : ट्रेलर की शुरुआत में रश्मिका और दीक्षित एक-दूसरे के प्यार में डूबे हुए नजर आते हैं। दोनों के बीच खुशियों भरे पल दिखाए गए हैं, लेकिन थोड़ी देर बाद माहौल बदल जाता है। उनके बीच आपसी मतभेद बढ़ जाते हैं। ट्रेलर के अंत में रश्मिका का किरदार खुद से ये सवाल पूछता है कि क्या ये रिश्ता सच में सही है या वो सिर्फ 'गर्लफ्रेंड' कहलाने के लिए इस रिश्ते में है? रश्मिका और दीक्षित दोनों का अभिनय काबिल-ए-तारीफ है।

लोगों ने ट्रेलर को दी हरी झंडी : 'द गर्लफ्रेंड' में दिखाया जाएगा कि हर प्रेम कहानी परियों की कहानी जैसी नहीं होती। कुछ रिश्ते हकीकत में उतने आसान नहीं होते, जितने फिल्मों में दिखाए जाते हैं।

31वें केआईएफएफ में 39 देशों की 215 फिल्मों का होगा प्रदर्शन

कोलकाता। कोलकाता एक बार फिर सिनेमा के रंगों में रंगने को तैयार है। कला, संस्कृति और भावनाओं की राजधानी कहलाने वाला यह शहर 6 नवंबर से 31वें कोलकाता अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2025) का गवाह बनेगा। आठ दिनों तक चलने वाले इस सिनेमाई उत्सव का उद्घाटन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी धनधान्य स्टेडियम में करेंगी। हर साल की तरह इस बार भी आयोजन भव्य होगा, जिसमें भारतीय सिनेमा के साथ दुनिया भर की उत्कृष्ट फिल्मों की झलक देखने को मिलेगी। महोत्सव में इस वर्ष कुल 39 देशों की 215 फिल्मों का प्रदर्शन होगा, जिनमें 185 फीचर फिल्में और 30 लघु फिल्में शामिल हैं।

इस फिल्म से होगी शुरूआत : इसकी शुरूआत 1961 की क्लासिक 'सप्तपदी' से होगी, जिसका निर्देशन अजय कर ने किया था और जिसमें महान अभिनेता उत्तम कुमार व अभिनेत्री सुचित्रा सेन ने अभिनय किया था। अभिनेता परमब्रत चटर्जी और अभिनेत्री व सांसद जून मालिया इस बार मेजबान की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली की पत्नी और प्रसिद्ध नृत्यांगना डोना गंगोपाध्याय अपनी विशेष नृत्य प्रस्तुति देंगी।

18 भारतीय व 30 विदेशी भाषाओं की फिल्में: फिल्म महोत्सव में इस बार 18 भारतीय भाषाओं और 30 विदेशी भाषाओं की फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें कोंकणी, बोरो, तुलु और संथाली जैसी भाषाएं भी शामिल हैं, जिन्हें आमतौर पर बड़े प्लेटफॉर्म पर कम देखा जाता है।

प्रतियोगिताएं होंगी आयोजित : इस बार महोत्सव में विभिन्न श्रेणियों की फिल्म प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी और सिने अड्डा का भी आयोजन होगा, जिसे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस साल नया नाम दिया है "गाने गाने सिनेमा"। इसमें निर्देशक, अभिनेता और तकनीशियन एक मंच पर बैठकर सिनेमा के भविष्य, बदलाव और रचनात्मक दृष्टिकोण पर चर्चा करेंगे। इस वर्ष का फिल्म महोत्सव कई दिग्गज कलाकारों और फिल्मकारों को श्रद्धांजलि देने का माध्यम भी बनेगा।

'शोले' की 50वीं वर्षगांठ

महान निर्देशक ऋत्विक घटक, अभिनेता गुरुदत्त, संतोष दत्त, फिल्मकार राज खोसला, संगीतकार सलिल चौधरी और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अभिनेता रिचर्ड बर्टन की शताब्दी मनाई जाएगी। वहीं, भारतीय सिनेमा के स्तंभ निर्माता-निर्देशक श्याम बेनेगल, अमेरिकी फिल्मकार डेविड लिंच, अरुण राय, राजा मित्रा और शशि आनंद को विशेष सम्मान से नवाजा जाएगा। वहीं, रमेश सिप्पी की कालजयी फिल्म 'शोले' की 50वीं वर्षगांठ का जश्न मनाया जाएगा। इस अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसमें फिल्म से जुड़ी दुर्लभ झलकियां और किस्से पेश किए जाएंगे।

15 समकालीन फिल्मों का पहला प्रदर्शन

फिल्म महोत्सव में 15 समकालीन विदेशी फिल्मों का पहला प्रदर्शन होगा। इसी के साथ निर्देशक ऋत्विक घटक की कृतियों को समर्पित एक विशेष श्रृंखला भी रखी गई है। इसमें 'अयांत्रिक', 'मेघे ढाका तारा', 'बारी ते पालये', 'कोमल गांधार' और 'तितास एकटी नदीर नाम' जैसी कालजयी फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। कोलकाता फिल्म महोत्सव के तहत शहर के 20 स्थलों पर फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी। नंदन वन-टू, स्टार थिएटर, अजंता और मेनका हॉल जैसे प्रतिष्ठित सिनेमाघरों में दर्शकों को अलग-अलग भाषाओं में देख सकेंगें।

शौकीन लोगों को देखने मिलेंगी एक से बढ़कर एक कहानियां

नवंबर में रिलीज होंगी हॉरर से लेकर वॉर तक शानदार फिल्में

***मुंबई।** हर एक महीने के खत्म होने और नए महीने की शुरुआत के साथ लोगों को इस बात का इंतजार रहता है कि बड़े पर्दे पर उनके लिए क्या रिलीज किया जाने वाला है। अक्टूबर का महीना खत्म होने वाला है और जल्द ही नवंबर दस्तक देगा। इस महीने में फिल्म देखने के शौकीनों को एक से बढ़कर एक सरप्राइज मिलने वाले हैं। नवंबर का महीना अपने साथ एंटरटेनमेंट की बहार लेकर आने वाला है। सिनेमाघर में हिंदी भाषा में कुल मिलाकर 17 फिल्में रिलीज होंगी। इसमें बायोपिक ड्रामा से लेकर हॉरर सब कुछ शामिल है। चलिए जान लेते हैं कि नवंबर में आप सिनेमाघर में क्या-क्या देख सकते हैं।*

वृषभ : यह मलयालम भाषा की फिल्म है जिसे हिंदी भाषा में रिलीज किया जाने वाला है। ये फैंटेसी एक्शन ड्रामा नंदा किशोर के डायरेक्शन में बना है। इसे 6 नवंबर को रिलीज किया जाने वाला है।

जटाधारा : एक हॉरर थ्रिलर फिल्म है जिसमें शिल्पा शिरोडकर और सोनाक्षी सिन्हा जिसे कलाकार नजर आने वाले हैं। तेलुगु और हिंदी में इस फिल्म को 7 नवंबर को सिनेमाघर में रिलीज किया जाएगा।

इक्कीस : श्री राम राघवन की यह फिल्म एक बायोपिक ड्रामा है। 7 नवंबर को इसे सिनेमाघर में रिलीज किया जाने वाला है। इस फिल्म में अगस्त्य नंद के साथ धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत नजर आएंगे।

जस्सी वेड्स जस्सी : रणवीर शौर्य अपनी इस शानदार फिल्म के साथ दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने के लिए तैयार है। इस कॉमेडी ड्रामा को 7 नवंबर को सिनेमाघर में रिलीज किया जाने वाला है।

2020 दिल्ली : देवेंद्र मालवीय फिल्म 2020 दिल्ली लेकर आ रहे हैं। ये सीएए प्रोटेस्ट के दौरान की कहानी है। इस दौरान जो दंगे हुए और लोगों का जो नुकसान हुआ उसे अप्रैल में 14 नवंबर को दिखाया जाएगा।

120 बहादुर : फरहान अख्तर ने अपनी फिल्म 120 बहादुर को लेकर काफी सुर्खियां बटोरी है। यह एक ऐतिहासिक वॉर पर आधारित कहानी है जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसे 21 नवंबर को सिनेमाघर में रिलीज किया जाने वाला है।

ये फिल्में भी मचाएंगी धूम : इन फिल्मों के अलावा सीसु: रोड टू रिवेंज, मस्ती 4, काल त्रिघोरी, हांटेड 3D: घोस्ट ऑफ़ द पास्ट, गुस्ताख इश्क, जूटोपिया 2, तेरे इश्क में जैसी फिल्में रिलीज की जाने वाली है।

द गर्लफ्रेंड : इस फिल्म में आपको साउथ की मशहूर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की शानदार एक्टिंग देखने को मिलेगी। तमिल, तेलुगू, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में इसे 7 नवंबर को देशभर के सिनेमाघर में रिलीज किया जाएगा।

हक : लंबे समय से बड़े-बड़े पजामी गौतम की कोई फिल्म देखने को नहीं मिली है लेकिन अब वह एक बार फिर वापसी करने को तैयार हैं। उन्हें सच्ची घटना पर आधारित इस फिल्म में देखा जाने वाला है। यह भी 7 नवंबर को ही रिलीज होगी।

दे दे प्यार दे 2 : अजय देवगन की फिल्म तो आपने देखी ही होगी अब इसका दूसरा हिस्सा आने वाला है। रकुल प्रीत सिंह के साथ एक बार फिर एक्टर को इस रोमांटिक फिल्म में देखा जाने वाला है। 14 नवंबर को यह सिनेमाघर में रिलीज होगी।

स्मॉल कैप फंड्स ने 26 फीसदी तक दिया रिटर्न

भर दी निवेशकों की झोली

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स हमेशा से हाई रिटर्न के लिए जाने जाते रहे हैं। हालांकि इनके रिटर्न पर बाजार से जुड़े उतार-चढ़ाव का असर भी पड़ता है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि लंबी अवधि में पॉजिटिव रिटर्न मिलने की गुंजाइश काफी अधिक रहती है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की वेबसाइट पर जिन 13 स्मॉल कैप फंड्स के पिछले 10 साल के आंकड़े मौजूद हैं, उनमें से किसी के भी डायरेक्ट प्लान का सालाना रिटर्न (सीएजीआर) 14% से कम नहीं है। यही नहीं, इनमें से टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने लंपसम निवेश पर पिछले 10 साल में 19 से 21% फीसदी तक एनुअल रिटर्न दिया है।

एसआईपी पर भी ऊंचा रिटर्न

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स ने पिछले 10 साल में लंपसम के साथ ही साथ सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश करने वालों को भी 19% से लेकर 26% तक एनुअलाइज्ड रिटर्न दिए हैं। इस शानदार रिटर्न की बदौलत इन फंड्स ने 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 10 साल में 7 लाख रुपये तक बना दिया है, जबकि 10 हजार रुपये की एसआईपी से 10 साल में 47.5 लाख रुपये तक का फंड जमा हुआ है।

ये टॉप 5 स्कीम

टॉप 5 स्मॉल कैप फंड्स की लिस्ट में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड, एक्सिस म्यूचुअल फंड और क्वांट म्यूचुअल फंड जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम्स शामिल हैं।

लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट क्यों है बेहतर

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के पिछले आंकड़ों के तमाम विश्लेषण यही बताते हैं कि इनमें लंबी अवधि के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।हाल ही में आई ऐसी ही एक रिपोर्ट के मुताबिक निफ्टी स्मॉल कैप 250 इंडेक्स का 10 साल की एसआईपी का मंथली रोलिंग रिटर्न (एक्सआर्रआरआर) 99% समय पॉजिटिव रहा है। यानी अगर इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी उसका बेहतर तरीका है।

- एसबीआई, एचडीएफसी समेत कई फंड्स का बेहतरीन प्रदर्शन
- 5 स्मॉल कैप फंड्स ने 7 गुना तक कर दी लंपसम की रकम
- 10 साल में एसआईपी पर 19 से 26 फीसदी तक रिटर्न दिया
- 1 लाख के लंपसम से 7 लाख तक का फंड तैयार हुआ
- इक्विटी में निवेश करना हो, तो लॉन्ग टर्म एसआईपी बेहतर तरीका

10 साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले टॉप फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 21.51 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 7,01,649 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 23.96 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 42,63,065 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.64 %

क्वांट स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 20.42 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,41,189 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 25.99 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 47,56,696 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.71 %

एक्सिस स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.91 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 6,14,545 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 22.01 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 38,35,386 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.57%

एचडीएफसी स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.54 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,95,844 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 21.43 %
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 37,17,373 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.68%

एसबीआई स्मॉल कैप फंड-डायरेक्ट प्लान

- लंपसम इनवेस्टमेंट पर 10 साल का रिटर्न (सीएजीआर) : 19.44 %
- 1 लाख के लंपसम की 10 साल में फंड वैल्यू : 5,90,878 रुपये
- एसआईपी पर 10 साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 20.13%%
- 10 हजार मंथली एसआईपी की 10 साल में फंड वैल्यू : 34,65,264 रुपये
- एक्सपेंस रेशियो : 0.76%

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट

ऊपर दी गई सभी स्कीम समेत तमाम स्मॉल कैप फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत अधिक रिस्क की रेटिंग दी जाती है। अलग-अलग मार्केट कैप पर आधारित म्यूचुअल फंड्स में भी स्मॉल कैप को मिड कैप और लार्ज कैप की तुलना में ज्यादा रिस्की माना जाता है। यानी स्मॉल कैप फंड हाई रिटर्न, हाई रिस्क इनवेस्टमेंट की कैटेगरी में आते हैं। इसके अलावा म्यूचुअल फंड्स में पिछले रिटर्न के आगे भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। इसलिए इनमें निवेश के बारे में कोई फैसला करने से पहले अपनी रिस्क लेने की क्षमता को ध्यान में रखना चाहिए।

क्या है स्मॉल कैप फंड्स

स्मॉल कैप फंड्स एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करता है। इन कंपनियों की मार्केट कैपिटलाइजेशन कम होती है, लेकिन इनमें उच्च विकास क्षमता होती है। स्मॉल कैप फंड्स की विशेषताएं

1. **उच्च विकास क्षमता**: स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे इनके शेयरों की कीमतें बढ़ सकती हैं।
2. **जोखिम**: स्मॉल कैप फंड्स में जोखिम अधिक होता है, क्योंकि छोटी कंपनियों की वित्तीय स्थिति अस्थिर हो सकती है।
3. **विविधीकरण**: स्मॉल कैप फंड्स में निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
4. **लंबी अवधि के लिए निवेश**: स्मॉल कैप फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए, ताकि आप बाजार की अस्थिरता को सहन कर सकें।

स्मॉल कैप फंड्स के लाभ

1. **उच्च रिटर्न**: स्मॉल कैप फंड्स उच्च रिटर्न प्रदान कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण**:निवेश करने से आपके पोर्टफोलियो में विविधीकरण होता है।
3. **नई कंपनियों में निवेश**: आपको नई व तेजी से बढ़ती कंपनियों में निवेश का अवसर मिलता है।

एसआईपी का दमदार प्रदर्शन

5 म्यूचुअल फंड ने दिया 20% से ज्यादा रिटर्न

279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 ने पॉजिटिव रिटर्न दिया

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के कमाया बढ़िया मुनाफा

बिजनेस डेस्क

पिछले एक साल में इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। पिछले साल यानी 2024 की दिवाली से लेकर अब तक 279 इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में से 276 फंड्स ने पॉजिटिव रिटर्न दिया। यानी इनमें निवेश करने वाले निवेशकों को मुनाफा हुआ। वहीं, सिर्फ तीन फंड्स ऐसे रहे जिन्होंने निवेशकों को नुकसान पहुंचाया। सबसे खास बात यह है कि 10 ऐसे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स हैं जिन्होंने एसआईपी यानी एक तय रकम हर महीने निवेश करने वालों को 20% से भी ज्यादा का सालाना रिटर्न दिया है। पिछली दिवाली से लेकर अब तक एक साल में कई म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को जबरदस्त रिटर्न दिया है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ फंडों के बारे में जो आपको अच्छा मुनाफा दे सकते हैं।

ग्रो मल्टीकैप फंड

इस लिस्ट में सबसे ऊपर ग्रो मल्टीकैप फंड का नाम है। इसने एसआईपी निवेश पर सबसे ज्यादा करीब 26% रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि अगर आपने इस फंड में हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो पिछली दिवाली से अब तक आपके निवेश की कीमत लगभग 1.10 लाख रुपये हो जाती। यानी आपके लगाए हुए पैसों से ज्यादा का मुनाफा हुआ।

इनवेस्को इंडिया मिडकैप फंड

इनवेस्को इंडिया मिडकैप फंड ने भी निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। इसने इसी अवधि में 24.69% का शानदार दिया। मिडकैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं जिनका मार्केट कैप मीडियम होता है यानी वे बहुत बड़ी भी नहीं होतीं और बहुत छोटी भी नहीं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के प्रकार

- **लार्ज कैप फंड्स** : ये फंड्स बड़ी मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **मिड कैप फंड्स** : ये फंड्स मध्यम आकार की कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **स्मॉल कैप फंड्स** : ये फंड्स छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **मल्टीकैप फंड्स** : ये फंड्स विभिन्न मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करते हैं।
- **फोकस्ड फंड्स** : ये फंड्स सीमित संख्या में शेयरों में निवेश करते हैं।
- **सेक्टोरल फंड्स** : ये फंड्स विशिष्ट क्षेत्रों में निवेश करते हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के लाभ

- **विविधीकरण** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।
- **पेशेवर प्रबंधन** : फंड मैनेजर द्वारा प्रबंधन किया जाता है, जो निवेश के निर्णय लेते हैं।
- **लिक्विडिटी** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश आसानी से निकाला जा सकता है।
- **कर लाभ** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स पर कर लाभ उपलब्ध हो सकता है।

निवेश से पहले विचार करने योग्य बातें

- **जोखिम सहनशक्ति** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में जोखिम होता है, इसलिए निवेश से पहले अपनी जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन करें।
- **निवेश अवधि** : इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश लंबी अवधि के लिए करना चाहिए।
- **विविधीकरण** : अपने पोर्टफोलियो को विविध बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के फंड्स में निवेश करें।

हेलिओस लार्ज एंड मिड कैप फंड

हेलिओस लार्ज एंड मिड कैप फंड और आईसीआईसीआई प्रू फ्लेक्सीकैप फंड ने भी निवेशकों को निराश नहीं किया। इन्होंने क्रमश 23.82% और 23.22% का एक्सआईआरआर दिया। फ्लेक्सीकैप फंड्स की खासियत यह होती है कि फंड मैनेजर किसी भी साइज की कंपनी में निवेश करने के लिए स्वतंत्र होते हैं, चाहे वह लार्ज-कैप हो, मिड-कैप हो या स्मॉल-कैप।

मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड

मोतीलाल ओसवाल लार्ज एंड मिडकैप फंड ने 22.33% का एक्सआईआरआर दिया। इस फंड में अगर किसी ने हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी की होती, तो आज उसके निवेश की कीमत लगभग 1.33 लाख रुपये हो जाती। यह दिखाता है कि एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में कैसे अच्छी खासी रकम जमा की जा सकती है।

कोटक फोकस्ड फंड

कोटक फोकस्ड फंड ने भी 22.06% का एक्सआईआरआर दर्ज किया। फोकस्ड फंड्स में फंड मैनेजर कुछ चुनिंदा स्टॉक्स में ही निवेश करते हैं, जिससे उनका फोकस बना रहता है। इनके अलावा मीरा एसेट मिडकैप फंड ने 20.55% का एक्सआईआरआर दिया। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के दो फंड्स ने भी 20% के आंकड़े को पार किया।

उम्र के हिसाब से करें प्लानिंग, 20 में रिस्क 30 में बैलेंस और 40 साल में ग्रोथ जरूरी

निवेश की ऐसे प्लानिंग करेंगे तो भविष्य में कभी नहीं होगी पैसों की टेंशन

उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है

20 साल की उम्र रिस्क लेने का समय होता है, काम करने की क्षमता अधिक होती

30 साल की उम्र में बैलेंस और 40 साल की उम्र में ग्रोथ पर फोकस जरूरी होता है

अगर आप भी निवेश कर रहे हैं या अपनी निवेश यात्रा करना चाहते हैं तो अपने लक्ष्य, परिवार, इनकम और बच्चों की की स्थित को देखकर ही निवेश यात्रा शुरू करें। बेहतर प्लानिंग के साथ निवेश करेंगे तो भविष्य में आसानी होगी और आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे। कहते हैं उम्र का हर दशक अपनी अलग-अलग जिम्मेदारियां और मौके लेकर आता है। 20 साल की उम्र में जहां रिस्क लेने का समय होता है, काम करने की क्षमता अधिक होती है, वहीं 30 साल की उम्र में बैलेंस और 40 साल की उम्र में ग्रोथ पर फोकस जरूरी होता है। अगर आप उम्र के हिसाब से सही फाइनेंशियल प्लानिंग करते हैं, तो न सिर्फ रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड बना सकते हैं, बल्कि जिंदगी भर पैसों की चिंता से भी दूर रह सकते हैं। आज के वक्त में फाइनेंशियल सिक्योरिटी सिर्फ जरूरत नहीं, बल्कि एक आदत बननी चाहिए। ताकि आर्थिक रूप से परेशान न हों और भविष्य हर तरह से बढ़िया रहे। हम सब मेहनत तो करते हैं, लेकिन कमाई का सही इस्तेमाल तभी होता है जब उसके पीछे एक सटीक फाइनेंशियल प्लान हो। बहुत से लोग कहते हैं कि पैसे बचाने की शुरुआत बाद में करेंगे, लेकिन सच्चाई यह है कि जितनी जल्दी प्लानिंग शुरू करेंगे, उतना मजबूत होगा आपका फ्यूचर हर दशक अपने साथ नई जिम्मेदारियां और अवसर लेकर आता है। 20 साल की उम्र में में जहां रिस्क लेने का समय होता है, वहीं 30 साल की उम्र में में जिम्मेदारियों और इन्वेस्टमेंट में बैलेंस बनाना जरूरी होता है। साल की उम्र में आते-आते सेफ्टी और ग्रोथ पर फोकस करना समझदारी बन जाती है। अगर आप उम्र के हिसाब से फाइनेंशियल फैसले लेते हैं, तो न सिर्फ एक मजबूत रिटायरमेंट फंड बना सकते हैं, बल्कि जिंदगी भर पैसों की चिंता से आजादी भी पा सकते हैं।

बजट बनाना सीखें

अपनी कमाई और खर्च का हिसाब रखें। 80/20 का नियम अपनाएं यानी 80% खर्च और 20% बचत या निवेश। इससे आपको अपने पैसों का फ्लो समझ आएगा और आप बेवजह खर्चों को कंट्रोल कर पाएंगे।

इमरजेंसी फंड बनाएं

हर महीने के खर्च का 3 से 6 महीने तक का फंड अलग रखें। जैसे अगर आपका खर्च 25,000 रुपये महीना है, तो कम से कम 75,000-1,50,000 रुपये का इमरजेंसी फंड जरूर होना चाहिए, ताकि किसी भी परेशानी के समय यह काम आ सके और आपको किसी के मुह की ओर न देखना पड़े।

इंश्योरेंस लेना न भूलें

कम उम्र में प्रीमियम सस्ता होता है। हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस दोनों लें, ताकि मेडिकल और लाइफ रिस्क से सुरक्षा बनी रहे। कोई भी परेशानी आने पर परिवार पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

जल्दी निवेश शुरू करें

कम्पाउंडिंग की ताकत का फायदा तभी मिलता है जब शुरुआत जल्दी की जाए। एसआई और पीपीएफ जैसी स्कीम में निवेश कर सकते हैं। इसमें निवेश सुरक्षित है और महंगाई को मात देना वा रिटर्न भी मिलता है।

जानकारी
बिजनेस डेस्क

30 साल की उम्र जिम्मेदारियों व निवेश में बैलेंस का समय

इस दशक में शादी, बच्चों की पढ़ाई और घर की प्लानिंग जैसी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। ऐसे में बैलेंस बनाना जरूरी हो जाता है।

फाइनेंशियल गोल्स अपडेट करें

बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों को री-इवैल्यूएट करें। हर 2 साल में अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें।

एसआईपी बढ़ाते रहें

सैलरी बढ़ने के साथ हर साल अपनी एसआईपीमें 10-15% इजाफा करें. कोशिश करें कि इनकम का 30-40% निवेश में लगाएं।

एसेट एलोकेशन पर ध्यान दें

40% इक्विटी, 40% डेट और 20% गोल्ड या पीपीएफ जैसे सुरक्षित निवेश रखें। इससे रिस्क और रिटर्न में सही संतुलन बना रहेगा।

एनपीएस में निवेश करें

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) टैक्स छूट देता है और रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार करता है।

कर्ज चुकाने की योजना बनाएं

अगर कोई लोन है, खासकर हाई इंटरेस्ट वाला, तो उसे पहले खत्म करें। ईएमआई के बोझ को घटाना फाइनेंशियल फ्रीडम की दिशा में बड़ा कदम है।

40 साल की उम्रः ग्रोथ और सुरक्षा पर फोकस करने का दशक

अब आपकी कमाई चरम पर होती है, लेकिन रिटायरमेंट भी ज्यादा दूर नहीं होता। इसलिए रिस्क घटाकर ग्रोथ और सुरक्षा पर फोकस करें।

रिटायरमेंट फंड का आकलन करें

महंगाई को ध्यान में रखते हुए अपने सालाना खर्च का 50 गुना फंड बनाना लक्ष्य रखें. उदाहरण के लिए, अगर आपका मासिक खर्च 50,000 रुपये है, तो रिटायरमेंट कॉर्पस करीब 3 करोड़ रुपये होना चाहिए।

रिस्क कम करें, सुरक्षा बढ़ाएं

धीरे-धीरे इक्विटी से पैसा निकालकर डेट फंड्स, बॉन्ड्स या फिक्स्ड इनकम ऑप्शंस में डालें।

इंश्योरेंस कवरेज जांचें

सुनिश्चित करें कि हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस आज की जरूरतों के हिसाब से पर्याप्त हैं।

कर्ज मुक्त होने का लक्ष्य रखें

रिटायरमेंट से पहले घर या कार जैसे बड़े लोन पूरी तरह चुका दें। इससे आपकी भविष्य की इनकम पर बोझ नहीं पड़ेगा।

अधूरे दस्तावेज या अधूरी जानकारी के साथ निवेश की शुरुआत नहीं हो सकेगी

म्यूचुअल फंड निवेश प्रक्रिया में हो रहे हैं अहम बदलाव, निवेशकों पर क्या होगा असर

अभी तक कई मामलों में अकाउंट केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही खुल जाता था

अब से पहले, म्यूचुअल फंड्स के निवेशकों को अपने निवेश के रिस्क पैरामीटर्स की जानकारी महीने के अंत में मिलती थी, यह जानकारी हर महीने के 15 दिन के भीतर उपलब्ध होगी।

एक बार फिर म्यूचुअल फंड प्रक्रिया में बदलाव हो रहे हैं। इसका निवेशकों पर भी असर पड़ना स्वाभाविक है। इसके कुछ फायदे होंगे तो कुछ नुकसान भी निवेशकों को भुगतने पड़ सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि आप भी निवेशक हैं या निवेश यात्रा शुरू करने जा रहे हैं तो आप अलर्ट हो जाएं और सभी दस्तावेजों को जांचके के बाद ही निवेश यात्रा शुरू करें। बताया जा रहा है कि मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा एक बार फिर म्यूचुअल फंड के नियमों में रिफॉर्म का प्रपोजल लाया गया है। सेबी ने निवेशकों और एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) को हो रही दिक्कतों को कम करने के लिए नए म्यूचुअल फंड फोलियो में पहली बार किए जाने वाले निवेश (पहला ट्रांजैक्शन) की प्रक्रिया को एक जैसा (स्टैंडर्ड) बनाने का प्रस्ताव दिया है। सेबी ने प्रस्ताव रखा है कि अब म्यूचुअल फंड अकाउंट केवल तब ही खोले जा सकेंगे जब निवेशक की केवाईसी प्रक्रिया पूरी तरह से सत्यापित हो जाएगी। हलांकि सेबी की तरफ से की जा रही इस कार्यवाही से निवेशकों को लाभ ही होगा और वे किसी भी तरह के फर्जीवाड़े से बच सकेंगे।

निवेशकों के हितों के लिए जरूरी

असल में मार्केट रेगुलेटर सेबी द्वारा समय समय पर म्यूचुअल फंड के नियमों में कुछ न कुछ बदलाव किया जाता है, ताकि निवेशकों का हित बना रहे, साथ ही एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को भी आसानी हो। बीते कुछ सालों में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का लोकप्रियता निवेशकों के बीच बहुत ज्यादा बढ़ी है। इंडस्ट्री का कुल एयूएम 75 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। ऐसे में सेबी समय समय पर यह ध्यान रखती है कि नियमों में कुछ बदलाव किया जाए या रिफॉर्म किया जाए। बीते कुछ महीनों में सेबी ने कुछ बदलाव या रिफॉर्म किए हैं और आगे के लिए भी कुछ प्रपोजल है। ये निवेशकों को म्यूचुअल फंड में निवेश के दौरान बड़ी राहत देने का काम करेंगे। आप भी निवेश करने जा रहे हैं अपने दस्तावेजों को साथ रख लें।

सेबी म्यूचुअल फंड के नियमों में रिफॉर्म का प्रपोजल लाया, सभी दस्तावेज देने होंगे

नए प्रपोजल के क्या हैं मायने

अब अधूरे दस्तावेज या अधूरी जानकारी के साथ निवेश की शुरुआत नहीं की जा सकेगी। अभी की बात करें तो कई मामलों में निवेशक का अकाउंट केवाईसी प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही खुल जाता है, जिससे आगे चलकर उन्हें ट्रांजेक्शन, रिडेम्पशन और डिविडेंड पाने में परेशानी होती है। इसी को रोकने के लिए सेबी यह नया सिस्टम लागू करने जा रहा है। नया सिस्टम लागू होने के बाद पूरी पारदर्शिता के साथ लोग निवेश कर पाएंगे और अपने निवेश को सुरक्षित भी रख सकेंगे। जब एमएसी (एसेट मैनेजमेंट कंपनी) को अकाउंट खोलने के लिए जरूरी दस्तावेज मिल जाएं और केवाईसी प्रक्रिया पूरी हो जाए, तभी नया फोलियो बनाया जाएगा। केवाईसी पूरी होने के बाद, एएमसी कंपनी इन दस्तावेजों को केवाईसी रजिस्ट्रेशन एजेंसी (केआर) को भेजेगी, जो केवाईसी की अंतिम जांच करेगी।

डिस्क्लोजर नियमों में बदलाव

एएफएफआई और सेबी ने छोटे निवेशकों की सुरक्षा के लिए डिस्क्लोजर नियमों में बदलाव किया है। निवेशकों को अपने निवेश के लिए अधिक स्पष्ट और विस्तृत जानकारी प्राप्त करने का अधिकार होगा। यह नियम निवेशकों को उनके निवेश के लिए सही और समय पर जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा।

कट-ऑफ टाइम में बदलाव

इस साल सेबी ने ओवरनाइट म्यूचुअल फंड स्कीम्स के लिए कट-ऑफ टाइम में बदलाव किया है। 1 जून 2025 से ऑफलाइन लेनदेन का समय दोपहर 3 बजे तक हो गया है। ऑनलाइन लेनदेन का समय शाम 7 बजे तक है। इन समयों के बाद किए गए लेनदेन अगले कारोबारी दिन प्रोसेस होंगे, जिससे एनएवी (नेट एसेट वैल्यू) बदल सकती है। बदलाव प्लेजिंग (गिरवी रखने) की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए किया गया है।

एनएफओ को लेकर क्या बदलाव

एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) से जुटाए गए पैसों को तय समय में निवेश करना होगा। अगर वे ऐसा नहीं करते, तो निवेशक बिना एग्जिट लोड दिए अपना पैसा निकाल सकते हैं। यह नियम एएमसी को जरूरत से ज्यादा पैसा जुटाने से रोकेगा और सही जगह निवेश सुनिश्चित करेगा। इसके लिए 30 दिन का समय निर्धारित है।

स्ट्रेस टेस्ट के नतीजे बताने होंगे

म्यूचुअल फंड स्कीम्स को स्ट्रेस टेस्ट के नतीजे बताने होंगे, ताकि निवेशकों को स्कीम की वित्तीय स्थिति का सही अंदाजा हो सके। एएमसी कर्मचारियों की सैलरी का कुछ हिस्सा म्यूचुअल फंड स्कीम्स में लगाया जाएगा। कितना पैसा और किन स्कीम्स में निवेश होगा, यह उनकी भूमिका पर निर्भर करेगा। इससे कर्मचारियों और निवेशकों का हित एक जैसा होगा।

छग : 2000 में थे 19 लाख उपभोक्ता, अब संख्या पहुंची 65 लाख के पार

राज्य बना तब बिजली टिमटिमा रही थी, सिर्फ 1309 मेगावाट की थी खपत

25 सालों में आंकड़ा 7000 पार

छत्तीसगढ़ को राज्य बने 25 साल हो रहे हैं। इन 25 सालों में प्रदेश में बिजली के उपभोक्ताओं की संख्या में 46 लाख से ज्यादा बढ़ गई है। राज्य बनने के समय प्रदेश में व्रर्ष 2000 में बिजली के उपभोक्ताओं की संख्या 19 लाख से भी कम थी। यह संख्या अब 65 लाख के पार हो गई है। इसी के साथ बिजली की खपत में भी पांच गुना इजाफा हो चुका है। पहले खपत 1309 मेगावाट थी, जो अब सात हजार मेगावाट के पार हो चुकी है। कृषि पंपों की संख्या भी छह लाख तक पहुंच गई है। इसी के साथ अस्थाई कृषि पंप भी ढाई लाख के आसपास हो गए हैं।

राजकुमार ग्वालानी ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के बाद प्रदेश में बिजली की रफ्तार से ही बिजली के उपभोक्ता बढ़े हैं। इसी के साथ सुविधाओं का भी विस्तार हुआ है। जब अपना राज्य अलग हुआ था, तो उस समय प्रदेश में निम्न दाब के महज 1890998 उपभोक्ता थे, जो आज बढ़कर 6521951 हो गए हैं। उच्च दाब के उपभोक्ता महज 530 थे, जो अब बढ़कर 4177 हो गए हैं। यानी राज्य बनने के बाद यहां पर उद्योगों में भी भारी संख्या में इजाफा हुआ है। छत्तीसगढ़ बनने के पहले प्रदेश में महज 73369 कृषि पंप थे। इसकी संख्या में प्रदेश में भाजपा शासनकाल में तब भारी संख्या में इजाफा होना प्रारंभ हुआ, जब कृषि पंपों के लिए मुफ्त बिजली योजना का प्रारंभ किया। इसके बाद से लगातार कृषि पंपों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इस समय स्थाई कृषि पंपों की संख्या 594277 है। इसी के साथ अब अस्थाई पंप कनेक्शन भी दिए जा रहे हैं। पहले राज्य में एक भी अस्थाई कृषि पंप नहीं था, लेकिन अब 242390 अस्थाई कृषि पंपों के कनेक्शन हैं। इसी के साथ सोलर कृषि पंपों के

अपना उत्पादन तीन हजार मेगावाट

छत्तीसगढ़ राज्य उत्पादन पॉवर कंपनी की उत्पादन क्षमता 2960 मेगावाट है। मड़वा में 500 मेगावाट के दो संयंत्र हैं। इसी के साथ कोरबा में 210 मेगावाट के चार और एक पांच सौ मेगावाट का संयंत्र है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी संयंत्र में 250 मेगावाट के दो संयंत्र हैं। इसी के साथ बांगो में 40 मेगावाट के 3 पानी के संयंत्र हैं। इन संयंत्रों से रोज 25 से 26 सौ मेगावाट का ही उत्पादन होता है। कभी कोई संयंत्र खराब हो गया तो उत्पादन दो हजार से 22 सौ मेगावाट हो जाता है।

तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एनटीपीसी सीपत के निर्माण का जनवरी 2002 में शिलान्यास किया।

बिजली की खपत पांच गुना बढ़ी

छत्तीसगढ़ राज्य अलग हुआ था, तब प्रदेश में बिजली की खपत महज 1309 मेगावाट थी, तब प्रदेश में बिजली का उत्पादन भी महज 1360 मेगावाट होता था। राज्य के अलग बनने के बाद से ही प्रदेश में जहां एक तरफ तेजी से उपभोक्ताओं की संख्या में इजाफा हुआ, वहीं बिजली की खपत में इजाफा होना प्रारंभ हुआ। पहली बार बिजली की खपत 2003 में दो हजार मेगावाट के पार होकर 2335 मेगावाट तक पहुंची। इसके बाद 2013 में खपत तीन हजार मेगावाट के पार और 2018 में चार हजार मेगावाट के पार गई। 2023 में खपत ने पांच हजार मेगावाट का आंकड़ा पार किया और अब खपत इस साल सात हजार मेगावाट के पार हो गई है।

सेंट्रल सेक्टर से साढ़े तीन हजार मेगावाट का शेयर

प्रदेश में बिजली की जितनी डिमांड रहती है उसको पूरा करने के लिए सेंट्रल सेक्टर से बिजली ली जाती है। सेंट्रल सेक्टर से करीब साढ़े तीन हजार मेगावाट का शेयर है। इस बार गर्मी में खपत 7006 सौ मेगावाट तक गई तो सेंट्रल सेक्टर से चार हजार मेगावाट से ज्यादा बिजली लेकर पूर्ति की गई थी। इसी के साथ पॉवर कंपनी को स्थानीय निजी उत्पादकों से भी बिजली मिलती है। दूसरे राज्यों से भी एक्सचेंज में बिजली लेते हैं। कुल मिलाकर जितनी डिमांड रहती है उसको पूरा करने का काम किया जाता है।

14 हजार मेगावाट बिजली की नई योजनाएं

प्रदेश सरकार राज्य में बिजली का उत्पादन बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। 14 हजार मेगावाट की योजनाओं पर काम चल रहा है। पहले चरण में इस साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरबा में 660 मेगावाट के दो संयंत्रों के निर्माण का उद्घाटन किया है। इसी के साथ इस साल की पहली नई योजना का प्रारंभ हो गया है। अब पॉवर कंपनी का बड़ा फोकस प्रदेश में पानी से 7300 मेगावाट बिजली बनाने पर है। इसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के गृह जिले जशपुर में पानी से 35 सौ मेगावाट बिजली बनाने के लिए दो संयंत्र लगेंगे। यहां पर 21 और 14 सौ मेगावाट के दो संयंत्रों लगेंगे। इसको लेकर प्रक्रिया भी प्रारंभ हो गई है और एमओयू भी हो गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद 16 साल में ही छग को मिल गए थे राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थान

2005 में एनआईटी, नींव रखी थी राजेंद्र प्रसाद ने, पहले बैच में थे सिर्फ 15 छात्र

रुचि वर्मा ▶▶| रायपुर

2000 के पूर्व यदि प्रदेश के किसी छात्र को राष्ट्रीय स्तर के संस्थान से मैनेजमेंट, इंजीनियरिंग या इस तरह की किसी उपाधि की ख्वाहिश होती थी, तो अध्ययन के लिए राज्य से बाहर जाने के अलावा उनके पास कोई और विकल्प नहीं होता था। अब ऐसे हालात नहीं हैं। राज्य बनने के 16 साल के अंतराल में ही प्रदेश में एनआईटी, आईआईएम, ट्रिपलआईटी और आईआईटी की सौगात लोगों को मिल चुकी थी। कम वर्षों में ही इन संस्थानों ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली रैंकिंग में अपना स्थान निर्मित कर लिया है। दूसरे

एनआईटी : 1 दिसंबर 2005

राज्य निर्माण के बाद प्रदेश को जिस पहले राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थान की सौगात मिली, वो एनआईटी रायपुर रहा। जिस कैंपस में एनआईटी का संचालन हो रहा है, उसकी स्थापना 1956 में शासकीय खनन एवं धातुकर्म महाविद्यालय के रूप में हुई थी। बाद में 2005 में इसे राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) घोषित कर दिया गया। खास बात यह है कि जिस कैंपस में एनआईटी का संचालन हो रहा है और जो पूर्व में शासकीय खनन एवं धातुकर्म महाविद्यालय था, उसकी स्थापना 1 मई, 1956 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्वारा की गई थी। इसके पहले बैच में सिर्फ 15 छात्र थे। 1 दिसंबर 2005 को इसे राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान का दर्जा प्रदान किया गया।

आईआईएम: 11 अक्टूबर 2010

आईआईएम का उद्घाटन 11 अक्टूबर 2010 को हुआ था। इसी वर्ष से आईआईएम में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की शुरुआत कर दी गई थी। प्रारंभ में इसे शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज रायपुर के कैंपस में संचालित किया गया, लेकिन अब आईआईएम के पास नवा रायपुर में अपना भवन है।

ट्रिपलआईटी : अगस्त 2015

नवा रायपुर में स्थित इस अंतर्राष्ट्रीय संस्थान को छत्तीसगढ़ सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अधिनियम 2013 के तहत मान्यता प्रदान की। अगस्त 2015 से यहां विधिवत कक्षाओं की शुरुआत हुई।

आईआईटी : अगस्त 2016

ट्रिपलआईटी की सौगात मिलने के एक साल बाद ही छत्तीसगढ़ को आईआईटी भिलाई की भी सौगात मिल गई। आईआईएम की तरह इसके भी शुरुआती सत्र शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज रायपुर में ही संचालित हुए। अब भिलाई में संस्थान का अपना कैंपस है, जहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत कई तरह के प्रयोग हो रहे हैं।

विभाजन में मिले थे 2 विवि, 25 साल में हो गए 25

वर्तमान में 9 शासकीय, 15 निजी और एक केंद्रीय विवि

एक नवंबर 2000 को जब हमारा प्रदेश मध्यप्रदेश से अलग हुआ, उस वक्त हमारे हिस्से सिर्फ दो ही विवि आए थे। 1964 में रायपुर में स्थापित पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय और 1993 में बिलासपुर में स्थापित गुरु घासीदास विश्वविद्यालय। गुरु घासीदास विवि को स्थापित हुए उस वक्त सिर्फ 7 साल ही हुए थे। पाठ्यक्रमों की विविधता सहित अन्य दृष्टिकोण से यह विवि अधिक समृद्ध नहीं था। कोई भी राष्ट्रीय शैक्षणिक संस्थान उस वक्त तक छग में स्थापित नहीं हो सका था। ऐसे में प्रदेशभर की शिक्षा का भार मुख्य रूप से पं.रविशंकर शुक्ल विवि पर ही था। पिछले 25 सालों में शिक्षा के क्षेत्र में छग तेजी के साथ आगे बढ़ा और आज यहां 25 विवि हैं। इनमें 9 शासकीय, 15 निजी और एक केंद्रीय विवि शामिल हैं। गुरु घासीदास विवि को ही बाद में केंद्रीय विवि की मान्यता प्रदान की गई। इंजीनियरिंग, मेडिकल, संगीत, पत्रकारिता सहित अन्य सभी पाठ्यक्रमों का एकीकरण रविवि में ही होने के कारण यहां कार्यभार बढ़ता गया। रविवि से पृथक होकर ही 2005 में स्वामी विवेकानंद तकनीकी विवि की स्थापना की गई। आयुष विवि, दुर्ग विवि भी रविवि से पृथक होकर ही स्थापित हुए। आज प्रदेश में मेडिकल, इंजीनियरिंग सहित सभी तरह की शैक्षणिक उपाधियों के लिए पृथक विवि हैं, जो अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं।

335 शासकीय महाविद्यालय कटऑफ 90% पार

विश्वविद्यालयों के साथ प्रदेश में महाविद्यालयों की संख्या भी पिछले 25 वर्षों में सुखद रूप से बढ़ी है। वर्तमान में यहां 335 शासकीय महाविद्यालय हैं। साथ ही 12 अनुदान प्राप्त अशासकीय महाविद्यालय और 256 अनुदान-अप्राप्त अशासकीय महाविद्यालय अर्थात प्राइवेट कॉलेज हैं। विभाग द्वारा नवीन शासकीय और अशासकीय महाविद्यालयों को मान्यता प्रदान करने संबंधित प्रक्रिया जारी है। इस संख्या में जल्द ही बढ़ोत्तरी होगी। विशेष बात यह है कि इनमें से कई महाविद्यालय ऐसे हैं, जहां प्रवेश के लिए छात्रों में इतनी मारामारी रहती है कि कटऑफ 90% के पार चला जाता है।

दार्जिलिंग महाकाल मंदिर में महिलाओं के लिए ड्रेस कोड

नई दिल्ली। दार्जिलिंग स्थित महाकाल मंदिर में लड़कियों के छोटे कपड़े पहनकर आने पर रोक लगा दी गई है। मंदिर प्रबंधन ने मंदिर की गरिमा और पवित्रता बनाए रखने के लिए ये निर्णय लिया है। मंदिर समिति ने दक्षिण भारत के मंदिरों की तर्ज पर ड्रेस कोड के इस फैसले को लागू किया गया है। मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर और दिल्ली के कालका जी मंदिर में भी यह नियम लागू हैं। अब दार्जिलिंग का महाकाल मंदिर देश का तीसरा ऐसा मंदिर बन गया है, जहां लड़कियों के छोटे कपड़े पहनकर आने पर रोक लगा दी गई है। मंदिर गेट के बाहर पोस्टर लगाए गए हैं, जिनमें लिखा है कृपया मंदिर में प्रवेश से पहले उचित परिधान धारण करें। शाट्र्स, मिनी स्कर्ट, स्लीवलेस टॉप प्रतिबंधित। इधर, समिति ने भक्तों की सुविधा के लिए डोनेशन काउंटर पर चूड़ीदार और घाघरा रखवाए हैं। जो अनजाने में छोटे कपड़े पहनकर आ जाएं, वे वहां से सस्ते दाम पर किराए पर ले सकते हैं।

राशिफल

मेष — संगीत में रुचि बढ़ेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विदेश जाने के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचने का प्रयास करें।

वृष — खर्चों की अधिकता रहेगी। कला एवं संगीत में रुचि हो सकती है। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। पठन-पाठन में रुचि बढ़ सकती है। परिवार में आपसी वाद-विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।

कर्क — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। उच्च शिक्षा के लिए विदेश प्रवास हो सकता है। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा।

सिंह — कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कन्या — कार्यभार में वृद्धि होगी। बौद्धिक कार्यों से धन प्राप्त होगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। बातचीत में संतुलन बनाकर रखें।

तुला — लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। रहन-सहन कष्टमय

वृश्चिक — संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। खर्च भी बढ़ेंगे।

धनु — स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

मकर — आलस्य की अधिकता हो सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — क्रोध से बचें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। पठन-पाठन में रुचि

मीन — किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबारी कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

छग में रेलवे अब छुकछुक नहीं, सुपरफास्ट...

माल लदान से कमाई 450 करोड़ से पहुंची 5 हजार करोड़ के करीब, 70 से ज्यादा नई ट्रेनें

छत्तीसगढ़ और मंडल की स्थापना होने के बाद स्टेशनों में यात्री सुविधा के साथ कमाई भी बढ़ी

छत्तीसगढ़ को राज्य के रूप में स्थापित हुए आज पूरे 25 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस बीच हर क्षेत्र में वृहद रूप में प्रदेश विकसित और समृद्ध हुआ है। इसमें भारतीय रेलवे रायपुर मंडल भी शामिल है। रायपुर सन 2003 तक बिलासपुर का हिस्सा रहा, जिसके बाद 1 अप्रैल 2003 से अलग होकर जब मंडल का गठन हुआ, इसके बाद रायपुर ने भी विकास का नया कीर्तिमान हासिल किया।

ललित राठोड़ ▶▶| रायपुर

इन 25 वर्षों में जोन के नैरो गेज से ब्रॉड गेज के सफर को याद किया जाए, तो उस समय यात्री मेल एक्सप्रेस ट्रेनों की संख्या लगभग 105 हुआ करती थी और पैसेंजर ट्रेन लगभग 38 हुआ करती थी, जो अब वर्तमान में रायपुर से गुजरने वाली मेल एक्सप्रेस 162 और यात्री पैंसेजर ट्रेन 55 तक पहुंच चुकी हैं। मंडल के गठन समय में माल लदान आय लगभग 450 करोड़ हुआ करती थी, जो अब 4828.88 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है। इसके अलावा यात्रियों का फुटफॉल लगभग 20 हजार से अब मंडल का प्रतिवर्ष 05 करोड़ 09 लाख व रायपुर स्टेशन प्रतिवर्ष 2 करोड़ 51 लाख, इसके अलावा रायपुर स्टेशन पर प्रतिदिन फुट फॉल 69 हज़ार पहुंच गया है।

रायपुर मंडल की प्रतिदिन की कमाई अब 1 करोड़ 67 लाख

राज्य स्थापना के बाद जैसे रायपुर मंडल बना वैसी ही विकास के साथ-साथ कमाई भी रेलवे की बढ़ती गई है। 25 वर्ष पूर्व मंडल की प्रतिदिन कमाई लाखों में होती थी, लेकिन अब करोड़ में पहुंच चुकी है। रायपुर मंडल प्रतिवर्ष यात्री आय 607 करोड़ 82 लाख तक पहुंच गया है जब प्रतिदिन यात्री आय 1 करोड़ 67 लाख हो चुकी है। बता दें कि रायपुर के रेलवे स्टेशन का इतिहास 130 साल से भी पुराना है। 1888 में इसे बनाया गया था। मुख्य तौर पर खनिज परिवहन के लिए रायपुर की रेल लाइन का इस्तेमाल होता था। बंगाल और नागपुर रेलवे रायपुर स्टेशन का संचालन करते थे। 70 के दशक में इस रेल लाइन को बिजली से जोड़ा गया।

माल लदान में सबसे अधिक राजस्व अर्जित वाला जोन बना बिलासपुर: 22 साल पहले बिलासपुर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोन की स्थापना हुई थी। इस दौरान बिलासपुर जोन ने 83.02 मिलियन टन माल लदान करते हुए 5344 करोड़ रुपए का राजस्व कमाया था। 22 साल बाद यानि वर्ष 2023-24 में माल लदान बढ़कर 236.02 मिलियन टन हो गया, जिससे 27795 करोड़ की आय रेलवे को हुई है। वर्ष 2003-04 में 83.02 मिलियन टन माल लदान का ग्राफ प्रतिवर्ष बढ़ते गया।

अब दिन में यात्रियों की आवाजाही हुई 60 हजार से अधिक

बिलासपुर जोन के साथ रायपुर मंडल के स्टेशनों में सुविधा भी 25 वर्षों में बढ़ी है इसलिए पहले रायपुर की गनती ए से एफ श्रेणी के स्टेशनों में होती थी, अब ए वन में होती है। पहले मंडल में आरक्षण केंद्र 18 थे अब 42 है। अनारक्षित टिकट केंद्र 21 से 64 बन गए। रूट किलोमीटर 355.8 से 412 तक हो चुका है। ट्रैक किलोमीटर भी 881.8 से 1064 तक पहुंच चुका है। जानकारी मुताबिक 2003 के समय में माल लदान 19.14 मिलियन टन होता थाज जो अब 44.73 मिलियन टन हो चुका है। इस वजह से पहले जहां प्रतिदिन 20 से 25 हजार तक यात्रियों की आवाजाही होती थी, जो अब प्रतिवर्ष यात्रियों की संख्या जाने वाले 1 करोड़ 09 लाख आने वाले 1 करोड़ 37 लाख हो चुकी है। प्रतिदिन में आने और जाने वाले यात्री अब 60 हजार से भी अधिक हैं।

चीन-रूस को दिखाने ट्रंप करवाने जा रहे परमाणु बम टेस्ट

वाशिंगटन। अमेरिका एक बार फिर अपनी परमाणु ताकत का प्रदर्शन करने की तैयारी में जुट गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रक्षा मंत्रालय पेंटागन को जल्द से जल्द न्यूक्लियर टेस्ट शुरू करने का आदेश दिया है। इस कदम का उद्देश्य चीन और रूस जैसी परमाणु शक्तियों के बराबर अपनी क्षमता को प्रदर्शित करना है। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परमाणु हथियार परीक्षण तुरंत फिर से शुरू करने के निर्देश पर विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह आदेश वास्तविक विस्फोटक परमाणु परीक्षणों से संबंधित है, तो यह अमेरिका का अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और मानवता के लिए चिंताजनक कदम होगा।

वैवाहिकी
वधु चाहिए
* वधु चाहिए *
बंगाली क्षत्रिय,
जनरल कास्ट,
उम्र 36वर्ष,
हाइट 5'-8"
बीकॉम,
स्वयं का दुकान,
बिलासपुर निवासी।
मैरिज ब्यूरो क्षमा करें
-:सम्पर्क करें:-
7223094942

शब्द पहेली - 6035

बाएँ से दाए-
1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे
1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -6034 का हल

सूडोकु नवताल - 6045

***** कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6044 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

कुछ शब्दों तक सिमटी किशोर-युवाओं की बातचीत

घर, ऑफिस, कॉलेज हो या कोई पार्टी जहां कहीं भी किशोर या युवा आपस में बातचीत करते हैं, तो अधिकतर अंग्रेजी के कुछ शब्दों तक ही सिमटे रहते हैं। मातृभाषा संस्कार और क्षेत्रीयता का सोंधापन उसमें से नदारद रहता है। नई तकनीकी का हस्तक्षेप, विदेशी जीवनशैली और आधुनिकता के अंधानुकरण जैसी कई वजहें इसके लिए जिम्मेदार हैं। इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

एक जमाना था, जब संयुक्त परिवारों में रहने वाले बच्चे किशोरावस्था में ही ऐसे मुहावरे और कहावतें दोहराने लगते थे, जो आज के किशोरों के मुंह से सुनने को मिलें तो निश्चित रूप से आश्चर्य हो- जैसे कि 'नहले पे दहला' और 'सौ सुनार की एक लुहार की।' ये कहावतें या मुहावरे अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक किशोरों के मुंह से सुनना आश्चर्य की बात नहीं होती थी। लेकिन अगर आज की बात करें तो किशोरों के पास अंग्रेजी के कुछ गिने-चुने शब्द ही होते हैं, जिन्हें वे आपसी संवाद के दौरान अकसर दोहराते रहते हैं। मसलन- 'ओके, रियली, यू नो, वाव और ट्रस्ट मी।' जैसे बमुश्किल एक दर्जन अंग्रेजी के शब्द हैं, जो विशेषकर आज के शहरी बच्चे अकसर आपस में बातचीत के दौरान दोहराते रहते हैं।

मातृभाषा से बढ़ती दूरी: आज पूरे भारत में सभी क्षेत्रों की मातृभाषाओं पर यह संकट देखने को मिल रहा है। आज चाहे दक्षिण भारत हो या उत्तर, मध्य हो या पश्चिम। शहरी क्षेत्र में कहीं भी बच्चे खासकर किशोर और युवा अपनी मातृभाषा के मुहावरों, कहावतों और लोकोक्तियों के इस्तेमाल में जरा भी सहज नहीं दिखते हैं।

आजकल के किशोर और नौजवान बात-बात में 'ब्रो', 'दैट्स', 'लिट' और 'रियली यार' जैसे अंग्रेजी के शब्द तो बार-बार दोहराते हैं, लेकिन उनकी रोजमर्रा की जुबान में खांटी मातृभाषा के शब्द ढूंढ़े नहीं मिलते। वास्तव में हमारी नई पीढ़ी की वोकेबलरी किसी भाषायी विकास की नहीं बल्कि दिनों-दिन बढ़ रही सांस्कृतिक दूरी की कहानी कहती है और यह दूरी उस समय से बढ़नी शुरू हुई है, जब हम सदियों की अपनी गुलाम मानसिकता के मनोवैज्ञानिक दबाव में अपनी मातृभाषा को अंग्रेजी के सामने दरिद्र मान लेते हैं और इसी भावना के चलते अपनी रोजमर्रा की बातचीत में टूटे-फूटे अंग्रेजी के शब्द बार-बार दोहराकर अपने को मॉडर्न दिखाने की कोशिश करते हैं।

मोबाइल की लत का असर: आजकल घरों में मां-बाप के साथ बोली जाने वाली मातृभाषा को किशोर और युवा आपस में बोलना ओल्ड फैशन समझते हैं। इसलिए वे हर जगह अंग्रेजी के कुछ शब्दों से काम चलाते रहते हैं। सोशल मीडिया ने विशेषकर मोबाइल की लत लगने के बाद इस आदत को और पक्का बना दिया है। वास्तव में सोशल मीडिया का कुछ वैश्विक प्रभाव नई पीढ़ी पर इस कदर पड़ा है कि अंग्रेजी के शब्द अपनी रोजमर्रा की बातचीत में बोलना ग्लैमर लगने लगा है। जबकि हम सब जानते हैं कि ये बहुतायत में इस्तेमाल हो रहे अंग्रेजी के टूटे-फूटे शब्द अपनी अभिव्यक्ति में किसी तरह की भावना नहीं जगाते बल्कि बस स्टाइल बनकर रह गए हैं।

भावनात्मक गहराई से बढ़ी दूरी: अभी एक-डेढ़ दशक पहले तक बातचीत में इस्तेमाल होने वाली कोई एक कहावत या कोई एक देसी मुहावरा हमारे दुखी और परेशान मन की सारी कहानी कह देता था। लेकिन आज बस 'मूड ऑफ' कह देने भर से काम चल जाता है। वास्तव में यह चेतावनी है कि अगर हम जल्दी चेते नहीं, तो हमारी मजबूत अभिव्यक्ति के देसी शब्द खो जाएंगे, तब हमें कहना ही नहीं, किसी के कहे हुए को समझना भी आसान नहीं होगा। आज सिर्फ कॉलेज, सोशल मीडिया में ही नहीं, दफ्तरों में भी लोगों के बीच अकसर अंगुलियों में गिने जाने वाले कुछ शब्दों से पूरी बातचीत कर लेने की कोशिश देखी जाती है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि चाहे सोशल मीडिया हो, चाहे लोगों के बीच निजी संवाद हो या सार्वजनिक बतकही ही क्यों न हो? बस थोड़े से ही शब्द हमारे इर्द-गिर्द गूंजते रहते हैं। आजकल बातचीत में जरा भी ठहराव या भावनाओं की गहराई देखने को नहीं मिलती। 'टू द प्वाइंट' कहकर लोग तेजी से सतहीपन को सही ठहराने की कोशिश करते रहते हैं।

एक जमाना था, जब लोग आपस में बातचीत में रुचि लेते थे, लेकिन आज तो बस 'रिप्लाई' करते हैं। वास्तव में यह फर्क भाषा के विकास का नहीं, मातृभाषा से बढ़ी हुई दूरी का परिचायक है। आज के किशोरों और हाल में जवान हुए कितने युवाओं के मुंह से आपने 'घर की मुर्गी दाल बराबर' या 'नाच न आवे आंगन टेढ़ा' जैसे मुहावरे-लोकोक्तियां सुनी हैं? जबकि एक-डेढ़ दशक पहले युवाओं के बीच इस तरह के मुहावरे बातचीत का हिस्सा होते थे। ये शब्द या ये मुहावरे, खालिस बातचीत नहीं होते, ये हमारे बाप-दादाओं की संस्कृति को हम तक पहुंचने का जरिया होते हैं, जो अब लगातार खत्म हो रहे हैं। आज के युवा और किशोर अगर ये शब्द, शब्दावलियां, मुहावरे तथा कहावतों से दूर हैं, तो यह दूरी यहीं तक सीमित नहीं है। इनकी यह दूरी लगातार अपनी विरासत, संस्कृति और मातृभाषा से भी हो रही है। आज की पीढ़ी 'टेकन फॉर ग्रांटेड', 'कर्मा हिट्स बैक' या 'दैट्स हाउ इट वर्क्स' जैसे विदेशी वाक्य दोहराती है, जो कि निरा कोरे शब्द होते हैं। इनमें जरा भी भावनात्मक गहराई देखने को नहीं मिलती।

शॉर्टकट्स-इमोजी का बढ़ा ट्रेंड: वास्तव में मोबाइल और इंटरनेट ने संवाद को 'फास्ट फूड' में बदल दिया है। जल्दी लिखो, जल्दी भेजो, जल्दी भूलो, यही सब देखने को मिल रहा है। अब लोग 'थैंक यू' भी पूरा नहीं लिखते बल्कि 'टीएचएक्स' लिखकर काम चलना चाहते हैं। 'क्या हाल है' की जगह अब नई पीढ़ी सिर्फ 'एसयूपी' लिखकर अपने को कूल समझती है। वास्तव में नई पीढ़ी अब इस कदर शॉर्टकट की भाषा बोल रही है कि वह अपनी आधी से ज्यादा अभिव्यक्तियों को इमोजियों के हवाले कर देती है और उनके विचार तो बस स्टेटस अपडेट तक सीमित होकर रह गए हैं। यही वजह है कि आज युवा पीढ़ी में भाषा का अभ्यास और शब्दों की संवेदना दोनो का ही घोर अभाव दिखता है।

हमारे युवाओं और किशोरों की यह नई शब्दावली, परिवार और लोक-संस्कृति के छीजने का भी परिणाम है। इसलिए हमें बहुत जल्दी सचेत हो जाना चाहिए और यह दोहरा लेना चाहिए कि भाषा का पतन शब्दों का पतन नहीं, विचारों का पतन होता है। इसलिए जितना जल्दी हो, हमें अपनी संस्कृति और सभ्यता को अगर जीवंत बनाए रखना है, तो अपनी मातृभाषा को समृद्ध बनाना होगा, सिर्फ पढ़ने के मामले में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा के संवाद में भी। *

आधुनिक जीवनशैली की आपा-धापी और आर्थिक संसाधन जुटाने की जद्दोजहद में अधिकांश युवा, अपने पैरेंट्स से दूर रहने को मजबूर रहते हैं, उनकी केयर नहीं कर पाते हैं। उनको भी इस बात का मलाल होता है। ऐसे में समझदारी इसी में है कि एक संतुलन बनाते हुए अपने बुजुर्ग पैरेंट्स की देखभाल की जाए।

जीवन की सांझ में पैरेंट्स महसूस ना करें अकेलापन

दायित्व / डॉ. मोनिका शर्मा

हाल ही में दिल्ली के एक युवक की इमोशनल पोस्ट सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। इस पोस्ट में लिखा गया था कि वह देर रात 3:30 बजे अस्पताल के बाहर अपनी कार में बैठा है और लगभग 36 घंटे से सोया नहीं है। उसके पिता को दिल का दौरा पड़ा है। वह हालात को संभालने की कोशिश कर रहा है। उसे यह भी अफसोस है कि वह नौकरी के कारण परिवार से दूर हो गया है। अपने माता-पिता के साथ समय नहीं बिता पाया। माता-पिता को वक्त नहीं दे पाया। एक बेटा होने में असफल रहा। युवक ने पिता को हार्ट अटैक आने के बाद दुखी मन से बाद खुद को 'नाकाम बेटा' बताया। असल में बीमारी से जूझते पिता को देख लिखी गई भावुक बातों वाली यह पोस्ट कितने ही युवाओं के लिए थोड़ा ठहरकर सोचने की बात लिए है। ये शब्द अपनों के साथ वक्त बिताने की अहमियत समझाते हैं। समय रहते अपने माता-पिता को समय देने की एक मानवीय चेतावनी सी लिए हैं।

बढ़ने लगती हैं कई चिंताएं: बच्चों की जिंदगी संवारने के लिए अपना जीवन जीना भूल जाने वाले पैरेंट्स थके शरीर और टूटते मन के इस दौर में उनका इंतजार करते रहते हैं। अकेलेपन के घेरे में आ जाते हैं। जाने कब क्या हो जाए का तनाव और सेफ्टी से जुड़ी चिंताएं उन्हें हर पल परेशान करती हैं। सेहत से जुड़ी परेशानी में बिल्कुल ही टूट जाते हैं। उलझाती मनःस्थिति वाली ऐसी बातों के चलते हालिया वर्षों में बुजुर्गों में सुसाइड का आंकड़ा भी बढ़ा है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के मुताबिक वृद्धावस्था में अकेलापन, बुजुर्गों की समय से पहले जान जाने का अहम कारण है। एक निश्चित उम्र के बाद इमोशनल और फिजिकल रूप से अकेलेपन को झेलना इंसान के लिए तकलीफदेह होता है। उम्रदराज लोगों के मामले में तो यह बहुत बड़ी समस्या बन गई है।

अपराधबोध तले दबता मन: यह सच है कि आज के समय में करियर बनाने और जरूरतें जुटाने में लगे युवाओं की मुश्किलें भी कम नहीं हैं। आज के कट थ्रॉट कॉम्पिटीशन में डटे रहना कुछ भी सोचने का समय नहीं देता। अपनों को भी याद करने का वक्त नहीं मिलता। इन हालातों में मन अपराधबोध का भी शिकार बनता है। नेशनल अलायंस फॉर केयर गिविंग और एएआरपी की रिपोर्ट के मुताबिक 47 प्रतिशत लोग अपने माता-पिता की चिंता में भावनात्मक रूप से टूटने लगते हैं। बड़ों के अकेले पड़ जाने की पीड़ा को बच्चों का मन भी समझता है। लेकिन काम-काजी मजबूरियों के कारण पैरेंट्स से दूर रहने वाले लोग भी जानते हैं कि उनके माता-पिता को उनकी देखभाल की जरूरत है। ऐसे में ठहराव की राह खुद ही चुननी होगी। आपा-धापी में अपने अहसासों को बचाने के लिए युवाओं को एक संतुलन तो साधना होगा।

देर ना हो जाए: अपने बुजुर्ग पैरेंट्स से जुड़े रहने के मोर्चे पर समय की टिक-टिक को सुनना भी जरूरी है। वक्त निकल जाने के बाद कुछ नहीं किया जा सकता। जिंदगी भर के लिए एक कसक मन में रह जाती है। देखा जाए तो यह एक रिश्ते को निभाने की बात भर नहीं। उम्रदराज माता-पिता की देखभाल एक मानवीय जिम्मेदारी भी है। सो दूर बैठे केवल महंगे मोल वाली चीजें भेजकर मन को तसल्ली देने के रास्ते ना निकालें। ना भूलें, जीवन की सांझ में अपने बच्चों के इमोशनल सपोर्ट की बुजुर्ग अभिभावकों को सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए जितना अधिक संभव हो, उनके साथ वक्त गुजारें, उनका ध्यान रखें। *

अपनी बात और भावनाएं दूसरों तक पहुंचाने के लिए शब्दों की जरूरत पड़ती है। लेकिन शब्दों से भी गहन अभिव्यक्ति मौन की होती है। मौन से हमें अंतस की भी सहज अनुभूति हो जाती है।

आत्मानुभूति का द्वार मौन

आत्मचिंतन / रश्मि वैभव गर्ग

अभिव्यक्ति का सहज माध्यम हैं- शब्द। लेखन हो या जीवन शब्दों से ही अभिव्यक्त होता है। शब्दों की यात्रा ही, जीवन को गतिशील बनाए रखती है। शब्द न होते तो हम मौन को भी परिभाषित नहीं कर पाते। शब्दों की ध्वनि ही जीवन को गुंजायमान रखती है। शब्दों का अर्थ के साथ, लहजा भी हमारे भावों को दर्शाता है। वास्तव में अभिव्यक्ति के दो ही माध्यम हैं। एक तो शब्द, दूसरा भाव। शब्दों का संसार तो विस्तृत है ही, लेकिन शब्दों से परे भी एक दुनिया होती है, वो है मौन। मौन, वो भी व्यक्त कर देता है, जो शब्द भी व्यक्त नहीं कर पाते हैं।

अव्यक्त को करता है व्यक्त: मौन एक साधना है। इसके विविध रूप हैं। मौन कभी शब्दों का विराम है तो कभी भावों की गहन अभिव्यक्ति है। कभी मौन रोष अभिव्यक्त करता है, तो कभी अगाध प्रेम की अभिव्यक्ति। मौन कभी शब्दों की विवशता भी प्रकट करता है। कभी-कभी शब्द हमारी अनुभूति को व्यक्त ही नहीं कर पाते, उसे मौन व्यक्त कर देता है। शब्द, भावों की गूंज है तो मौन भावों की मूक अभिव्यक्ति है। किसी ने क्या खूब कहा है कि स्पीच इज सिल्वर, साइलेंस इज गोल्ड। सचमुच बोलना चांदी के समान है तो चुप रहना स्वर्ण के तुल्य। कभी ऐसा भी होता कि हम कुछ बोलना चाहते हैं, लेकिन किसी कारणवश बोल नहीं पाते हैं, फिर सोचते हैं कि न बोलना ही श्रेयष्कर रहा।

आत्मसंयम का परिचायक: मौन, अभिव्यक्ति का श्रेष्ठतम माध्यम है। बशर्ते कोई समझने वाला हो। सामाजिक जीवन में संवादरहित अभिव्यक्ति एक गहरा प्रभाव छोड़ती है। चुप रहना भी एक विजय है। अपने शब्दों को विराम देना एक आत्मसंयम है। इस आत्मसंयम को आत्मसात करना हमारी जीत है। बाहरी मौन का संयम रखते हुए, आंतरिक मौन साधना को पाना जीवन दर्शन है। बाहरी मौन जीवन का आनंद है, आंतरिक मौन आत्मा का आनंद है। शब्दों का मौन लौकिक रंग है, आंतरिक मौन, आलौकिक रंग है। आंतरिक मौन यानी सब इच्छाओं की समाप्ति। जो अत्यंत दुष्कर है, लेकिन दुरूह नहीं। आंतरिक मौन जीवन को पूर्ण कर देता है। उतना ही पूर्ण जितना ईश्वर। तृष्णाओं की समाप्ति ही ईश्वर से मिलने का द्वार खोलती है। स्वयं से साक्षात्कार ही ईश्वर से मिलना है, वो तब ही संभव है, जब हम बाहरी व्यक्ति और वस्तुओं को विराम दें, और आंतरिक मौन को धारण करें।

मिलता है आलौकिक आनंद: हर इंसान के अंदर आध्यात्मिक अनुभूति होती है। जैसे पानी में कंकड़ फेंकते हैं तो लहर उठती है, वैसे ही हर आत्मा में अध्यात्म की चेतना होती है, क्योंकि चेतन का स्वभाव ही आत्मतत्व की खोज है। जिसका क्षणिक आभास हम जब-तब करते रहते हैं, लेकिन जब यह आत्मतत्व चिरस्थाई हो जाता है, तो असल आनंद प्राप्त होता है। बाहरी क्रियाएं विचलित करती हैं। आंतरिक मौन, लोक में रहकर आलौकिक सुख प्रदान करता है। स्वयं से स्वयं को ढूंढ़ना ही आंतरिक मौन है। वही ईश्वर से साक्षात्कार है। आत्मा में ही परमात्मा का वास होता है। आंतरिक मौन सृष्टि का अनहद नाद है, जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है।

संसार में रहकर संसार से विरक्ति सबसे कठिन कार्य है। आसक्तियां ही सांसारिक कार्यों को फलीभूत करवाती हैं। जीवन का द्वैत ही यही है कि यदि अध्यात्म को अपनाते हैं तो कर्तव्यों से विमुख हो जाते हैं और कर्तव्यों का निर्वाह, बिना आसक्तियों के होता ही नहीं। इसी झंझावात में जीवन-यापन हो जाता है। वास्तविकता यही है कि हम दो दुनिया में जीते हैं। बाहरी दुनिया जो कर्मशील दुनिया है, जहां हम अपना किरदार निभाने के लिए बाध्य हैं। वो हमें थोड़ी आसक्ति भी देती है। आसक्त होना लाजिमी भी है, क्योंकि वही हमें कर्मशील बनाता है। दूसरी दुनिया है आत्मा का आनंद, जिसे हम स्वयं के भीतर अनुभव कर सकते हैं। ये हमारी अपनी खोज है, अपनी पूंजी है। इसे हम ही प्राप्त कर सकते हैं और इसे कोई हमसे छीन भी नहीं सकता। बाहरी क्रियाकलापों का विराम ही आंतरिक मौन है। बाहर कितना ही शोर हो यदि आंतरिक शांति है तो आप हर जगह विजयी होंगे। कहने का सार यही है कि अपने जीवन की सांसारिक यात्रा के विभिन्न पड़ावों को पूरा करते हुए भी अंतिम ध्येय अंतस का मौन ही होना चाहिए। *

दोहे / घमंडीलाल अग्रवाल

सूनी-सी दहलीज

सूना घर का आंगना, सूनी-सी दहलीज।
भूख, गरीबी बो चुकी, घर गरीब के बीज।।
जैसे को तैसा मिले, हो हमलावर पस्त।
वह भी फिर आश्वस्त-सा, हम भी फिर आश्वस्त।।
बदल रही है जिंदगी, बदल रहा है दौर।
निसदिन नई चुनौतियां, हर पल करिए गौर।।
पांव कुल्हाड़ी मार ली, गए संभलना भूल।
गड्ढा आया सामने, काहे गिरे फिजूल।।
गीता, रामायण पढ़ी, बांचे वेद, कुरान।
हो न सका इंसान तो, एक अदद इंसान।।
भरी भीड़ में हम हुए, बहुत अकेले आज।
अपनेपन का बांधते, किसके सिर पर ताज।
यदि कुपात्र को धन दिया, धन होगा बेकार।
ज्यादा खाकर वस्तुएं, जैसे तन बीमार।।
वाटर एटीएम लगे, सूखे सारे कूप।
परिवर्तन का मोहरा, खड़ा बदलकर रूप।।
फिसला करती हाथ से, पाई कोई चीज।
होते हैं संसार में, ऐसे कुछ नाचीज।।
भले विवेकानंद हों, अथवा गौतम बुद्ध।
कर्तव्यों से ही लड़े, अधिकारों के युद्ध।।

छोटी कहानी
सविता गोयल

तृप्ति

जहां आर्थिक रूप से कमजोर बड़े बेटे कमल ने कैंसर से पीड़ित पिता के इलाज में कोई कसर नहीं छोड़ी, वहीं छोटे बेटे विमल ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़े रखा। पिता के देहांत के बाद उनकी तेरहवीं में विमल ने जैसा दिखावा चाहा, वह अपमानजनक था। एक मर्मस्पर्शी कथा।

यह क्या भैया! ना आपने सारे नाते-रिश्तेदारों को न्यौता दिया और ना ही भोज का आयोजन सही तरीके से किया। समाज में क्या इज्जत रह जाएगी हमारी! अरे पैसे कम पड़ रहे थे तो एक बार बोल दिया होता हमसे। मैं ही कुछ इंतजाम कर देता। पापा की तेरहवीं पर मेरे ससुरजी भी आने वाले हैं। वो क्या सोचेंगे, उनके दामाद ने अपने पिता की तेरहवीं भी ढंग से नहीं की। आप सबको तो पता ही है, वो कितने बड़े आदमी हैं। मेरी क्या इज्जत रह जाएगी उनके सामने?' कमल का छोटा भाई विमल अपनी ही रौब में बोलता जा रहा था।

मनोहरजी को गुजरे आज ग्यारह दिन हो गए थे। पिछले दो साल से वह बहुत पीड़ा में थे। कैंसर की बीमारी में एक-एक दिन सालों की तरह गुजर रहे थे। उनका बड़ा बेटा कमल और बहू मीना ने अपने पिता की सेवा और इलाज में अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ी। किराने की दुकान में कोई ज्यादा कमाई नहीं थी, लेकिन जितना बन पड़ा, उसमें उन्होंने कभी अपना हाथ पीछे नहीं खींचा।

कमल अपने माता-पिता के साथ ही रहता था। छोटा बेटा विमल जब से पढ़-लिखकर इंजीनियर बनकर शहर में बसा, कभी पलट कर वह घर नहीं आया। नौकरी अच्छी थी तो बड़े घर की लड़की का रिश्ता भी आ गया था। अब तो विमल के और भी पंख लग गए थे।

पिता की बीमारी का पता होने के बाद भी कभी उसने उनके इलाज और देखभाल में बड़े भाई का हाथ नहीं बंटाया। एक बार कांता देवी ने विमल से कहा भी, 'बेटा, कमल का हाथ थोड़ा तंग रहता है, ऊपर से तेरे पिताजी की बीमारी पर बहुत पैसा खर्च हो रहा है। तुम थोड़ी मदद कर दोगे तो उसे थोड़ी राहत मिलेगी।'

इस पर विमल का जवाब था, 'मां, आपको क्या पता, मेरी कमाई से ज्यादा तो मेरा खर्च है। आप लोग तो यहां पुश्तैनी मकान में रहते हैं, लेकिन मुझे तो हर महीने फ्लैट का किराया भी देना पड़ता है। आगे मेरा परिवार भी बढ़ रहा है तो खर्चे भी बढ़ रहे हैं फिर इस बीमारी का क्या पता ठीक हो ना हो! बेकार में लुटने-पिटने से क्या फायदा?'

बेटे के मुंह से ऐसा सुनकर कांताजी ने कभी दोबारा उसे किसी प्रकार की मदद के लिए नहीं कहा। मनोहरजी बच तो नहीं पाए, लेकिन अपने बड़े बेटे-बहू के सेवाभाव को देखकर उनके हृदय में हमेशा उनके लिए आशीर्वाद के भाव रहते। कांता देवी पति की मृत्यु से आहत थीं, ऊपर से आज मनोहरजी की तेरहवीं पर आए विमल के मुंह से ये सब सुनकर उन्हें बहुत बुरा लग रहा था। अपने बड़े बेटे को असमंजस में देख उन्होंने समझाया, 'कमल, तुझे किसी की बातों में आकर अपनी हैसियत से बाहर कुछ करने की जरूरत नहीं है। तूने अपने पिता के जीते जी उनकी जो जी-जान से सेवा की है, वो उसी से तृप्त हो गए हैं। ये ऊपरी दिखावा और कर्मकांड उनके लिए अब कोई मायने नहीं रखता। तू जितना कर रहा है, वह बहुत है। तेरे पिताजी की आत्मा तो तेरी सेवा से ही तृप्त हो गई है बेटा। बस पांच ब्राह्मणों को भोजन करा दे और अपने पिता का तर्पण कर दे।' फिर कांता देवी अपने छोटे बेटे विमल के मुखातिब होते हुए बोलीं, 'आज तुझे यहां सारे कामों में जो कमी नजर आ रही है, वह उस समय क्यों नजर नहीं आई, जब तेरे पिताजी बीमारी से तड़प रहे थे और तेरा यह भाई तंगी से जूझते हुए भी रोज उन्हें लेकर अस्पताल के चक्कर लगा रहा था। उसे अपने दिन का चैन और रातों की नींद की भी परवाह नहीं थी। उस समय तो तेरे मुंह से एक बार भी नहीं निकला कि भैया, पिताजी के इलाज में मैं कुछ मदद कर दूं। उस वक्त तुझे यहां कोई कमी नजर नहीं आई? बेटा तू अपने पैसे अपने पास रख, पता नहीं कब तुझे इनकी जरूरत पड़ जाए। मां हूं, इसलिए कभी अपने दिल और जुबान से तेरा बुरा नहीं सोचूंगी, लेकिन बेटा जब तेरे बच्चे अपनी जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ेंगे तब तुझे अपने मां-बाप का दर्द समझ में आएगा।'

यह सुनकर विमल का सिर झुक गया। उसे अपनी मां और भाई से नजरें मिलाने की हिम्मत भी नहीं हो रही थी। कमल ने अपने सामर्थ्य अनुसार अपने पिता का तर्पण और भोज कराया।

कांता देवी के चेहरे पर आज संतुष्टि के भाव थे। उन्हें विश्वास था कि उनके पति तृप्त होकर इस दुनिया से विदा हुए हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

देश की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी

आजादी के बाद देश के विकास और इसे सशक्त बनाने में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों की भूमिका रही है। इसी क्रम में वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब तक के अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण और अभूतपूर्व कार्य किए हैं और इस दिशा में निरंतर प्रयासरत भी हैं। फिर वो चाहे विश्व में भारतवर्ष की प्रतिष्ठा बढ़ाने की बात हो, कश्मीर से धारा 370 हटाने का ऐतिहासिक कदम हो, कोरोना काल का मजबूती से सामना करना रहा हो, महिलाओं और गरीबों के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयास हों या आतंकी गतिविधियों का मुंहतोड़ जवाब देना हो। इस पुस्तक में उनके ऐसे तमाम प्रयासों की विस्तार से चर्चा की गई है। इसमें लेखक ने नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व के कई पहलुओं को भी उजागर किया है। *

पुस्तक: भारतवर्ष की स्वर्णाभा नरेंद्र मोदी, **लेखक:** प्रोफेसर (डॉक्टर) रमेश चंद्र तोमर, **मूल्य:** 600 रुपए, **प्रकाशक:** प्रभात प्रकाशन, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

इतिहास रचने को तैयार टीम इंडिया, महिला वर्ल्ड कप को मिलेगा नया चैंपियन

आज दोपहर 3 बजे से भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खिताबी मुकाबला

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड ने महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में अपने तीसरे प्रयास में खिताबी सूखे को खत्म किया था और कुछ ऐसी ही स्थिति भारतीय महिला टीम की है, जो रविवार को अपने तीसरे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती का सामना करेगी। दक्षिण अफ्रीका का यह महिला विश्व कप का पहला फाइनल है। भारतीय टीम इससे पहले मिताली राज की अगुवाई में 2005 और 2017 में विश्व कप के फाइनल में पहुंच चुकी है। साल 2005 में दक्षिण अफ्रीका में खेले गए विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 98 रन से हराया था जबकि 2017 में इंग्लैंड ने घरेलू सरजमीं पर रोमांचक फाइनल में भारत पर नौ रन से जीत दर्ज की की। ऑस्ट्रेलिया सात खिताब और 9 फाइनल के साथ विश्व कप की सबसे सफल टीम है जबकि इंग्लैंड ने तीन और न्यूजीलैंड ने एक खिताब जीता है ऐसे में रविवार का दिन महिला क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक होगा क्योंकि जीतने वाली टीम पहली बार विश्व विजेता बनेगी।

विश्व कप में 1982 में हुआ था पहला फाइनल मैच

महिला विश्व कप के शुरुआती दो आयोजनों में विजेता का फैसला लीग चरण के अंकों के आधार पर हुआ था। इसमें 1973 में इंग्लैंड और 1978 में ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बना था। विश्व कप में फाइनल मैच की प्रथा 1982 से शुरू हुई। इंग्लैंड को 1982 और 1988 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से शिकस्त का सामना करना पड़ा लेकिन टीम ने 1993 में न्यूजीलैंड को हराकर पहली बार विश्व कप फाइनल जीता। न्यूजीलैंड इसके बाद 1997 में भारत में खेले गए विश्व कप के फाइनल में पहुंचा लेकिन इस बार उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। टीम ने हालांकि घरेलू सरजमीं पर साल 2000 में खेले गये विश्व कप के फाइनल में चिर-प्रतिद्वंद्वी ऑस्ट्रेलिया को हराकर इंग्लैंड की तरह ही अपने तीसरे प्रयास में सफलता हासिल की। भारत विश्व कप में अपना तीसरा फाइनल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने को तैयार है।

टीमें इस प्रकार

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), उमा छेत्री (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), हरलीन देयोल, शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, अमनजोत कौर, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, श्री चरणी, राधा यादव।

दक्षिण अफ्रीका : लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), एनेके बॉश, तजमिन ब्रिट्स, नादिन डी क्लार्क, एनेरी डर्कसन, सिनालो जाफ्ता, मारिजान काप अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, सुने लुस, कराबो मेसो, नॉनकुलुलेको म्लाबा, तुमी सेखुखुने, नोंडुमिसो टंगारियोन।

वनडे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी

दोनों देशों के बीच 33 वनडे मैचों 20 जीत के साथ भारत का पलड़ा भारी है लेकिन विश्व कप में मुकाबला बराबरी का है। वनडे विश्व कप के छह मैचों में भारत के नाम तीन जीत हैं लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने पिछले तीनों मैच में भारत को शिकस्त दी है। दक्षिण अफ्रीका इकलौती ऐसी टीम है, जिसे भारत ने 2017 से इस वैश्विक आयोजन में नहीं हराया है। विश्व कप के इतिहास में इससे ज्यादा बार लगातार मैचों में ऑस्ट्रेलिया (आठ) और न्यूजीलैंड (पांच) ने भारत को हराया है।

मेजबान टीम खेलेगी खिताबी मुकाबला

भारत ने फाइनल की मेजबानी कर रहे डीवाई पाटिल स्टेडियम में अपने दो मैचों जीत दर्ज की है जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था जबकि दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इस मैदान पर खेलेगी।

खबर संक्षेप

न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को हराया सीरीज पर किया कब्जा

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे क्रिकेट मैच में 222 रन पर समेटने के बाद दो विकेट से हराकर श्रृंखला 3.0 से जीत ली। न्यूजीलैंड ने 32 गेंद बाकी रहते आठ विकेट पर 226 रन बनाए। जाक फोकेस 14 और ब्लेयर टिकनेर 18 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड ने पहला मैच चार विकेट से और दूसरा पांच विकेट से जीता था। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने जोफ्रा आर्चर, ब्रायडन कार्स और जैमी ओवरटन से सारे ओवर करा लिए थे लिहाजा निर्णायक आखिरी ओवरों में सैम कुरेन और आदिल रशीद के ही विकल्प बचे थे। इंग्लैंड के बल्लेबाज श्रृंखला में तीसरी बार नाकाम रहे और टीम 50 ओवरों के भीतर ही आउट हो गई। एक समय पर पहले दस ओवर के भीतर उसके चार विकेट 44 रन पर गिर गए थे। इस महीने से आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली एशेज श्रृंखला से पहले जैमी स्मिथ, बेन डकेट, जो रूट और जैकब बेथेल का खराब फॉर्म चिंता का सबब है।

टी20 में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने बाबर

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम भारत के रोहित शर्मा और विराट कोहली को पीछे छोड़कर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। बाबर ने लाहौर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच में 18 गेंदों पर 11 रन बनाकर यह उपलब्धि हासिल की। बाबर ने अब तक 123 मैचों में 39.57 की औसत से 4234 रन बनाए हैं, लेकिन सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल अन्य खिलाड़ियों की तुलना में उनका स्ट्राइक रेट और छक्कों की संख्या कम है। बाबर का स्ट्राइक रेट 128.77 है और उन्होंने 73 छक्के लगाए हैं। इस मामले में रोहित, कोहली, जोस बटलर और पॉल स्टर्लिंग उनसे आगे हैं।

अर्शदीप को नजरअंदाज करना उचित नहीं : अश्विन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में भारतीय टीम प्रबंधन के टी20 टीम के अंतिम एकादश में अर्शदीप सिंह को शामिल नहीं करने पर हैरानी व्यक्त करते हुए कहा कि बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज के रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें जसप्रीत बुमराह के बाद दूसरी पसंद का तेज गेंदबाज होना चाहिए। अश्विन का मानना है कि अर्शदीप जैसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को नजरअंदाज करना उचित नहीं है।

आज दोपहर 1:45 बजे से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टी20

तेज गेंदबाज हेजलवुड टीम से बाहर भारतीय बल्लेबाजों को मिलेगी राहत

एजेंसी ▶▶| होबार्ट

तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार 2 नवंबर को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में थोड़ी राहत मिलेगी और वह पहले से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को अंतिम एकादश में जगह मिल पाती है या नहीं क्योंकि उनको लगातार बाहर रखने पर सवाल उठने लग गए हैं। सही लंबाई पर गेंद डालने में हेजलवुड की सटीकता और उछाल, भारतीय बल्लेबाजों के लिए दुःस्वप्न बन गई। ऑस्ट्रेलिया को इस महीने के आखिर में इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलनी है और उसे देखते हुए हेजलवुड को विश्राम दिया गया है।

भारतीय बल्लेबाजों को अतिरिक्त उछाल वाली गेंदों से दिक्कत

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने मेलबर्न में खेले गए दूसरे मैच के बाद कहा था, 'यह निश्चित रूप से राहत की बात होगी। मैंने ऐसी गेंदबाजी का सामना पहले कभी नहीं किया।' ऐसी स्थिति में भारतीय बल्लेबाजों को राहत मिलना स्वाभाविक है और वे जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस या सीन एबॉट जैसे गेंदबाजों का सामना करते समय अधिक आश्वस्त महसूस करेंगे। कप्तान सूर्यकुमार यादव और शुभमन गिल दोनों को अतिरिक्त उछाल और अच्छी सीम मूवमेंट वाली गेंदों से निपटने में दिक्कत हो रही है। सूर्यकुमार और गिल ने कैनबरा में बारिश से प्रभावित मैच में अच्छी बल्लेबाजी की थी और वह उसको दोहराने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। यह मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था।

बेलेरिव ओवल स्टेडियम की सीमा रेखा छोटी

होबार्ट स्थित बेलेरिव ओवल एक ऐसा मैदान है, जहां दोनों तरफ की सीमा रेखा छोटी है और ऐसे में शार्ट पिच गेंद पर कवर, प्वाइंट, स्क्वायर लेग या मिड-विकेट पर लंबे शॉट लगाए जा सकते हैं। बेलेरिव ओवल वह मैदान है, जहां विराट कोहली ने 2012 में श्रीलंका के खिलाफ 321 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 86 गेंदों में नाबाद 133 रन की शानदार पारी खेली थी। बेलेरिव ओवल की पिच पारंपरिक रूप से सफेद गेंद से होने वाले मैचों के लिए उपयुक्त मानी जाती है। यह तेज गेंदबाज एलिस का बीबीएल में घरेलू मैदान भी है, जो स्थानीय फ्रेंचाइजी होबार्ट हरिकेंस के कप्तान हैं। इस दौरे पर बल्लेबाजी की गहराई को लेकर भारतीय टीम प्रबंधन का जुनून चर्चा का विषय रहा है और एमसीजी में 125 रन के मामूली स्कोर पर आउट होने के बाद उसकी इस रणनीति पर सवाल उठने लग गए हैं।

हर्षित की गेंदबाजी में निरंतरता का अभाव

जहां तक गेंदबाजी का सवाल है तो हर्षित की गेंदबाजी में निरंतरता का अभाव है। अब यहां देखना दिलचस्प होगा कि अर्शदीप को उनकी जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जाता है या नहीं। अगर टीम प्रबंधन हर्षित को टीम में बनाए रखने की रणनीति पर कायम रहता है तब भी अर्शदीप को किसी एक स्पिनर के स्थान पर अंतिम एकादश में रखना चाहिए क्योंकि यहां के विकेट से स्विंग मिलने की संभावना है।

टीमें इस प्रकार

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया : मिशेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, टिम डेविड, बेन ड्वार्शिस, नाथन एलिस, ग्लेन मैक्सवेल, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट और मार्कस स्टोइनिस।

टेनिस

बोपन्ना ने छोड़ा रैकेट, पेशेवर टेनिस को कहा अलविदा

- रोहन ने कहा, टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अनुभवी टेनिस खिलाड़ी और दो बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस को अलविदा कह दिया, जिससे एटीपी टूर पर उनके दो दशक से अधिक के कैरियर पर विराम लग गया। 45 वर्ष के बोपन्ना ने आखिरी बार इस सप्ताह पेरिस मास्टर्स में खेला, जिसमें वह कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुबलिक के साथ पहले दौर में हार गए। कर्नाटक के कूर्ग के रहने वाले बोपन्ना ने ' अलविदा ..लेकिन अंत नहीं ' शीर्षक से अपने भावुक बयान में लिखा,' आधिकारिक रूप से खेल से विदा ले रहा हूं।' उन्होंने आगे लिखा ,' आप उस चीज से विदा कैसे ले सकते हैं, जिसने आपकी जिंदगी को मायने दिए। टूर पर बीस यादगार वर्ष बिताने के बाद अब विदा लेने का समय है।' उन्होंने लिखा,'भारत के छोटे से शहर कूर्ग से सफर की शुरुआत करने से लेकर , सर्विस दमदार बनाने के लिए लकड़ी के टुकड़े कांटने, स्टेमिना बढ़ाने के लिए कॉफी के बागानों के बीच से जॉगिंग करने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े कोर्ट पर दूधिया रोशनी में अपने सपनों को पूरा करने तक। सब सपने जैसा लगता है।'

रोहन ने 2023 में डेविस कप से ली थी विदाई

बोपन्ना ने पेरिस ओलंपिक के बाद अंतरराष्ट्रीय कैरियर से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 2023 में डेविस कप से विदा ली थी और आखिरी बार लखनऊ में मोरक्को के खिलाफ खेला था। युगल विशेषज्ञ बोपन्ना ने 22 साल तक खेलने के बाद टेनिस को खेल से अधिक करार देते हुए कहा कि चुनौतीपूर्ण क्षणों में यह उनके लिए शक्ति, विश्वास और ध्येय का स्रोत रहा। उन्होंने लिखा,'हर बार जब मैं कोर्ट पर उतरता था, तो इसने मुझे हिम्मत और फिर से लड़ने की सीख दी जब मेरे अंदर से आवाज आती थी कि मैं नहीं कर सकता और सबसे बढ़कर इसने मुझे याद दिलाया कि मैंने क्यों शुरू किया था और मैं कौन हूं।' बोपन्ना ने अपने परिवार को भी धन्यवाद दिया।

नॉर्थ कोस्ट स्क्वाश

रतिका का दमदार प्रदर्शन सेमीफाइनल में मारी एंट्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की रतिका सुथांथरा सीलन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलिया के कॉफ्स हार्बर में चल रही 6 हजार अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए चैलेंजर प्रतियोगिता नॉर्थ कोस्ट ओपन स्क्वाश के महिला वर्ग के एकल सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हांगकांग की तीसरी वरीयता प्राप्त बोबो लैम को 3-1 से हराया। तमिलनाडु की रहने वाली इस सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वी लैम को 11-13, 11-4, 14-12, 12-10 से हराया। सीलन का अगला मुकाबला मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त लोजैन गोहारी से होगा।

अय्यर को अस्पताल से मिली छुट्टी, बीसीसीआई ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली । भारत के वनडे उप-कप्तान श्रेयस अय्यर को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे में कैच लेने के सफल प्रयास के दौरान तिल्ली और पसलियों में चोट लगने के बाद सिडनी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बीसीसीआई ने कहा, 'उनकी (अय्यर) हालत और वह चोट से अच्छी तरह से उबर रहे हैं। सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के साथ बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनके स्वास्थ्य लाभ से संतुष्ट है और उन्हें आज अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।' इस 30 वर्षीय खिलाड़ी को 25 अक्टूबर को तीसरे वनडे में हर्षित राणा की गेंद पर एलेक्स कैरी का कैच लेने के दौरान बायीं पसलियों के निचले हिस्से और तिल्ली में चोट लग गई थी और आंतरिक रक्तस्राव होने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती करना पड़ा था। वह फिट होने पर भारत लौट आएंगे, लेकिन कम से कम अगले दो महीने तक वह मैदान से बाहर रहेंगे।

मेस्सी 13 दिसंबर को आएंगे भारत देश के चारों कोनों का करेंगे दौरा

कोलकाता। अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी 'जीओएटी भारत दौरे 2025' पर हैदराबाद भी जाएंगे, जिसे केरल में अर्जेंटीना टीम का प्रस्तावित दोस्ताना मैच रद्द होने के बाद कार्यक्रम में शामिल किया गया है। नए कार्यक्रम के तहत अब मेस्सी देश के चारों कोनों पूर्व (कोलकाता), दक्षिण (हैदराबाद), पश्चिम (मुंबई) और उत्तर (दिल्ली) जाएंगे। मेस्सी 12 दिसंबर की मध्यरात्रि या 13 दिसंबर को तड़के पहुंचेंगे। वह मियामी से दुबई आकर एक या दो दिन आराम करेंगे, जिसके बाद निजी जेट से कोलकाता आएंगे। मेस्सी 13 दिसंबर को कोलकाता से हैदराबाद जाएंगे और 14 दिसंबर को मुंबई पहुंचेंगे। वह 15 दिसंबर को दिल्ली जाएंगे, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इस दौरे के आयोजक सताद्रू दत्ता ने कहा,' अब वह दक्षिण भारत भी जाएंगे। दक्षिण भारत के लाखों फुटबॉलप्रेमियों को यह तोहफा होगा। इसके साथ ही भारत के हर कोने को इसमे शामिल किया गया है। मैं चाहता हूं कि पूरा भारत इसका हिस्सा हो। केरल का मैच रद्द होने के कारण दक्षिण भारत के लोगों को मेस्सी को देखने के मौके से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा,' दक्षिण भारत के लोग हैदराबाद जाकर उन्हें देख सकते हैं। हैदराबाद के कार्यक्रम की बुकिंग एक सप्ताह के भीतर शुरू होगी। यह कार्यक्रम गाचिबोली या राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा।'

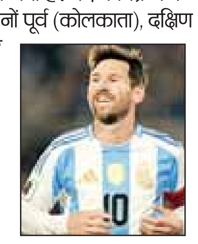

विश्व कप जीतने पर महिला टीम को मिलेगी बड़ी राशि

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अगर नवी मुंबई में रविवार को वनडे विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर इतिहास रच देती है तो बीसीसीआई हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को बड़े नकद पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए तैयार है।

माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व सचिव और अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के चेयरमैन जय शाह की 'समान वेतन' नीति का अनुकरण करते हुए शीर्ष अधिकारी महिला टीम को उतनी ही पुरस्कार राशि देने पर विचार कर रहे हैं, जितनी पिछले साल टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम को दी गई थी। भारतीय पुरुष टीम ने टी20 विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया था, जिससे खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की पूरी टीम को उनके प्रदर्शन के लिए 125 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि दी गई थी।

बीसीसीआई ने किया समान वेतन का समर्थन

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, 'बीसीसीआई पुरुषों और महिलाओं के लिए समान वेतन का समर्थन करता है इसलिए इस बात पर काफी चर्चा हो रही है कि अगर हमारी लड़कियां विश्व कप जीत जाती हैं तो पुरस्कार राशि पुरुषों की विश्व कप जीत की तुलना में कम नहीं होगी। लेकिन विश्व कप जीतने से पहले घोषणा करना अच्छा नहीं है।'

नहीं मिल रहे महिला विश्व कप फाइनल के टिकट

नवी मुंबई। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम आईसीसी वनडे विश्व कप में इतिहास रचने से एक जीत दूर है और ऐसे में प्रशंसकों के बीच इस मैच को लेकर जबरदस्त उत्साह है लेकिन टिकट नहीं मिलने से उन्हें निराशा का सामना करना पड़ रहा है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच फाइनल रविवार को खेला जाना है और सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया को रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके पांच विकेट से हराने वाली मेजबान टीम को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। सेमीफाइनल में भारतीय टीम के प्रदर्शन के बाद फाइनल के लिए डीवाई पाटिल स्टेडियम के बाहर टिकट के लिए प्रशंसकों की भीड़ देखी जा सकती है। स्टेडियम में दर्शकों को आकर्षित करने के लिए टिकट की कीमत महज 100 रुपए से शुरू थी लेकिन शनिवार दोपहर तक स्टेडियम में दर्शकों के लिए टिकट उपलब्ध नहीं थे।

पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंचे अलेक्जेंडर, अब सिनर से मुकाबला

दो साल बाद ज्वेरेव ने मेदवेदेव के खिलाफ तोड़ा हार का सिलसिला

एजेंसी ▶▶| पेरिस

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने दो मैच प्वाइंट बचाकर दानिल मेदवेदेव को 2-6, 6-3, 7-6 (5) से हराया और पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीद बरकरार रखी। ज्वेरेव ने इस जीत से मेदवेदेव के खिलाफ पिछले दो साल से चला आ रहा पांच मैचों की हार का सिलसिला समाप्त कर दिया। दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी ज्वेरेव सेमीफाइनल में दूसरे नंबर के यानिक सिनर से भिड़ेंगे। पिछले सप्ताहांत वियना फाइनल में दोनों की भिड़ंत हुई थी, जहां सिनर ने तीसरे सेट में 7-5 से जीत हासिल की थी। दोनों का एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड 4-4 से बराबर है। निर्णायक सेट में 4-5 के स्कोर पर ज्वेरेव ने मेदवेदेव के खिलाफ दोनों मैच प्वाइंट बचाए। पेरिस मास्टर्स में 2020 फाइनल में ज्वेरेव को हराने वाले मेदवेदेव ने टाईब्रेकर में 5-5 की बराबरी कर ली, लेकिन ज्वेरेव ने फिर से बढ़त बनाते हुए ढाई घंटे में जीत हासिल कर ली।

सिनर ने शेल्टन को हराया सेमीफाइनल में पहुंचे

सिनर ने नंबर सात बेन शेल्टन को 6-3, 6-3 से हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इससे वह फिर से नंबर एक रैंकिंग हासिल करने के करीब पहुंच गए। यदि सिनर खिताब जीत लेते हैं, तो यह वर्ष की उनकी पहली मास्टर्स ट्रॉफी होगी और इससे वह फिर से विश्व के नंबर एक खिलाड़ी भी बन जाएंगे। अमेरिकी खिलाड़ी पर सिनर की यह लगातार सातवीं जीत है। फेलिक्स ऑगर अलियासिमे ने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले वैलेन्टिन वेचेरोत को 6-2, 6-2 से पराजित किया। सेमीफाइनल में उनका सामना अलेक्जेंडर बुब्लिक से होगा, जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर को बिना सर्विस गंवाए 6-7(5) 6-4 7-5 से हराया।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह बोले – 'बीमारू से देश का अग्रणी राज्य बना मध्यप्रदेश'

प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर हुआ भव्य आयोजन

विकास व प्रकृति के बीच संतुलन ही मप्र की सबसे बड़ी सफलता

जबलपुर। गोलबाजार स्थित शहीद स्मारक भवन में शनिवार को मध्यप्रदेश के 70वें स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। प्रदेश की गौरवशाली परंपरा, वर्तमान उपलब्धियाँ और भविष्य की विकास योजनाओं का विस्तृत उल्लेख इस समारोह में किया गया। कार्यक्रम में लोक संस्कृति की झलक करमा और भगोरिया नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत की गई, जिसने सभागार में उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा "कभी 'बीमारू राज्य' कहलाने वाला मध्यप्रदेश आज देश के अग्रणी और तेजी से विकसित हो रहे राज्यों में शामिल है। यह परिवर्तन आकस्मिक नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत, नीति और जनता के सहयोग का परिणाम है।" उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश में कभी बीहड़ों की चर्चा होती थी, आज वही प्रदेश एक्सप्रेस-वे और हाईवे के जाल से जुड़ रहा है। "हम लोक निर्माण से लोक कल्याण के सिद्धांत पर आगे बढ़ रहे हैं। विकास और प्रकृति के बीच संतुलन बनाना ही हमारी सबसे बड़ी सफलता है,"

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं मध्यप्रदेश गान से हुआ। मंच पर महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू', विधायक संतोष वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा गोंटिया, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय, तथा अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

'अभ्युदय मध्यप्रदेश' थीम पर लगी प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बनी

"अभ्युदय मध्यप्रदेश प्रदेश के सर्वांगीण विकास की पहल" थीम पर आयोजित इस समारोह में शहीद स्मारक प्रांगण में विभागीय प्रदर्शनी भी लगाई गई। जिला पंचायत, लोक निर्माण विभाग, पर्यटन, कृषि, शिक्षा, जनजातीय कार्य और एमएसएमई विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉलों को आमजन ने खूब सराहा।

संस्कारधानी के विकास में सबका योगदान जरूरी : महापौर

महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने अपने संबोधन में कहा कि जबलपुर, जिसे संस्कारधानी कहा जाता है, प्रदेश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। "जबलपुर हमारी जन्मभूमि और कर्मभूमि दोनों है। यह उस प्रदेश का हिस्सा है जिसे प्रकृति ने अत्यंत सौंदर्य और संसाधनों से नवाजा है," महापौर ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बाँधा समां

स्थापना दिवस समारोह में स्कूली बच्चों द्वारा शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। सत्यप्रकाश पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने करमा नृत्य, सेंट थॉमस विद्यालय के छात्रों ने भगोरिया नृत्य, माउंट लिटरा सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने चारों युगों पर आधारित समूह नृत्य, और पश्चिम मध्य रेलवे स्काउट्स एंड गाइड्स के बच्चों ने "स्वच्छ रेल–स्वच्छ भारत" पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। समारोह के समापन पर सभी बच्चों को महापौर श्री अन्नू एवं अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

इलेक्ट्रो प्लेटर की अंगुली कटी

ओएफके के ए-1 सेक्शन में हादसा

जबलपुर। आयुध निर्माणी खमरिया के सेक्शन ए-1 में काम करने के दौरान शुक्रवार को इलेक्ट्रो प्लेटर की अंगुली मशीन की चपेट में आकर कट गई। सेक्शन में लहुलुहान हुए कर्मचारी को तत्काल निर्माणी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे निजी अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया है। फैक्ट्री कर्मचारियों के मुताबिक इलेक्ट्रो प्लेटर सुभाष आलम मशीन पर काम कर रहे थे। प्लेट कटिंग के दौरान अचानक उसका हाथ मशीन में आ गया। मौके पर उसने हाथ पीछे खींचा था लेकिन उसकी एक अंगुली मशीन के कटर में आ गई थी। पल भर में उसके हाथ की अंगुली कटकर अलग हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही मौजूद कर्मचारियों ने उसके हाथ में टाइट पट्टी बांधी और बेसुध हो रहे कर्मचारी को तत्काल इलाज के लिए निर्माण अस्पताल ले गए थे। फैक्ट्री प्रशासन इस मामले की जांच में जुट गया है।

असामाजिक तत्वों की धरपकड़ हुई तेज

जबलपुर। शहर पुलिस ने जुआ, सट्टा खिलाने वालों एवं अवैध मादक पदार्थ, अवैध हथियार, के कारोबार में लिप्त आरोपियों के साथ साथ चोरी, नकबजनी एवं मारपीट करने वाले आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है।

कंट्रोलरुम से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटे में आदतन अपराध करने वाले 8 आरोपियों के विरूद्ध धारा 129 बी.एन.एस.एस. (110 जा.फौ.) के तहत, तथा वाद विवाद करने वाले 77 व्यक्तियों के विरूद्ध 126/135 (3) बी.एन.एस.एस (107/116 जा.फौ.) के तहत, एवं 13 व्यक्तियो के विरूद्ध धारा 170 बी.एन.एस.एस (151 जा.फौ.) के तहत की गयी है, इसी प्रकार पिछले कई वर्षो से फरार 10 गैरम्यादी, 32 म्यादी वारंटी, को गिरफ्तार किया गया है तथा 33 व्यक्तियों के विरूद्ध 34 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये *७२ पाव देशी/अंग्रेजी एवं 78 लीटर कच्ची शराब, जप्त की गयी तथा 2 व्यक्तियो के विरूद्ध 25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 2 चाकू जप्त किये गये एवं 10 जुआडियों को जुआ खेलते हुये एवं 5 सटोरियों को सट्टा लिखते हुये रंगे हाथों पकडा गया जुआडियो एवं सटोरियो के कब्जे से 5 हजार 790 रूपये जब्त किये गये।

कार की टक्कर से स्कूटी चालक घायल

जबलपुर। संजीवनी नगर थाना अतंर्गत पुरवा झंडा चौक कांजी हाउस के पास एक कार ने एक स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी चालक स्कूटी सहित नीचे गिरकर घायल हो गया। संजीवनी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार धनवंतरी नगर निवासी 45 वर्षीय दिनेश सिंह सेंगर गत दिवस अपनी स्कूटी से अपने दोस्त के यहां मदनमहल जा रहा था। रात लगभग 8.35 बजे पुरवा झंडा चौक कांजी हाउस के पास पहुंचा, तभी पीछे से आ रही एक काले रंग की कार ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह स्कूटी सहित नीचे गिरकर घायल हो गया और उसे हाथ, कलाई, कंधे, चेहरे व पैर में चोटें आ गई है। वहीं कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 281, 125 ए बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सिहोरा में वारदात खेत में मिली लाश

चंडी मेला घूमने गये युवक की झगड़े के बाद हत्या

जबलपुर। सिहोरा थाना क्षेत्र के ग्राम गौरहा-भिटौनी में शनिवार सुबह एक युवक का लहूलुहान शव खेत में मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 39 वर्षीय कैलाश कोल पिता सीताराम कोल, निवासी भिटौनी के रूप में हुई है।

ग्रामीणों के अनुसार, शुक्रवार की रात गांव में आयोजित चंडी मेले में कैलाश का किसी से विवाद हुआ था। आशंका जताई जा रही है कि उसी झगड़े के बाद उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, कैलाश शुक्रवार शाम मेले में जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन रातभर घर नहीं लौटा। शनिवार सुबह ग्रामीणों ने खेत के पास झाड़ियों में खून से सना शव देखा तो तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि खेत में संघर्ष के निशान मौजूद हैं, जिससे यह अंदेशा है कि हत्या वहीं की गई। सिर पर किसी भारी वस्तु से वार किए जाने के स्पष्ट निशान मिले हैं। पुलिस ने शव को सिविल अस्पताल सिहोरा भेजकर पोस्टमार्टम कराया है।

घटनास्थल से खून से सनी मिट्टी, फुटप्रिंट और अन्य सबूत एकत्र किए गए हैं। डॉग स्क्वाड और एफएसएल की टीम भी मौके पर जांच में जुटी रही। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक अपने कुछ परिचितों के साथ मेला देखने गया था। पुलिस अब उन लोगों की तलाश कर रही है जो अंतिम बार उसके साथ देखे गए थे। सिहोरा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही वारदात का पर्दाफाश किया जाएगा।

अदालत में केस दायर करने नहीं चलेगी अफसरों की मनमानी

सरकार ने किया नियमों में बदलाव

हरिभूमि जबलपुर।

अदालत में केस दायर करने की अधिकारियों की आजादी पर राज्य सरकार ने पाबंदी लगा दी है। ऐसा करने से पहले अधिकारियों को महाधिवक्ता कार्यालय या सरकारी वकील की हरी झंडी अनिवार्य रूप से लेनी होगी। जो अधिकारी ऐसा नहीं करेंगे, उन पर कार्रवाई भी की जा सकती है।

सामान्य प्रशासन विभाग ने जबलपुर कलेक्टर को पत्र भेजकर इस परिवर्तन से अवगत करा दिया है। पत्र में सभी विभागों से यह भी कहा गया है कि अगर महाधिवक्ता कार्यालय या संबंधित शासकीय अधिवक्ता यह अभिमत देते हैं कि केस कोर्ट में ले जाने के योग्य नहीं है तो संबंधित विभाग या कार्यालय इस एडवाइज को नोटशीट में दर्ज कर संबंधित प्रशासकीय विभाग की स्वीकृति लेने के लिए भेजेंगे।

ये जानकारी भेजनी होगी भोपाल

कोर्ट में अपील या याचिका पेश करने से इनकार करने के मामले में महाधिवक्ता कार्यालय को राज्य शासन ने गंभीरता से लेते हुए कहा है कि अगर किसी मामले में महाधिवक्ता कार्यालय इससे इनकार करे तो राज्य शासन को इसकी जानकारी दी जाए। राज्य शासन ऐसे मामलों में याचिका या अपील दायर करने के लिए महाधिवक्ता कार्यालय को लिखेगा। इसके साथ ही सभी विभागों से यह भी कहा गया है कि कोई भी विभाग महाधिवक्ता कार्यालय या शासकीय अधिवक्ता के अभिमत बगैर हाईकोर्ट में अपील या याचिका दायर नहीं करेगा। उच्च न्यायालय के समक्ष याचिकाए अपील या रिव्यूए रिवीजन आदि दायर करने के संबंध में सरकार के निर्देशों का सख्ती से पालन करें। सभी विभागों से यह भी कहा गया है कि अगर महाधिवक्ता कार्यालय या संबंधित शासकीय अधिवक्ता यह अभिमत देते हैं कि केस कोर्ट में ले जाने के योग्य नहीं है तो संबंधित विभाग या कार्यालय इस एडवाइज को नोटशीट में दर्ज कर संबंधित प्रशासकीय विभाग की स्वीकृति लेने के लिए भेजेंगे।

निजी याचिका भी पेश नहीं कर सकेंगे

यह प्रस्ताव प्रभारी अधिकारी को भेजा जाएगा जो महाधिवक्ता कार्यालय से संपर्क कर शासन की ओर से याचिका या अपील पेश करेगा। इस स्थिति में महाधिवक्ता कार्यालय इस याचिका या अपील को दायर करने से इनकार नहीं कर सकेगा। शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी दशा में राज्य शासन के विरुद्ध या उसकी ओर से कोई निजी अधिवक्ता प्रत्यक्ष रूप से कोई अपील या याचिका पेश नहीं करेगा।

निर्देशों का पालन किया जाएगा

सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र में जारी निर्देशों का पालन किया जाएगा। संबंधित विभागों और अधिकारियों को इस संशोधन से अवगत कराया जा रहा है।

चाकूबाजी की 2 वारदातों में 3 युवक घायल

जबलपुर। अधारताल और रांझी थाना क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर बदमाशों ने तीन युवकों के साथ मारपीट कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया।

अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार महाराजपुर निवासी 44 वर्षीय प्रदीप श्रीवास्तव गत दोपहर लगभग 2.30 बजे अपने बेटे कृष्णा श्रीवास्तव के साथ जा रहा था। पार्वती कालोनी हनुमान मंदिर के सामने पहुंचा तभी गुल्लू उर्फ रितिक उपाध्याय बाईक से आया और गाली गलौज करते हुये शराब पीने के लिये 500 रूपये की मांग करने लगा, मना करने पर मारपीट करने लगा। बेटा कृष्णा बीचबचाव करने लगा तो गुल्लू उर्फ रितिक ने चाकू से प्रदीप व कृष्णा पर हमला कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 119(1), 118(1), 351(2), बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। इसी तरह रांझी में व्हीकल मड़ई निवासी 30 वर्षीय अजय ठाकुर गत रात लगभग 11 बजे गोकलपुर चंडी मेला देखकर अपने घर लौट रहा था, तभी रात लगभग 11.45 बजे व्हीकल मड़ई मस्जिद के पास मड़ई निवासी सुल्तान खान उससे शराब पीने के लिए 1 हजार रुपए की मांग करने लगा, मना करने पर गालीगलौज कर चाकू से हमला कर घायल कर दिया तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा धारा 296(बी), 119(1), 118(1), 351(2), बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240